रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:89 | शुक्रवार,05 दिसंबर | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई, ईडी को नोटिस

संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। यह याचिका रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दाखिल शिकायत पर लिए गए संज्ञान को चुनौती देने के संबंध में दायर की गई थी। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम की ओर से लिए गए संज्ञान को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने ट्रायल कोर्ट को यह आदेश दिया है कि 12 दिसंबर को निर्धारित सुनवाई को अगली अदालत के आदेश तक स्थगित रखा जाए। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की पीठ में हुई। मुख्यमंत्री सोरेन की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा, दीपांकर राँय और श्रेय मिश्रा ने पक्ष रखा।

धनबाद में जहरीली गैस का कहर, दो महिलाओं की मौत

धनबाद : झारखंड के धनबाद जिले के केंदुआडीह थाना क्षेत्र में जहरीली गैस लीक की समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। गैस के प्रभाव से अब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी है, जिसके बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पहली मौत बुधवार रात हुई थी, जब प्रियंका देवी की हालत अचानक बिगड़ गई। गुरुवार को 62 वर्षीय ललिता देवी ने भी दम तोड़ दिया। हालांकि प्रशासन का कहना है कि दोनों मौतों की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इन घटनाओं के विरोध गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने धनबाद-झरिया मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। लोगों ने टायर जलाकर जिला प्रशासन और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। उनका कहना है कि जब तक सुरक्षित पुनर्वास नहीं दिया जाता और जहरीली गैस के स्रोत को चिह्नित कर बंद नहीं किया जाता, तब तक जाम जारी रहेगा, लेकिन लगभग चार घंटे के बाद प्रशासन और ग्रामीणों में हुई बातों के बाद सड़क जाम समाप्त कर दिया गया है।

फ्रेंच वायु सेना के साथअभ्यास 'गरुड़' संपन्न

स्पेस फोर्स (एफएएसएफ) के साथ हवाई अभ्यास 'गरुड़' का समापन करके भारतीय वायु सेना की टुकड़ी भारत लौट आई है। फ्रांस के मॉंटडी-मार्सन एयर बेस पर हुए द्विपक्षीय हवाई अभ्यास 'गरुड़' में भारत और फ्रांस के लड़ाकू विमानों ने साथ उड़ान भरी। अभ्यास के दौरान दोनों वायुसेनाओं ने रियलिस्टिक ऑपरेशनल माहौल में कई मुश्किल एयर ऑपरेशन किए। वायु सेना ने अभ्यास के दौरान सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के साथ हिस्सा लिया, जिसे आईएल-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट और सी-17

जेएसएससी सीजीएल परिणाम पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अभ्यर्थियों को दी बधाई, कहा

इरादे नेक हो तो सब कुछ होता है बेहतर

संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्रीहेमन्त सोरेन ने गुरुवार कोझारखंड कर्मचारी चयन आयोग(जेएसएससी) की संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा के अभ्यर्थियों को बधाई दी। झारखंडउच्च न्यायालय द्वारा रिजल्ट जारी करने और नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के आदेश के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी ढोल-नगाड़ों के साथ मुख्यमंत्री आवास पहुंचे औरखुशी का इजहार किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहाकि अगर इरादे नेक हों, तो हर काम बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में थोड़ी देरी जरूर हुई, लेकिन अब बाधाएं दूर हो चुकी हैं। यदि उच्च न्यायालय का फैसला जल्द आता, तो राज्य सरकार कीपहली वर्षगांठ के मौके पर उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपनेका अवसर मिल जाता। बावजूद इसके, युवाओं के संघर्ष और जज्बे ने सफलता की राह तैयार की

है।मुख्यमंत्री सोरेन ने आरोप लगाया कि राज्य में कुछ विरोधी ताकतेंलगातार प्रतियोगी परीक्षाओं को बाधित करने की कोशिश करती हैं। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के मामले में भी षड्यंत्र किए गए, लेकिन सरकार ने निष्पक्ष जांच कर सच सामने लाया। दोषियों पर सख्तकार्रवाई हुई और उच्च न्यायालयने भी पारदर्शिता और ईमानदारप्रयासों को मान्यता दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपीएससीने पिछले 18 वर्षों में जितनी परीक्षाएं कराईं, उससे अधिक परीक्षाएं सरकार ने सिर्फ 5 वर्षों मेंसंचालित कराईं। उन्होंने दावाकिया कि वर्तमान सरकार केकार्यकाल में हुई सभी परीक्षाएं पारदर्शी और निष्पक्ष रहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं कोअवसर देने और उनका भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।जब हमारे युवा खुश और सक्षमहोंगे, तभी झारखंड सशक्त और विकसित राज्य बन पाएगा।मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे अभ्यर्थियों ने उनकी पहल और न्याय दिलाने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की निष्पक्ष कार्रवाई औरप्रतिबद्धता के कारण लंबा संघर्ष सफल हो सका है।जिन अभ्यर्थियों की ओर से याचिका दायर की गई थी, उन्होंने सुनवाई के दौरान दावा किया था कि 22 सितंबर 2024 को आयोजित परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक हुआ था। कोर्ट में पेश दलीलों में वाट्सएप चैट, संदिग्धों केबयान, नेपाल कनेक्शन और कथित भुगतान के सबूतों का हवाला दिया गया था।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दोनों विवादास्पद विधेयकों पर सरकार से मांगा मंतव्य

विवि और कोचिंग सेंटर बिल को राजभवन की मंजूरी नहीं

संवाददाता

रांची:झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमारगंगवार ने झारखंड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन)विधेयक-2025 और झारखंड कोचिंग संस्थान (नियंत्रण एवंविनियमन) विधेयक-2025 पर अब तक स्वीकृति नहीं दी है। दोनोंविधेयकों पर भाजपा सहित करीब दो दर्जन राजनीतिक, सामाजिक व छात्रसंगठनों की ओर से गंभीर आपत्तियांदर्ज की गई हैं। इन आपत्तियों के बादराज्यपाल ने उच्च शिक्षा विभाग सेदोनों विधेयकों पर विस्तृत मंतव्यमांगा है। मंतव्य मिलने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। मंत्री गए थे स्वीकृति लेने, लौटे खाली हाथ : पिछले महीने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार स्वयं राज्यपाल से मिले थे और दोनों विधेयकों पर शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया था। राज्यपाल ने उन्हें स्पष्ट बताया था कि कई संगठनों ने गंभीर आपत्तियां दर्ज की हैं और इन पर सरकार का पक्ष जानना जरूरी है। इसके बाद राज्यपाल ने सभी ज्ञापनों की प्रति सरकार को भेजते हुएऔपचारिक रूप से मंतव्य मांगा है।फिलहाल दोनों विधेयक राज्यपाल केपास लंबित हैं। सरकार का मंतव्य आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगाकि राज्यपाल इन्हें स्वीकृति देते हैं, आरक्षित रखते हैं या राष्ट्रपति केपास भेजते हैं।विधानसभा के मानसून सत्र मेंपारित इस विधेयक में सबसे बड़ाविवाद कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर है। वर्तमान में राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतिकी नियुक्ति राज्यपाल(कुलाध्यक्ष) करते हैं। नए विधेयक में यह अधिकार पूरी तरह राज्य सरकार के पास जानेका प्रावधान है। विपक्ष और छात्रसंगठनों का आरोप है कि इससेविश्वविद्यालयों पर सरकार कापूर्ण नियंत्रण हो जाएगा औरशैक्षणिक स्वायत्तता खत्म हो जाएगी। भाजपा ने इसेसंवैधानिक पद पर अतिक्रमण बताया है।कोचिंग नियंत्रण विधेयक में 50 सेअधिक छात्रों वाले सभी कोचिंगसंस्थानों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। पंजीकरणके समय बैंक गारंटी जमा करानीहोगी। साथ ही 1000 से ज्यादा छात्रों वाले कोचिंग सेंटरों को फुल-टाइम मनोचिकित्सक रखना जरूरी होगा।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के नियमन से संबंधित बिल

स्पीकर ने बुलाई सर्वदलीय बैठक,

आज से शुरू होगा विधानसभा का शीतकालीन सत्र

संवाददाता

रांची :झारखंड विधानसभा का शीतकालीन शुक्रवार से शुरू हो रहा है। इसे लेकर स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने गुरुवार को सभी दलों के साथ बैठक की। बैठक में सभी नेसत्र के सफल संचालन में सहमति जताई। सर्वदलीय बैठक में सीएम हेमंत सोरेन, संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, लोजपा (आर) के जनार्दन पासवान, आजसू के निर्मल महतो, माले के अरुण चटर्जी शामिल हुए। इधर, सत्र की तैयारियों को लेकर सत्ता पक्ष के मंत्रियों और विधायकों की बैठक आज डॉ श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षतामुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। मुख्यमंत्री ने सत्र के दौरान सरकारके एजेंडा, विधायी कार्यों और विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मंत्रियों एवं विधायकोंसे कहा कि सत्र के दौरान जनता से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठायाजाए तथा सरकार की योजनाओंऔर उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

दो दिन की भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंचे राष्ट्रपति पुतिन

रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नही

एजेंसी

नई दिल्ली : मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपतिपुतिन और अमेरिका के विशेष दूतस्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठकहुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीतफायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफकहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बतायाकि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिनकई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।पुतिन-ट्रंप की बैठक तय नहीं : उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रंप की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भरकरेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन केराष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशलमीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन कोबताएंगे कि बैठक में या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगलाकदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा।

लालू परिवार के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश टला, 8 को सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली : नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में दिल्ली कॉरावज एवेन्यू कोर्ट से फिलहाल लालू परिवार को राहत मिली है। कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ीदेवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रतापयादव, मीसा भारती, हेमा यादव सहित अन्य के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश टाल दिया है। कोर्ट ने सीबीआई को आरोपियों का स्टेटस वेरिफाई करने और उसकी रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया है, क्योंकि कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों की मौतहो गई थी। अब कोर्ट इस मामले की सुनवाई 8 दिसंबर को करेगा। माना जा रहा है कि उसी दिनआरोप तय किए जाने पर अंतिमनिर्णय लिया जा सकता है। 10 नवंबर को हुई पिछली सुनवाई मेंविशेष सीबीआई न्यायाधीश विशाल गोगने ने अपना आदेशसुरक्षित रखते हुए फैसला 4 दिसंबर तक के लिए टाल दिया था। आज फिर अदालत ने आरोप तय करने का आदेश स्थगित कर दिया,जिसके बाद सभी की निगाहें 8 दिसंबर पर टिक गई हैं। यदि अदालत को आरोप तय करने के लिए पर्याप्त आधार मिलता है, तो लालू परिवार के लिए यह बड़ीकानूनी चुनौती बन सकता है। वहीं सबूतों के अभाव में आरोप तय नहीं हुए तो लालू परिवार को बड़ीराहत मिल सकती है। जमीन के बदले नौकरी घोटाला 2004 से2009 के बीच है, जब लालूप्रसाद यादव रेलवे मंत्री थे। सीबीआई का आरोप है कि लालूयादव ने इस दौरान पटना के 12लोगों को ग्रुप डी में चुपके सेनौकरी दी और उनसे अपने परिवार के लोगों के नाम पटना में जमीनें लिखवा लीं। सीबीआई का दावा है कि लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारतीऔर हेमा यादव के नाम प्लॉट्सकी रजिस्ट्री करायी गयी और जमीन की मामूली कीमत नकद में चुकायी गयी। उधर रेलवे में जिनपदों पर भर्ती हुई,

सियासी | विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पूर्व मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने किया दावा

झारखंड का खजाना भरा है, योजनाओं के लिए पर्याप्त धन

संवाददाता

रांची : विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पूर्व सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। अनुपूरक बजट को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बीच वित्त मंत्रीराधाकृष्ण किशोर ने सरकार की वित्तीय स्थिति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि राज्य का खजाना खाली नहीं हैऔर किसी भी योजना को पूरा करने के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध हैं।गुरुवार को मीडिया से बातचीत मेंवित्त मंत्री ने कहा कि सरकार के पास अभी भी बाजार से 18-20 हजार करोड़ रुपये तक ऋण लेने की क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग कह रहे हैं कि खजाना खाली है, लेकिन मैं वित्त मंत्री हूं– मुझसे पूछ लेते। राज्य आर्थिक रूप से सक्षम है।' बता दें किविधानसभा सत्र से ठीक पहले वित्तमंत्री का यह बयान राजनीतिकहलकों में नई चर्चा छेड़ने वाला है।सरकार जहां वित्तीय मजबूती कादावा कर रही है, वहीं विपक्ष इस मुद्दे को सत्र में बड़े तेवर के साथ उठाने की तैयारी में है।झारखंड में सियासी चर्चाओं केबीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाजपा के नजदीक होने के लगरहे कयास को कांग्रेस नेता और सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने खारिजकर दिया है। विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि कुछ लोगों को दिन में सपना देखने की आदत हो तो मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन इतना तो साफ है कि इस संबंध मेंदूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। आखिर यह बात कहां से निकलीयह मुझे समझ में नहीं आता है। कोई कहता है कि राज्य काखजाना खाली है तो वित्त मंत्री हम है, कोई हमसे पूछे की वास्तविकस्थिति क्या है।

अनुपूरक बजट पर विपक्ष को जवाब

उन्होंने बताया कि नेता प्रतिपक्ष अनुपूरक बजट पर विशेष चर्चा चाहते थे, जिस पर सरकार ने वाद-विवाद की अवधिबढ़ाने पर सहमति जताई है। मंत्री ने अपेक्षा जताई कि शीतकालीन सत्र मेंसत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सदन कीगरिमा बनाए रखते हुए रचनात्मक भूमिका निभाएंगे।

केंद्र सरकार पर आर्थिक सहयोग न करनेका आरोप

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं की राशि समय पर मिल जाए तो झारखंड कई क्षेत्रों में और तेजी से प्रगति कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि कोल कंपनियों के पास झारखंड का जो 1,36 लाख करोड़ रुपये बकाया है, उसे राज्य को दिलाया जाए।विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए सवालका जवाब देते हुए राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि कुछ लोगों को दिन में सपना देखने की आदत हो तो मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन इतना तो साफ है कि इस संबंध मेंदूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है।विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए राधाकृष्ण किशोर ने कहा।

बाल विवाह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, एक बेटी से छीन लेता है उसका बचपन : अन्नपूर्णा देवी

संवाददाता

नई दिल्ली : महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बाल विवाह केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि एक बेटी से उसका बचपन छीन लेता है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नया भारत बाल विवाह मुक्त भारत केवल एक संकल्प नहीं, यह हमारी राष्ट्रीय विरासत है। गुरुवार को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक साल पूरा होने के मौके पर विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में वे बोल रही थीं। इस मौके पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान की शुरुआत की। अपने संबोधन में अन्नापूर्णा देवी ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सूरजपुर जिला बाल विवाह मुक्त बन गया है। 75 ग्राम पंचायतों में दो साल में एक भी बाल विवाह नहीं हुआ है।इससे भरोसा मिलता है कि अगर एक जिला कर सकता है तो पूरा भारत भी कर सकता है।आज भारत बदल रहा है और बेटियां उससे भी तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान देश की मानसिकता बदलने का सबसे बड़ा माध्यम साबित हुआ है।जन्म के समय जेंडर अनुपात में सुधार हुआ है और स्कूली शिक्षा में लड़कियों की भागीदारी बढ़ी है।उन्होंने कहा कि सरकार ने वंचित वर्ग के छात्रों को प्रीमैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप दी जिससे लाखों बेटियों की पढ़ाई बिना रुके जारी है। इस वर्ष 1,827 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।केन्द्रीय मंत्री ने 2024 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी स्पष्ट निर्देश का हवाले देते हुए कहा कि बाल विवाह रोकने में सरकारी एजेंसियों, सिविल सोसाइटी, परिवारों, युवाओं और धार्मिक-सामुदायिक नेताओं की एकजुटता जरुरी है।

सीजीएल : हाईकोर्ट के फैसले के बाद रांची में जश्न, अभ्यर्थियों ने कहा- करियर की हुई नई शुरूआत

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हाईकोर्ट द्वारा जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) के कथित पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका को खारिज कर देने के बाद राज्यभर के अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई है. फैसले के कुछ ही घंटों के भीतर रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर अभ्यर्थी जमा हो गए और जमकर जश्न मनाया. कई अभ्यर्थियों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाईं और ढोल-नगाड़ों की थाप पर खुशी जाहिर की.

कोर्ट के निर्देश पर अभ्यर्थियों ने जताई खुशी

अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबे समय से रिजल्ट जारी होने का इंतजार था, जिससे उनकी तैयारी और रोजगार दोनों प्रभावित हो रहे थे. हाईकोर्ट द्वारा रिजल्ट जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए जाने के बाद अभ्यर्थियों ने राहत की सांस ली. कई अभ्यर्थियों ने इसे 'करियर की नई शुरूआत' बताते हुए सरकार और आयोग से जल्द प्रक्रिया पूरी करने की अपील की. वहीं, जिन अभ्यर्थियों की ओर से याचिका दायर की गई थी, उन्होंने सुनवाई के दौरान दावा किया था कि 22 सितंबर 2024 को आयोजित परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र लीक हुआ था. कोर्ट में पेश दलीलों में व्हाट्सएप चैट, संदिग्धों के बयान, नेपाल कनेक्शन और कथित भुगतान के सबूतों का हवाला दिया गया था. उनकी ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता समीर रंजन ने बहस की थी.

इन अभ्यर्थियों के रिजल्ट पर लगाई गई रोक

हाईकोर्ट की खंडपीठ, जिसमें चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर शामिल थे. उन्होंने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 3 नवंबर को फैसला सुरक्षित रखा था. बुधवार को अदालत ने सीबीआई जांच की मांग को खारिज करते हुए आयोग को परिणाम जारी करने का निर्देश दिया. हालांकि, कोर्ट ने उन दस अभ्यर्थियों के रिजल्ट पर रोक लगा दी है, जिन्होंने नेपाल में रहकर परीक्षा की तैयारी की थी.

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शीतकालीन सत्र की तैयारी पर चर्चा, विपक्ष से निपटने की बनाई गई ये रणनीति

रांची, संवाददाता ।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के लंबोदर पाठक सभागार में गुरुवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई. बैठक में कांग्रेस के सभी विधायक मंत्री सहित झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, एआईसीसी के विशेष आमंत्रित सदस्य और झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू, सह प्रभारी श्रीबेला प्रसाद उपस्थित थे. 05 दिसंबर से झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है. सत्र के दौरान कांग्रेस के विधायक और कांग्रेस कोटे के मंत्रियों की क्या रणनीति हो, विपक्ष के किन सवालों पर कांग्रेस के विधायक और मंत्री आक्रामक हों और जनमुद्दों के सवाल का कैसे पूरी संजीदगी से जवाब दिया जाए कांग्रेस विधायक दल की बैठक में इसकी रणनीति बनाई गई.

शीतकालीन सत्र को लेकर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

प्रदीप यादव की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई. जिसमें यह रणनीति बनी कि छोटे से शीतकालीन सत्र को ज्यादा से ज्यादा जनउपयोगी बनाने में कांग्रेस के सभी विधायक अपनी सार्थक भूमिका निभाएंगे. कांग्रेस कोटे के चारों मंत्री पूरी तैयारी के साथ सत्र में उपस्थित रहेंगे और जो भी जन सरोकार के सवाल सदन में आएंगे उसका जवाब दिया जाएगा. बैठक के दौरान यह भी रणनीति बनी कि भाजपा और विपक्ष की ओर से यदि असंसदीय तरीके से या कांग्रेस और उसके नेता के खिलाफ अनर्गल बातें सदन के अंदर या बाहर की गयी तो उसका जोरदार तरीके से विरोध भी किया जाएगा.

भाजपा के विधायकों को सद्बुद्धि मिले- इरफान अंसारी

शीतकालीन सत्र से पहले हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि कम समय का शीतकालीन सत्र का कैसे अधिक से अधिक सदुपयोग हो और भाजपा विधायकों को सद्बुद्धि मिले इसलिए ही कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई है. उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष और भाजपा के विधायक जनता के मुद्दों को लेकर सदन में आते हैं तो उसका जवाब सभी मंत्री देंगे, लेकिन बेवजह हल्ला-गुल्ला, ड्रामा करेंगे और सदन के अंदर मजाक करेंगे तो उसका नतीजा उनलोगों ने देख लिया है.

कांग्रेस समुद्र है और हमारे विधायक फेविकोल-डॉ. इरफान

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि भाजपा साजिश कर सरकार को अस्थिर करने के लिए अफवाह उड़ा रही है. इसका दुष्परिणाम यह हो रहा है कि अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं. यही भाजपा चाहती भी है कि राज्य में विकास की गति धीमी हो. क्या, कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट हैं? इस सवाल के जवाब में डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि कांग्रेस समुद्र है और सभी विधायक फेविकोल हैं.

बैठक में ये भी थे मौजूद

बैठक में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, विधायक श्वेता सिंह, निशात आलम, रामचंद्र सिंह, ममता देवी, नमन विक्सल कोंगारी, सुरेश बैठा, डॉ. रामेश्वर उरांव, भूषण बाड़ा, सोनाराम सिंकू और सुरेश बैठा शामिल रहे.

आईएएस विनय चौबे की पत्नी के बाद साली से भी एसीबी ने घर जाकर की पूछताछ

रांची, संवाददाता ।

निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे की साली प्रियंका त्रिवेदी से एसीबी ने आज पूछताछ की है. एसीबी की एक टीम प्रियंका त्रिवेदी के निजी घर पर जाकर उनसे पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज किया है. इससे पहले 3 दिसंबर को एसीबी की टीम ने विनय चौबे की पत्नी से उनके आवास पर जाकर पूछताछ की थी. गौरतलब है कि एसीबी ने आईएएस अधिकारी विनय चौबे के खिलाफ 24 नवंबर को एक और प्राथमिक दर्ज की थी. इस प्राथमिकी में उनके रिश्तेदारों और दोस्त विनय सिंह समेत सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है. प्राथमिकी में भ्रष्टाचार करने और इसके जरिये अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाये गये हैं. प्राथमिकी में विनय चौबे के अलावा उनकी पत्नी स्वप्ना सुचिता, विश्वसनीय मित्र और अवैध संपत्ति में निवेश करने वाले विनय सिंह, विनय सिंह की पत्नी सुचिता सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया गया है. इसके अलावा विनय चौबे के साले शिफिज त्रिवेदी, शिफिज त्रिवेदी की पत्नी प्रियंका त्रिवेदी और विनय चौबे के ससुर एसएन त्रिवेदी भी नामजद अभियुक्त हैं. प्राथमिकी में करोड़ों की गड़बड़ी, फर्जी लेनदेन और परिवार व कर्मचारियों के जरिये अवैध संपत्ति की हेराफेरी करने का आरोप लगाया गया है. विनय चौबे और विनय सिंह शराब घोटाला, जमीन घोटाला के सिलसिले में दर्ज मामले में अभी जेल में बंद हैं.

पारस एचइसी हॉस्पिटल रांची में सात वर्षीय बच्चे का दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी का किया गया सफल इलाज

रांची, संवाददाता ।

पारस एचइसी हॉस्पिटल रांची में दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी से जूझ रहे एक साढे सात वर्षीय बच्चे का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। उस मरीज को एक महीने पहले तेज बुखार आने के बाद अचानक बेहोशी और शरीर के हाथ-पैरों में पूरी तरह लकवा जैसा लक्षण हो गया था। परिजन जब बच्चे को पारस एचइसी हॉस्पिटल लाए, उस समय मरीज बिल्कुल बेहोश था और किसी अंग में कोई मूवमेंट नहीं हो रहा था। हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ संजीव कुमार शर्मा ने जांच के दौरान एमआरआई में पाया गया कि बच्चे के ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड की कई परतें प्रभावित होकर झड़ चुकी थीं। इसके बाद कमर से पानी (सीएसएफ) जांच व रक्त जांच की गई, जिसमें एक्यूट डिमाइलिनेटिंग डिसऑर्डर सामने आया। यह स्थिति माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन एसोसिएटेड डिजीज (एमओजीएडी) नामक दुर्लभ बीमारी के कारण विकसित हुई थी, जो बच्चों में तीव्र लकवे जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। समय पर सही जांच और उपचार शुरू होने के केवल दो दिनों के भीतर मरीज को होश आ गया। उपचार जारी रहने पर स्पाइनल कॉर्ड और ब्रेन की परतों में सुधार दिखा और बच्चा एक महीने के भीतर फिर से चलने-दौड़ने लगा। वर्तमान में मरीज नियमित फॉलो-अप में है और पूरी तरह स्वस्थ है। त्वरित चिकित्सा और विशेषज्ञ टीम की एकजुट कोशिश से बच्चे की जान बच पाई।

डॉ संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि इस बीमारी में समय पर पहचान और तत्काल इलाज बेहद जरूरी है। इलाज में देरी होने पर मरीज पूरी तरह पैरालाइज्ड हो सकता है। बच्चे की जान बचाने में त्वरित चिकित्सा और विशेषज्ञ न्यूरोलॉजी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। डॉ शर्मा ने कहा कि इस तरह के मरीज का सही समय पर आना, इस बीमारी के बारे में पता चलना और सही डॉक्टर के पास इलाज करना यह सबसे अनिवार्य है। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि इस तरह के जटिल न्यूरोलॉजिकल मामलों में त्वरित निर्णय, सटीक जांच और अनुभवी डॉक्टरों का उपचार बेहद आवश्यक होता है। हमारी टीम ने बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत आपात स्तर पर काम शुरू किया और परिणाम सभी के लिए सुखद रहे। पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची हमेशा गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए तैयार है और हम झारखंड के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान में देरी को लेकर आजसू छात्र संघ ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रांची, संवाददाता ।

आदिवासी, दलित एवं पिछड़े वर्ग के छात्रों की लंबित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति को लेकर आजसू छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला और तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा. छात्र प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को बताया कि छात्रवृत्ति का भुगतान लंबे समय से लंबित है, जिसके कारण गरीब और पिछड़े वर्ग से आने वाले कई छात्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और मजबूरी में पार्ट-टाइम नौकरियों का सहारा ले रहे हैं. प्रतिनिधिमंडल ने एसटी, एससी एवं ओबीसी वर्गों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति जल्द जारी करने की मांग उठाई. राज्यपाल संतोष गंगवार ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, ताकि छात्रों को जल्द राहत मिल सके. मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव, पीयूष चौधरी, राजकिशोर महतो और प्रताप सिंह शामिल थे. ज्ञात हो कि छात्रवृत्ति के मुद्दे को लेकर आजसू छात्र संघ लंबे समय से आंदोलनरत है. हाल ही में संगठन ने शिक्षा के लिए भिक्षा : जनाक्रोश मार्च के माध्यम से राजभवन के समक्ष प्रदर्शन भी किया था, परंतु राज्यपाल के राज्य से बाहर होने के कारण उस समय ज्ञापन नहीं सौंपा जा सका था. आजसू के अनुरोध के बाद गुरुवार को यह मुलाकात निर्धारित की गई.

बाल विवाह पर विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम

रांची, संवाददाता ।

बाल विकास परियोजना दुमका सदर के तत्वाधान में बाल विवाह पर विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी दुमका सदर अमर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित उक्त कार्यक्रम राजकीय मध्य विद्यालय डंगालपाड़ा आयोजित किया गया। बाल विवाह पर आयोजित उक्त जागरुकता में प्रखंड समन्वयक सुजाता कर्ण ने स्कूली छात्र छात्राओं को जानकारी देते हुए कहा कि अभी शादी विवाह का सीजन चला रहा है और ऐसे में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह की संभावना ज्यादा रहती है। यहां तक भी देखा जा रहा है कि आये दिन कई लड़के लड़कियां भावना में बहकर या किसी के बहकावे में आकर कम उम्र में माता पिता की मर्जी के खिलाफ शादी कर लेते हैं। कभी कभी गरीब और अशिक्षित माता पिता भी अपने बच्चों पर कम उम्र में शादी का दबाव डालते हैं दोनों ही स्थित में बाल विवाह की समस्या सामने आती है और उसका परिणाम घातक होता है जिससे बचने की जरूरत है। हमारे समाज कल्याण विभाग के द्वारा समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है झारखंड को बाल विवाह मुक्त झारखंड बनाया जा सके। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है ताकि बाल विवाह के दुष्परिणाम और उसके कानूनी प्रावधानों के साथ साथ विवाह योग्य युवक युवतियों के लिए निर्धारित सही उम्र की जानकारी देना इस कार्यक्रम का उद्देश्य रहा है। उसी कड़ी में जिला समाज कल्याण यूनिसेफ की प्रतिनिधि ज्योत्स्ना हेम्ब्रम ने भी बाल विवाह से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देते हुए छात्र छात्राओं उनके अभिभावकों और शिक्षक शिक्षिकाओं को भी इसके लिए सजग व सतर्क रहने की आवश्यकता बताई। साथ ही बाल विवाह मुक्त झारखंड बनाने को सामूहिक शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किशोर आयु वर्ग की छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

झारखंड विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम : एसएसपी

रांची, संवाददाता ।

एसएसपी ने दिए कड़े सुरक्षा निर्देश

पांच दिसंबर से शुरू हो रहे झारखंड विधानसभा सत्र को लेकर रांची में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है. सत्र के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए, एसएसपी राकेश रंजन की मौजूदगी में विधानसभा परिसर में गुरुवार को सुरक्षा जवानों को विस्तृत ब्रीफिंग दी गई. ब्रीफिंग के दौरान सिटी एसपी, एसडीएम सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे. अधिकारियों ने सभी सुरक्षाकर्मियों को सत्र के दौरान उनकी जिम्मेदारियों और ड्यूटी की संवेदनशीलता के बारे में विस्तार से बताया.

विधानसभा परिसर में आयोजित इस महत्वपूर्ण ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, एसएसपी ने स्पष्ट किया कि सत्र के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे. उन्होंने जवानों को निर्देश दिया कि वे पूरी सतर्कता और अनुशासन के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें. सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया. ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. एसएसपी ने पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को प्रदर्शनकारियों या अप्रत्याशित भीड़ की स्थिति में शांतिपूर्ण तरीके से नियंत्रण करने के प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई.

रांची में बढ़ती ठंड के बीच जिला प्रशासन सक्रिय, शहर और प्रखंडों में अलाव की व्यापक व्यवस्था

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची में बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम लोगों, विशेषकर जरूरतमंद और बेघर नागरिकों के लिए पूरे जिले में अलाव की व्यवस्था शुरू कर दी है. रात के तापमान में लगातार गिरावट के बाद उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर शहर और ग्रामीण इलाकों में कई स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी व्यक्ति को ठंड से परेशानी न हो.

जगह-जगह पर की गई अलाव की व्यवस्था

जिला प्रशासन ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की है. मोरहाबादी, अल्बर्ट एक्का चौक, लालपुर, चुटिया, नामकुम, रातू रोड सहित भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जगह-जगह अलाव जलाए गए हैं, जिनका लाभ खासतौर पर रिक्शा चालक, फुटपाथ पर सोने वाले लोग, दिहाड़ी मजदूर और रात में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को मिल रहा है. इसके अलावा जिला प्रशासन ने जिले के सभी 18 प्रखंडों में भी अलाव की व्यवस्था की है. प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवनों, हाट-बाजारों, बस स्टैंडों और प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव जलाने के निर्देश दिए गए हैं. हर प्रखंड में कई स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को राहत मिल सके. उपायुक्त ने पहले ही अंचल अधिकारियों और प्रखंड विकास पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए थे कि अलाव की व्यवस्था तत्काल शुरू की जाए, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि लकड़ी, केरोसिन और अन्य आवश्यक सामग्री की कोई कमी न होने पाए.

जरूरतमंदों के लिए जारी किया व्हाट्सएप नंबर

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जिले में किसी भी नागरिक को ठंड से परेशानी न हो, यह प्रशासन की प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अलाव नियमित रूप से जलते रहें और यदि किसी क्षेत्र में अतिरिक्त अलाव की आवश्यकता हो तो तुरंत व्यवस्था की जाए. जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं अलाव की जरूरत महसूस हो या कोई व्यक्ति ठंड से परेशान दिखे तो तुरंत प्रशासन के अबुआ साथी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर सूचना दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके. रांची में ठंड तेज होने के साथ जिला प्रशासन की यह पहल जरूरतमंद लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है.

खूंटी में कानू को दर्दनाक मौत देने वाले सीनू का सिर और धड़ बरामद

रांची, संवाददाता ।

कानू मुंडा हत्याकांड के आरोपी सीनू पूर्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है. उसकी बेरहमी से हत्या की गई है. सिर और धड़ को जमीन में अलग-अलग जगहों पर दफन किया गया था. मुरहू पुलिस ने बुधवार देर शाम आरोपी का सिर और धड़ जमीन खोदकर बरामद किया है. दरअसल, इसी शख्स पर कानू मुंडा की बेरहमी से हत्या का आरोप था. जांच में बात सामने आई थी कि मरने से पहले कानू ने कहा था कि एक बार में मार देना लेकिन हत्यारों ने गला रेतकर हत्या की थी और तपकरा के गोपला जंगल में धड़ को जबकि मुरहू के पेलोल डैम के किनारे दुलवा टोंगरी में सिर को दफना दिया था.

कानू मुंडा की कैसे हुई थी हत्या

यह मामला 2 दिसंबर 2022 का है. खूंटी के मुरहू थाना क्षेत्र के इठे गांव निवासी दसाय मुंडा ने मुरहू थाना में 2 दिसंबर को आवेदन देकर अपने बेटे कानू मुंडा के अपहरण होने का मामला दर्ज कराया था. आवेदन में कहा गया था कि कानू मुंडा का उसके चचेरे भाई सागर मुंडा और उसके दो अज्ञात साथियों ने अपहरण कर लिया. घर वालों ने कानू मुंडा की पूरे इलाके में तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली. उस वक्त जिले के प्रभारी एसपी नौशाद आलम के निर्देश पर पूर्व डीएसपी अमित कुमार के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम गठित कर मामले की जांच कराई गई थी. कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया था.

कानू हत्याकांड में सात आरोपी हुए थे गिरफ्तार

निशानदेही पर युवक का शव बरामद हुआ था और जघन्य हत्याकांड का खुलासा हुआ था. इस घटना से पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया था. इसी हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें सागर मुंडा (चचेरा भाई), सीनू (कानू का भाई), अमरजीत पूर्ति, जय मसीह ओडेया, अनमोल टूटी और चांदमुनी गुड़िया शामिल थे. चांदमुनी कानू की भाभी थी और हत्यारे सागर मुंडा की पत्नी. कानू मुंडा का चचेरा भाई सागर मुंडा पूर्व का अपराधी रहा था और कई मामलों में पूर्व में जेल भी जा चुका था. कानू मुंडा हत्याकांड में शामिल अपराधियों से सागर की जेल में ही जान पहचान हुई थी.

सीनू के परिजनों ने की शव की पहचान

पिछले 2 दिसंबर को मृतक सीनू मुंडा के लापता होने की शिकायत मृतक की बहन मांगी कुमारी ने मुरहू पुलिस को लिखित में दी थी. 3 दिसंबर को दोपहर को सूचना मिली कि खेत में किसी अज्ञात का शव दफन है. थाना प्रभारी गौडविन केरकेट्टा, सीओ शंकर विद्यार्थी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को जमीन खोदकर बाहर निकाला. उसके बाद परिजनों ने शव की पहचान सीनू मुंडा के रूप में की. फिलहाल यह मामला पुरानी आपसी रंजिश से जुड़ा दिख रहा है. मामले की जांच कर रहे थाना प्रभारी गौडविन केरकेट्टा ने बताया कि यह मामला पूर्व में हुए एक हत्याकांड से जुड़ा हो सकता है. क्योंकि जिस तरीके से कानू की हत्या हुई थी उसी तरह सीनू पूर्ति की भी हत्या कर दी गई है. 2 दिसंबर 2022 को कानू की हत्या और दो दिसंबर 2025 को आरोपी की हत्या. कहा जा रहा है कि बदले की भावना से इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है.

पारस एचइसी हॉस्पिटल रांची में सात वर्षीय बच्चे का दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी का सफल इलाज किया गया

संवाददाता । रांची

रांची: पारस एचइसी हॉस्पिटल रांची में दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी से जूझ रहे एक साढ़े सात वर्षीय बच्चे का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। उस मरीज को एक महीने पहले तेज़ बुखार आने के बाद अचानक बेहोशी और शरीर के हाथ-पैरों में पूरी तरह लकवा जैसा लक्षण हो गया था। परिजन जब बच्चे को पारस एचइसी हॉस्पिटल लाए, उस समय मरीज़ बिल्कुल बेहोश था और किसी अंग में कोई मूवमेंट नहीं हो रहा था। हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ संजीव कुमार शर्मा ने जांच के दौरान एमआरआई में पाया गया कि बच्चे के ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड की कई परतें प्रभावित होकर झड़ चुकी थीं। इसके बाद कमर से पानी (सीएसएफ) जांच व रक्त जांच की गई, जिसमें एक्यूट डिमाइलिनेटिंग डिसऑर्डर सामने आया। यह स्थिति माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन एसोसिएटेड डिजीज (एमओजीएडी) नामक दुर्लभ बीमारी के कारण विकसित हुई थी, जो बच्चों में तीव्र लकवे जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। समय पर सही जांच और उपचार शुरू होने के केवल दो दिनों के भीतर मरीज़ को होश आ गया। उपचार जारी रहने पर स्पाइनल कॉर्ड और ब्रेन की परतों में सुधार दिखा और बच्चा एक महीने के भीतर फिर से चलने-दौड़ने लगा। वर्तमान में मरीज़ नियमित फॉलो-अप में है और पूरी तरह स्वस्थ है। त्वरित चिकित्सा और विशेषज्ञ टीम की एकजुट कोशिश से बच्चे की जान बच पाई। डॉ संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि इस बीमारी में समय पर पहचान और तत्काल इलाज बेहद ज़रूरी है। इलाज में देरी होने पर मरीज़ पूरी तरह पैरालाइज्ड हो सकता है। बच्चे की जान बचाने में त्वरित चिकित्सा और विशेषज्ञ न्यूरोलॉजी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। डॉ शर्मा ने कहा कि इस तरह के मरीज़ का सही समय पर आना, इस बीमारी के बारे में पता चलना और सही डॉक्टर के पास इलाज कराना यह सबसे अनिवार्य है। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि इस तरह के जटिल न्यूरोलॉजिकल मामलों में त्वरित निर्णय, सटीक जांच और अनुभवी डॉक्टरों का उपचार बेहद आवश्यक होता है। हमारी टीम ने बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत आपात स्तर पर काम शुरू किया और परिणाम सभी के लिए सुखद रहे। पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची हमेशा गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए तैयार है और हम झारखंड के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

सैकड़ो अभ्यर्थी ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन का जताया आभार

जब युवा खुश होंगे तभी यह राज्य खुशहाल होगा : हेमन्त सोरेन

संवाददाता । रांची

रांची। अगर इरादें नेक हों तो हर चीजें बेहतर होती है। इसी का परिणाम है है जेएसएससी की संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा के रिजल्ट और नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़ी सारी अड़चनें अब दूर हो चुकी है। हालांकि, इसमें थोड़ा विलंब हुआ, नहीं तो राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में आपके हाथों में भी नियुक्ति पत्र देने की खुशियां हम सभी मनाते। लेकिन, आप सभी को लंबे संघर्ष के बाद मिली सफलता और विजयी होने के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज जेएसएससी सीजीएल रिजल्ट जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के बाद ढोल - नगाड़ों के साथ जश्न मनाते मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों को संबोधित कर रहे थे। राज्य सरकार ने पूरी निष्पक्षता के साथ कराई जांच :मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में कुछ ऐसे विरोधी तत्व है जो हर प्रतियोगिता परीक्षाओं को बाधित करने की साजिश रचते रहते हैं । जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर भी उन्होंने षड्यंत्र रचने का प्रयास किया। मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचा। लेकिन, हमारी सरकार ने पूरी निष्पक्षता के साथ इसकी जांच कराई। जिन्होंने इस प्रतियोगिता परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता को दागदार बनाने की साजिश रची, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई हुई। झारखंड उच्च न्यायालय ने भी इसे समझा और आपके ईमानदार प्रयास और भावनाओं को सम्मान देते हुए आपको न्याय दिया। 18 वर्षों में जेपीएससी की जितनी परीक्षाएं हुई, उतनी हमारी सरकार पिछले 5 वर्ष में ले चुकी है :मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा पिछले 18 वर्षों में सिविल सेवा की जितनी परीक्षाएं ली गई, उतनी परीक्षाएं हमारी सरकार ने पिछले 5 वर्षों में हो ली है। इतना ही नहीं उस दौरान ली गई जेपीएससी की तमाम परीक्षाओं को लेकर धांधली बरते जाने के मामले सामने आए थे, लेकिन हमारी सरकार में ली गई तमाम परीक्षाएं बेदाग रही है। युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार :मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के साथ हर कदम पर पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। हमारी स्पष्ट सोच है कि जब युवा खुश होंगे तभी हमारा राज्य खुशहाल होगा। यही वजह की तमाम चुनौतियों के बीच युवाओं का भविष्य संवारने का प्रयास निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री जी के अथक प्रयासों से ही हमें न्याय मिला है : इस अवसर पर अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते

पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान में देरी को लेकर आजसू छात्र संघ ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता । रांची

रांची। आदिवासी, दलित एवं पिछड़े वर्ग के छात्रों की लंबित पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति को लेकर आजसू छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला और तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा.छात्र प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को बताया कि छात्रवृत्ति का भुगतान लंबे समय से लंबित है, जिसके कारण गरीब और पिछड़े वर्ग से आने वाले कई छात्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और मजबूरी में पार्ट-टाइम नौकरियों का सहारा ले रहे हैं. प्रतिनिधिमंडल ने एसटी, एससी एवं ओबीसी वर्गों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति जल्द जारी करने की मांग उठाई.राज्यपाल संतोष गंगवार ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे, ताकि छात्रों को जल्द राहत मिल सके.

किस्को से सफर-ए-उमरा पर जायरीनों की रवानगी को लेकर दुआओं के साथ किया गया इस्तकबाल

हाजी कमेटी किस्को ने आयोजित किया फातिहा-ख्वानी कार्यक्रम

संवाददाता । रांची

लोहरदगा। किस्को प्रखंड से तीन जायरी हाफिज खुर्शीद अंसारी, मौलवी जुम्मन अंसारी और अमानत अंसारी सफर-ए-उमरा के लिए मक्काह्रमदीना शरीफ रवाना हो रहे हैं। रवानगी से पूर्व मंगलवार को खिदमते-खल्क हाजी कमेटी किस्को लोहरदगा की ओर से एक इस्तकबाल एवं फातिहा-ख्वानी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में इलाके के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावते कलाम-ए-पाक से हुई। कमेटी के सरपरस्त हाजी मोहम्मद शमसुद्दीन अंसारी, सदर हाजी मोहम्मद आलम, सेक्रेटरी हाजी यूसुफ अंसारी, हाजी कयामुद्दीन, मौलाना ऐनुल हक सहित कई आलिम-ओ-उलमा ने शिरकत की। मौके पर सरपरस्त हाजी शमसुद्दीन ने कहा अल्लाह तआला हज और उमरा अदा करने वालों के गुनाह माफ करता है। काबे का तवाफ, सफाह्रमरवा की सई और मुकद्दस मुकामात पर इबादत इंसान की जिंदगी में रूहानी बदलाव लाती है। जो मुसलमान इस्तेताअत रखता है, उस पर जिंदगी में एक बार हज फर्ज है। उलेमाओं ने उमरा के अरकान, सुन्नत, दुआएं, एहतियात और इसके रूहानी फायदे पर विस्तृत बयान दिया। प्रोग्राम के अंत में उमरा पर जाने वाले सभी जायरीन के लिए सफर की आसानी, सुरक्षा और कबूलियत की दुआ की गई। उनसे सफाह्रमरवा, हरम-ए-पाक,वक्फे अरफात, मुजदलफा, जन्नत की क्यारी जैसे मुकद्दस मकामात पर राज्य और देश की सलामती, अमन-ओ-अमान तथा इंसानियत पर हो रहे जुल्मों के खात्मे के लिए विशेष दुआ की गुजारिश की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उमरा जायरीन को रवानगी से पहले मुबारकबाद दी तथा उनकी यात्रा की सफल वापसी की दुआ की। मौके पर हाजी अमानत, हाजी मनीरुद्दीन, रजब अली, हाजी नबीउल हसन सहित कई गणमान्य और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस्तकबाल एवं फातिहा-ख्वानी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में इलाके के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावते कलाम-ए-पाक से हुई। कमेटी के सरपरस्त हाजी मोहम्मद शमसुद्दीन अंसारी, सदर हाजी मोहम्मद आलम, सेक्रेटरी हाजी यूसुफ अंसारी, हाजी कयामुद्दीन, मौलाना ऐनुल हक सहित कई आलिम-ओ-उलमा ने शिरकत की।

भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की याद में थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए रक्तदान शिविर में 19 यूनिट रक्तदान हुआ

संवाददाता । रांची

रांची:आज थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए पहली बार रक्तदान-महादान शिविर ब्लड कनेक्ट एवं अंजुमन इस्लामिया हॉस्पिटल रांची के द्वारा जिसमें लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची के सहयोग से आयोजित हुआ।रक्तदान शिविर में 19 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ जो सदर अस्पताल ब्लड बैंक रांची को 12 यूनिट एवं 7 यूनिट हेल्थ पॉइंट ब्लड बैंक रांची को समर्पित हुआ।

रक्तदान-महादान शिविर का उद्घाटन अंजुमन इस्लामिया रांची के अध्यक्ष हाजी मोख्तार अहमद ने किया।

रक्तदान करने वालों में अंजुमन इस्लामिया रांची के अध्यक्ष एवं नियमित रक्तदाता हाजी मोख्तार अहमद ने आज पुनः हेल्थ पॉइंट ब्लड बैंक रांची को रक्तदान किया।

जिसमें ब्लड कनेक्ट के अबू उमर,हॉस्पिटल प्रबंधन के सूफियान,गुड्डू,नर्स एवं मो मोसब,मो इमरान, आदिल, अश फैजी,आबिद,हुजैफा आकिब,साद, ताबिश,सूफियान,आदि ने किया।

कार्यक्रम में नदीम खान,अबू उमर, अकरम राशिद,मो मोसब,विवेक कुमार,रंजीत कुमार शामिल थे।

खिजरी में पंचायत कांग्रेस पदाधिकारियों व बीएलए का सम्मेलन आयोजित

संवाददाता

ओरमांझी। खिजरी विधानसभा स्तरीय ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों एवं बीएलए का सम्मेलन खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के आवासीय कार्यालय परिसर, लुपुंगटोली में आयोजित किया गया। विधायक राजेश कच्छप ने उपस्थित सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि खिजरी के कार्यकर्ता पूरे समर्पण और मेहनत के साथ संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। सम्मेलन के मुख्य अतिथि के. राजू अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य सह झारखंड प्रभारी ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर समस्याओं के समाधान के लिए पदाधिकारियों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक माह बीएलए ग्राम पंचायत बैठक आयोजित करें जिसमें मनरेगा और महिलाओं से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा कर समाधान हेतु विधायक से संपर्क किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी वोटर सूची से नाम हटाने का काम कर रही है। सभी बीएलए को प्रशिक्षण देकर उन्हें मजबूत बनाने की बात कही। सह प्रभारी सिरिवेला ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने बिहार में 69 लाख लोगों के वोटिंग अधिकार खत्म किए और झारखंड में भी ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश हो रही है जिसे रोकने के लिए सभी को सजग रहना होगा। झारखंड सरकार के मंत्री डा० इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार में भाजपा द्वारा कांग्रेस कार्यालयों पर हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी बीएलए से एकजुट रहने और बूथ की जिम्मेवारी मजबूती से निभाने की अपील की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि सभी बीएलए व पदाधिकारी 28 दिसंबर को अपने घरों में झंडा फहराएं तथा 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि देश को मजबूत संविधान कांग्रेस ने दिया है जिसे भाजपा खत्म करने की कोशिश कर रही है। वहीं कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा ने संगठन को बूथ स्तर पर सशक्त बनाने पर बल दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भाजपा देश को कमजोर करने में लगी है, जबकि खिजरी क्षेत्र से कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में लगातार बढ़त मिल रही है। जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन में प्रमुख रूप से उपस्थित रिया तिर्की, शाहजादा अनवर, रियाज अहमद, अशोक मिश्र, दुतिनाथ महतो, अली इमाम परवेज, माधो कच्छप, सतीश पंडा, विजय टोप्पो, तुलसी खरवार, रिजवान अंसारी, एतवा उरांव, हरिमोहन महतो, श्रवण मुण्डा, राजेंद्र मुण्डा, दीपा उरांव, आशा कच्छप, मेरी तिर्की, सर्फाउल्लाह अंसारी, नईम, हैदर अंसारी, अनीता देवी, सुरेश साहु, रशीद अंसारी, रब्बानी, मजेबुल

ब्रीफ न्यूज

जेपी नड्डा का दो दिवसीय झारखंड प्रवास 6 से, कई कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

संवाददाता ।

रांची। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा 6 दिसंबर शनिवार से दो दिवसीय देवघर (झारखंड) प्रवास पर रहेंगे. इस दौरान वे कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिनमें बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना, नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय का उद्घाटन और झारखंड प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करना शामिल है.नड्डा शुक्रवार को देर शाम 07:30 बजे देवघर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा. रात्रि 8:45 में वे राज्य अतिथिशाला, देवघर में झारखंड प्रदेश भाजपा कोर कमिटी के साथ बैठक करेंगे. छह दिसंबर को बाबा मंदिर में करेंगे पूजा-अर्चना :शनिवार (06 दिसंबर) को सुबह नौ बजे प्रसिद्ध बाबा वैद्यनाथ मंदिर, देवघर में पूजा-अर्चना करेंगे. इसके पश्चात वे सुबह 10:00 बजे देवघर में ही नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे.वे देवघर जिला भाजपा कार्यालय का निरीक्षण भी करेंगे. इसके बाद दिन के 11 बजे जिला भाजपा कार्यालय, देवघर में भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे. शाम 04:30 बजे एम्स देवघर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक भी करेंगे. नड्डा के कार्यक्रम :6 दिसंबर: बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना (09:00 बजे), 6 दिसंबर: नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय का उद्घाटन (10:00 बजे),6 दिसंबर: झारखंड प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित (11:00 बजे),6 दिसंबर: एम्स, देवघर का दौरा और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक।

एण्डटीवी लेकर आया जड़ी- बूटी और जवानी का तड़का!

रांची/मुंबई। इस हफ्ते शो में भावनाओं की उलझन, मजेदार गलतफहमियां ये सब मिलकर दर्शकों को भरपूर हंसी और धमाकेदार मनोरंजन देने वाली हैं। गीतांजलि मिश्रा ने हप्पू की उलटन पलटन में कहा, इस हफ्ते हप्पू की छोटी-सी परेशानी एक बड़े तूफान में बदल जाती है। हप्पू को पता चलता है कि उसने दस साल का हाउस टैक्स नहीं भरा है और उसे एक रात में बड़ा पैसा जुटाना होगा। दूसरी तरफ राजेश बानी कि मैं घर से इंश्योरेंस बेचने में लगी रहती हूं। एक से बढ़कर एक बेवकूफी भरी योजनाएं फेल होती हैं और अंत में हप्पू एक नकली दुर्घटना रचते-रचते सच में स्पताल पहुंच जाता है। होश आने पर वह खुद को 20 साल का समझने लगता है, मुझे आंटी बुलाता है और चमकीली पर फिदा हो जाता है। हप्पू को वापस लाने के लिए हम मेरे लिए एक नई पहचान बनाते हैं- पिंकी। बस फिर क्या था, हप्पू चमकीली पिंकी का एक मजेदार त्रिकोण शुरू हो जाता है, जबकि पिंकी असल में उसकी खुद की पत्नी होती है। लेकिन जब हप्पू की याददाश्त लौटती है और उसे समझ आता है कि उसने कैसी आफत मचा दी है,अब सवाल यह है कि वह सब कैसे संभालेगा? भाबीजी घर पर हैं के रोहिताश्व गौड़ कहते हैं, यह ट्रैक मेरे लिए सबसे मजेदार, अनोखा और ट्विस्ट-भरा रहा। विभूति शुरुआत में भावनाओं में इतना उलझ जाता है कि अंगूरी को याद करते-करते उसकी सांस तक अटक जाती है- सपनों में भी! उसकी जलन, चिड़चिड़ाहट और बेचैनी बढ़ती जाती है, तभी सक्सेना उसे अजीब-सी कॉमा बूटी देता है, और फिर कहानी पूरी तरह नए पागलपन में चली जाती है। बूटी लेने के बाद विभूति एकदम मीठा, प्यार से भरा और हद से ज्यादा पॉजिटिव हो जाता है। थप्पड़ उसे प्यारा लगता है, दुश्मन दोस्त दिखते हैं और हर हालात उसे किसी सपने जैसे लगते हैं। अब जब सच्चाई सामने आएगी तो क्या हंगामा मचेगा? और सबसे बड़ा सवाल वहहै कि रहस्यमयी कॉमा बूटी आखिर गई कहां? तो तैयार हो जाइए पागलपंती और कंफ्यूजन से भरपूर सप्ताह का आनंद उठाने के लिए!

सीईएस 2026 से पहले सैमसंग पेश करेगा डीएक्स डिविजन का नया विजन

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अपने वार्षिक कार्यक्रम द फर्स्ट लुक में वर्ष 2026 के लिए डीएक्स (डिवाइस एक्सपीरियंस) डिविजन का नया विजन और एआई आधारित ग्राहक अनुभव पेश करने की तैयारी कर रहा है। कार्यक्रम में सैमसंग के डीएक्स डिविजन के प्रमुख और सीईओ टी.एम. रोह मुख्य वक्ता होंगे, जबकि विजुअल डिस्प्ले व्यवसाय के अध्यक्ष एस.डब्ल्यू. योंग और डिजिटल एप्लायंसेज व्यवसाय के प्रमुख चोलगी किम भी अगले वर्ष की अपनी योजनाएं और दिशा साझा करेंगे। यह इवेंट सैमसंग न्यूजरूम, कंपनी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल और सैमसंग टीवी प्लस पर लाइव प्रसारित होगा, साथ ही कंपनी द्वारा अपने उत्पादों और आगामी टेक्नोलॉजी से जुड़े कई प्रदर्शनभी अलग-अलग सत्रों में जारी रहेंगे।

इटकी में बिजली विभाग की मनमानी पर जन आंदोलन मंच की कड़ी कार्रवाई

इटकी। इटकी में बिजली विभाग के संवेदक एजेंसी द्वारा मनमाने तरीके से कराए जा रहे खंभा विस्तारीकरण कार्य पर जन आंदोलन मंच झारखंड ने गुरुवार को अपना आक्रामक रुख दिखाते हुए तत्काल प्रभाव से काम रुकवा दिया। जानकारी के अनुसार, पक्की सड़क से सटाकर तथा सरकारी मापदंडों की खुली धज्जियां उड़ाते हुए बिजली खंभों को गाड़ा जा रहा था, जिसके खिलाफ जन आंदोलन मंच ने मौके पर पहुँचकर कड़ा विरोध जताया और कार्य पर रोक लगा दी। इसके बाद मंच के अध्यक्ष मुर्तजा आलम ने एजेंसी एलसीसी के अभियंता नितिन कुमार से विस्तृत वार्ता की। मंच अध्यक्ष मुर्तजा आलम ने साफ कहा कि जब तक अंचल कार्यालय के सीओ, राजस्व कर्मचारी और अंचल अमीन द्वारा सरकारी मैप के आधार पर स्थल की निशानदेही नहीं की जाती, तब तक एक भी खंभा नहीं लगाया जाएगा। विभाग की मनमानी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी इससे पूर्व जन आंदोलन मंच ने मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री, अधीक्षण अभियंता तथा उपायुक्त को संबोधित मांग पत्र इटकी सीओ को सौंपकर चेतावनी दी थी कि इटकी में संवेदक एजेंसी द्वारा खंभों को सड़क से सटाकर गाड़ा जा रहा है, जिससे सड़क की उपयोगिता और जन सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही हैं। मंच ने आरोप लगाया है कि–इटकी पावर हाउस से साहेब मोड़ तक सड़क की कुल चौड़ाई 60 फीट है। सरकारी डिमार्केशन के अनुसार 20 फीट खाली छोड़कर खंभा लगाया जाना चाहिए परंतु संवेदक एजेंसी द्वारा सिर्फ पिच सड़क के किनारे ही खंभे गाड़े जा रहे हैं, जो सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और सड़क सुरक्षा से सीधा खिलवाड़ है। पिच से सटे खंभों से बड़ी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। जन आंदोलन मंच झारखंड की इस कड़ी कार्रवाई और जनहित में उठाए गए साहसिक कदम की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की है। मंच ने कहा कि यह लड़ाई केवल इटकी की नहीं, बल्कि पूरे झारखंड में जन अधिकारों की सुरक्षा की लड़ाई है मुर्तजा आलम ने घोषणा की कि इस पूरे मामले को लेकर जन आंदोलन मंच का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर विस्तृत जानकारी देगा और कार्रवाई की मांग करेगा। इटकी में बिजली विभाग की अनियमितताओं के खिलाफ यह बड़ाकदम माना जा रहा है, और जन आंदोलन मंच झारखंड ने स्पष्ट कर दिया है कि जनहित से खिलवाड़ करने वालोंको किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

ग्रामीण उद्यमिता को मिलेगी रफ्तार

उपायुक्त ने मुसाबनी गोहला पंचायत की 78 महिलाओं को प्रदान किए क्यूआर कोड

❖ स्थानीय स्तर पर विभिन्न उद्यम से जुड़ी है महिलाएं

जमशेदपुर, संवाददाता

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की पहल पर महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में मुसाबनी प्रखंड अंतर्गत गोहला पंचायत में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से जुड़ी 78 महिला सदस्यों को डिजिटल क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया। एफपीओ में कुल 300 महिलाएं सदस्य हैं और प्रथम चरण में 78 महिला उद्यमियों को क्यूआर कोड वितरित किए गए। जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उत्पाद बेचने की प्रक्रिया को अधिक सरल और डिजिटल बनाना है। ताकि महिला उद्यमी सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ सकें और अपने उत्पादों की बेहतर कीमत प्राप्त कर सकें। इस पंचायत में एफपीओ द्वारा लगभग 300 एकड़ भूमि पर व्यावसायिक खेती की जा रही है। जिनमें सब्जियां और दलहन की खेती प्रमुख है। 300 एकड़ में गोभी, शिमला मिर्च, बिंस, गाजर, मूली, मटर समेत अरहर, मूंग के अलावा अन्य दालें और स्थानीय एवं मौसमी फसलें उत्पादित की जा रही हैं। इस उत्पादन व्यवस्था में महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जो खेत प्रबंधन, प्रोसेसिंग तथा विपणन गतिविधियों को दक्षता से संचालित कर रही हैं। वहीं गोहला पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने महिला उद्यमियों की प्रगति की सराहना करते हुए अन्य जरूरी सहयोग प्रदान करने को लेकर भी आश्वस्त किया।

इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों को एफपीओ क्षेत्र में दाल मिल स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। दाल मिल की स्थापना से न केवल दलहन उत्पादन में वृद्धि होगी। बल्कि स्थानीय महिलाओं के लिए प्रोसेसिंग, पैकिंग और विपणन के नए रोजगार अवसर भी सृजित होंगे। वहीं उपायुक्त द्वारा 30 मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज को ग्राम संगठन को हस्तांतरित करने की बात भी कही गई। ताकि संगठन द्वारा इसका समुचित उपयोग कर किसानों को बेहतर भंडारण सुविधा प्रदान की जा सके। इससे सब्जियों एवं अन्य उत्पादों का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित किया जा सकेगा जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। जिला प्रशासन की ओर से महिला किसानों और उद्यमियों को डिजिटल पेमेंट एवं ई-मार्केटिंग, उत्पादों की ब्रांडिंग व पैकेजिंग, मूल्य संवर्धन, वित्तीय साक्षरता एवं उद्यम प्रबंधन से संबंधित जरूरी मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं सशक्त हो रही हैं और जिला प्रशासन की ओर से हर संभव तकनीकी एवं बाजार आधारित सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इसे ग्राम स्तर पर उद्यमिता विकास की दिशा में एक सशक्त कदम बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गोहला पंचायत में चल रही कृषि आधारित पहलों से न केवल स्थानीय आजीविका मजबूत होगी बल्कि महिला स्वावलंबन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

भारतीय नौसेना की दक्षता, समन्वय और वीरता को दशार्ता है नौसेना दिवस

जमशेदपुर, संवाददाता

राष्ट्र चेतना एवं कोशिश एक मुस्कान जमशेदपुर के बैनर तले गोलमुरी स्थित शहीद स्मारक में संगठन की तरफ से गुरुवार नौसेना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कोशिश एक मुस्कान के संरक्षक शिव शंकर सिंह ने भारत माता के चित्र और शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर किया। इस दौरान संस्थापक अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद वरुण कुमार द्वारा संगठन गीत प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद नौसेना दिवस पर विषय प्रवेश कराते हुए पूर्व जय हिंद के शेखर सहाय ने 1971 के युद्ध के विजय की नींव में नेवी की अचूक रणनीति और अपूर्व पराक्रम को विस्तार से बताया।

साथ ही पूर्व नौसैनिक वरुण ने भी अपने विचार साझा किये। क्रीड़ा भारती के राजीव कुमार ने युद्ध के दौरान आइएनएस वीर निफ्ट और निर्घट के साथ राजपूत और अक्षय जैसे जहाजों और उनकी तकनीकी विशेषताओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह शौर्यमय दिन हम सभी को सदैव याद रखना चाहिए। वहीं 1971 के युद्ध में आइएनएस खुकरी के 176 नौसैनिकों की शहादत पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। जिसके कमान अधिकारी कैप्टन महेंद्रनाथ मुल्ला के त्याग समर्पण और नौसैनिक मूल्यों को भी याद किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ सुभाष कुमार, राजकुंभ शर्मा एवं सभी नौसैनिक साथियों के साथ केक काटकर जीत का जश्न भी मनाया गया। उन्होंने कहा कि सेना के रहते बॉर्डर के अंदर किसी भी दुश्मन की कोई भी चाल सफल नहीं हो सकती। इसी ऐतिहासिक शौर्य गाथा के उपलक्ष्य में हर वर्ष नौसेना दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम का संचालन गुरुनाम सिंह ने किया। मौके पर राज मारवाह, रंजीत प्रसाद, सुभाष कुमार, राजेश शर्मा, हनी सिंह परिहार, पप्पू, हैप्पी, मुकेश समेत पूर्व सैनिक सपरिवार भी मौजूद थे।

विधायक ने पीसीसी पथ निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

रामगढ़, संवाददाता

डीएमएफटी मद से पतरातू प्रखंड में ग्राम उनरिंगा नायक टोला से आंगनबाड़ी केंद्र तालाटांड तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक योगेश लाल चौधरी के कर कमलों द्वारा नारियल फोड़ कर विधिवत किया गया। सड़क की कुल लागत 30 लाख रुपए है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र की एक लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होने की उम्मीद है। यह सड़क मुख्य मार्ग से संपर्क स्थापित करेगी जिससे निवासियों विशेष कर छात्रों और बुजुर्गों का आगमन आसान हो जाएगा। बारिश के मौसम में होने वाली कीचड़ और जल जमाव की समस्या से निजात मिलेगी। इस विकास कार्य से क्षेत्र में अन्य सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा। विधायक ने कहा है कि सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर मैं अपने क्षेत्र में काम कर रहा हूं और जल्द ही क्षेत्र में अन्य विकास कार्यों को भी शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व जिला पार्षद मनोज राम कटिया मुखिया किशोर महतो, पंचम मुंडा, लक्ष्मीकांत, नागेंद्र सिंह, सैयूब अंसारी, आनंद महतो, राजू मुंडा, विनोद नायक, संजीत नायक, मोहित नायक, जगदीश नायक, प्रदीप नायक, रविन्द्र कुमार, संजय नायक, सावन सिंह, कृष्णा नायक, रूपु नायक, कारू नायक, देवंती देवी, बालों देवी, विमला देवी, यशोदा देवी, मोनिता कुमारी, आशा देवी, श्रीवंती देवी, शांति देवी, पूजा देवी, शीला देवी, सुजीता देवी, सुनिता कुमारी उपस्थित रहे।

राहुल सिंह गिरोह का अपराधी अजय कुमार यादव उर्फ छोटू लंगडा को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

❖ 20 हजार रुपया लेकर भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में गोलीबारी की घटना को दिया था अंजाम

रामगढ़, संवाददाता

एसपी के दिशा निर्देश पर पतरातू अनुमंडल पुलिस ने भुरकुंडा रेलवे साइड में गोलीबारी की घटना को अंजाम देने वाले राहुल सिंह गिरोह के अपराधी अजय कुमार यादव उर्फ लंगड़ा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के अभियुक्त अजय यादव उर्फ लंगड़ा 20 हजार रुपया लेकर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था। पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव गोस्वामी ने गुरुवार को भदानीनगर ओपी में प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि घटना को लेकर थाना पतरातू भदानीनगर ओपी कांड संख्या 223/2025 धारा 109(1)/3/6, 25/27 आर्म्स एक्ट) के फरार अभियुक्त अजय कुमार यादव उर्फ छोटू लंगड़ा 33 वर्ष, पिता कैलाश यादव, निवासी ब्लॉक मोड़ पतरातू जिला रामगढ़ को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गौरव गोस्वामी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त अभियुक्त अपने घर आया हुआ है और शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर पर ठहरा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अजय कुमार यादव उर्फ छोटू लंगड़ा को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के जांच में खुलासा हुआ कि अभियुक्त 2 सितंबर 2025 को शाम में भदानीनगर ओपी क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे साइडिंग गेट के सामने अपने सहयोगियों के साथ मोटरसाइकिल से आया और फायरिंग करने की बात स्वीकारी। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। साथ ही उसके पास से एक देसी पिस्टल, दो जिंदा कारतुस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पतरातू थाना कांड सं. 26/2021 धारा 307/34 भा.दं.सं. एवं 27 आर्म्स एक्ट, भदानीनगर थाना कांड सं. 06/2021, धारा 25 (1-बी.)(ए)/26/35 आर्म्स एक्ट, पतरातू थाना कांड सं. 338/2017, धारा 376 डी./506 भा.दं.सं का मामला दर्ज है। एसडीपीओ श्री गोस्वामी ने बताया कि अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की पूछताछ जारी है। उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों के लिए जिले में कोई जगह नहीं। किसी भी हाल में अपराधियों को बक्शा नहीं जायेगा। छापामारी टीम में पुनि. सत्येंद्र कुमार सिंह पतरातू अंचल, भदानीनगर ओपी प्रभारी मो. अख्तर अली, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा, भदानीनगर ओपी के पु.अ.नि मनोज मुर्मू सशस्त्र बल के साथ शामिल थे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से 17 वर्षीय युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

पलामू, संवाददाता

पांकी-माड़न मुख्य पथ स्थित चंद्रपुर गांव में सोमवार दोपहर लगभग 2:15 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना में मृतक की पहचान सुरेंद्र भुईयां (उम्र 17 वर्ष), पिता अशोक भुईयां, निवासी कोइरीपत्रा, लेस्लीगंज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र भुईयां हेलमेट लगाए हुए अपनी बाइक से नाना के घर हुरलौंग से अपने घर वापस जा रहा था। इसी दौरान शिव पहाड़ी से मिट्टी लेकर जा रहे ट्रैक्टर ने उसे धक्का मार दिया। हादसा इतना जोरदार था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि मृतक की मां का देहांत काफी पहले हो चुका था, जिसके बाद उसका लालन-पालन नानी के घर में हुआ। घर का इकलौता पुत्र होने की वजह से परिवार में मातम छा गया है। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पांकी पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एम एम सीएच मेदिनीनगर भेजा।

बोकारो में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए 600 एकड़ भूमि पर सहमति बनी

बोकारो, संवाददाता

बोकारो में स्मार्ट सिटी विकास का सपना अब तेजी से वास्तविकता की ओर बढ़ रहा है। गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बीएसएल प्रबंधन और जिला प्रशासन की एक महत्वपूर्ण बैठक उपायुक्त आवासीय कार्यालय, गोपनीय शाखा में आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने बीएसएल प्रबंधन को लगभग 600 एकड़ भूमि स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए आवंटित करने का प्रस्ताव दिया। प्रस्ताव पर तुरंत सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए बीएसएल प्रबंधन ने गरगा डैम और बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन के बीच स्थित खाली क्षेत्र को स्मार्ट सिटी निर्माण हेतु उपलब्ध कराने पर प्रारंभिक सहमति प्रदान की। उपायुक्त ने बीएसएल के सीजीएम कुंदन कुमार को निर्देश दिया कि वे एक सप्ताह के भीतर सहमति पत्र जिला प्रशासन को सौंपें, जिसके बाद प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जाएगा। स्मार्ट सिटी बनने से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त आवासीय क्षेत्र विकसित होंगे, वहीं रेलवे स्टेशन के आसपास आवागमन और भी सुगम होगा। नया मोड़ स्थित सरकारी बस स्टैंड को आधुनिक स्वरूप देकर बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। भविष्य में ट्रांसपोर्ट नगर को भी बसों और छोटी गाड़ियों के ठहराव के अनुरूप एक सुनियोजित परियोजना के रूप में विकसित किया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, अपर नगर आयुक्त संजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सीजीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ऋतुराज द्वारा पॉलीटेक्निक कॉलेज, बागीटांड़ में चल रहे आवासीय पठन-पाठन कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया गया

कोडरमा, संवाददाता

आगामी माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में कोडरमा जिला के छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन को और बेहतर करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा कोडरमा स्थित पॉलीटेक्निक कॉलेज, बागीटांड़ में चलाए जा रहे आवासीय पठन-पाठन कार्यक्रम का उपायुक्त ऋतुराज द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपायुक्त महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों व कर्मिगण को निर्देश दिया गया कि कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को सिलेबस के अनुसार पूरी तैयारी कराई जाए और उनके बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराया जाए। सभी विषयों के क्वेश्चन बैंक बना कर हॉस्टल के बच्चों एवं जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में भी शेयर करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त हॉस्टल में रह रहे बच्चों को समय से खाना, गर्म पानी, लाइट की व्यवस्था व अन्य सभी सुविधाओं का ध्यान रखने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा चल रहे क्लास का भी निरीक्षण किया गया एवं बच्चों से हो रही पढ़ाई का फीडबैक एवं पढ़ाई से संबंधित कई टिप्स भी दिए गए। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम व अन्य संबंधित मौजूद रहे।

सेमरटांड में ब्राउन शुगर की तस्करी का भंडाफोड़, तीन युवक गिरफ्तार

पलामू, संवाददाता

पलामू पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटांड में छापेमारी कर ब्राउन शुगर की अवैध बिक्री में संलिप्त तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई पुलिस उपाधीक्षक (सदर) राजीव रंजन के नेतृत्व में की गई। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि सेमरटांड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय के समीप कुछ युवक मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री कर रहे थे।

सूचना की पुष्टि होने पर चैनपुर पुलिस निरीक्षक देवव्रत पोद्दार के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने मौके पर पहुँचते ही तीन व्यक्तियों को भागने का प्रयास करते देखा, जिन्हें दौड़ाकर दबोच लिया गया। गिरफ्तार युवकों की पहचान सेमरटांड निवासी 20 वर्षीय बादल कुमार, 20 वर्षीय हर्षित राज तथा 20 वर्षीय मनीष कुमार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से 29.24 ग्राम ब्राउन शुगर तथा 4400 रुपये नकद बरामद किए गए। पूछताछ में तीनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ रखने एवं बिक्री से जुड़े मामले में चैनपुर थाना कांड संख्या 234/2025, दिनांक 03 दिसंबर 2025, धारा 17(बी)/ 21(बी)/ 22(बी)/ 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त मनीष कुमार का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके विरुद्ध पूर्व में शहर थाना में मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा, पुअनि अनिल विद्यार्थी, पुअनि छत्रधारी कुमार, पुअनि बाबूलाल दुबे, सअनि विनोद कुजूर एवं रिजर्व गार्ड शामिल थे।

महिला डिजिटल हिंसा के खिलाफ सहयोगिनी संस्था की जागरूकता कार्यशाला आयोजित

बोकारो, संवाददाता

सहयोगिनी संस्था द्वारा महिला हिंसा के खिलाफ चल रहे 16 दिवसीय अभियान के तहत महिलाओं में बढ़ते डिजिटल हिंसा के प्रति जागरूकता हेतु एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाराडीह पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी ने कहा कि महिलाओं के प्रति हिंसा का नया रूप डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से बढ़ रहा है, जिसे रोकने के लिए विशेष कानून और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। संस्था की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि साइबर हिंसा गंभीर समस्या है, लेकिन ऑनलाइन सुरक्षा, सतर्कता और समय पर शिकायत दर्ज कर इसे रोका जा सकता है। उन्होंने साइबर अपराध की शिकायत के लिए भारत सरकार के टोल-फ्री नंबर 1930 और जिले के साइबर थाना से संपर्क करने पर जोर दिया। महिला थाना बोकारो की निर्भया शक्ति लक्ष्मी कुमारी ने ऑनलाइन प्रताड़ना की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन संस्था की समन्वयक कुमारी किरण ने किया। मौके पर सूर्यमणि देवी, नीतू कुमारी, रेखा देवी, कविता कुमारी सहित कई ग्रामीण और महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

जनप्रतिनिधियों के फरमान से डीओ होल्डर परेशान

बोकारो, संवाददाता

सीसीएल ढोरी प्रक्षेत्र की एएडीओसीएम (अमलो) परियोजना में संचालित कोयले की लोकल सेल के स्थानीय डीओ होल्डर, जनप्रतिनिधियों के फरमान से परेशान हैं। जनप्रतिनिधियों के फरमान के अनुसार कोई भी बाहरी डीओ होल्डर इस सेल में कोयले का उठाव नहीं करा सकते। वहीं, कतिपय बाहरी डीओ होल्डर कोयला उठाव कराने के लिए कुछ स्थानीय लोगों का सहारा ले रहे हैं। इस कारण इस सेल में टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे कोयला उठाव के कार्य अक्सर बाधित होते रहते हैं। इसका खामियाजा इस सेल से जुड़े डीओ होल्डरों के साथ-साथ ट्रकों पर कोयला लदाई करने वाले मजदूरों एवं ट्रक मालिकों को भी भुगतना पड़ रहा है।

यहां डीओ होल्डरों की परेशानी यह है कि सेल के कार्य अक्सर बाधित होने से कोयला उठाव कराने की निर्धारित तिथि समाप्त हो जाती है, जिससे डीओ होल्डरों का कोयला लेप्स कर जाता है और डैमेज सहित अन्य शुल्क सीसीएल की ओर से काटे जाने का नुकसान सहना पड़ता है। वहीं, ट्रकों के आनरों एवं कोयला लदाई करने वाले मजदूरों को काम न मिल पाने के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने को विवश होना पड़ता है।

हालांकि इस तरह की स्थिति सेल में उत्पन्न न हो परियोजना प्रबंधन का प्रयास रहता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों एवं सेल कमेटी के लोगों के हस्तक्षेप व फरमान के आगे प्रबंधन किंकर्तव्य विमूढ़ हो जाता है। इस तरह के मामले से केवल एएडीओसीएम (अमलो) परियोजना में संचालित कोयले की लोकल सेल ही प्रभावित नहीं है, बल्कि बेरमो कोयलांचल अंतर्गत सीसीएल की सभी परियोजनाओं में संचालित लोकल सेल भी इस प्रपंच से प्रभावित होती रहती है। इससे जनप्रतिनिधियों व सेल कमेटी को तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन डीओ होल्डरों, ट्रक मालिकों एवं लदाई मजदूरों को नुकसान उठाना पड़ता है।

जोशी कॉलोनी में बुजुर्ग दंपति की हत्या का बोकारो पुलिस ने किया खुलासा

बोकारो, संवाददाता

हरला थाना क्षेत्र के जोशी कॉलोनी गेट नंबर-03 में 1 दिसंबर की रात बुजुर्ग दंपति महावीर साव (70) और कोश्यला देवी (65) की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल था। हरला थाना कांड संख्या 181/2025, धारा 103(1) बीएनएस 2023 के तहत केस दर्ज किया गया था। एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर सीटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन करते हुए 3 दिसंबर को दो आरोपियों—ओमप्रकाश कुमार उर्फ ललुआ और उसके सहयोगी रामचन्द्र कुमार उर्फ बिद्ध—को गिरफ्तार किया गया। दोनों जोशी कॉलोनी के ही निवासी हैं। पुलिस ने उनके पास से खून लगा चाकू, खून से सनी ईंट, हत्या के समय पहने गए कपड़े और मृतक का टूटा मोबाइल बरामद किया है। पूछताछ में सामने आया कि दंपति की चाय-पकौड़ी दुकान और ओमप्रकाश की दुकान के बीच ग्राहकों को लेकर विवाद रहता था। व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और रंजिश के कारण दोनों आरोपियों ने नशे की हालत में दंपति की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

सीएम नीतीश ने जबरन हाथ उठवाकर पीएम को नमन करवाया

सदन में विपक्ष से कहा: आप भी कीजिए, बोले: 2 बार गलती हुई, कभी आपके पास नहीं आऊंगा

पटना। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा हुई। सदन में सीएम नीतीश ने नए विधायकों को बधाई दी। नीतीश कुमार ने कहा, 'पीएम ने बिहार के विकास के लिए बहुत काम किया है। इसमें मदद के लिए मोदी जी को नमन करता हूं।' सीएम ने सभी से हाथ उठाकर नमन करने को कहा, आरजेडी विधायकों ने हाथ नहीं उठाया तो सीएम ने कहा कि आप लोग क्यों नहीं करते हैं आपलोग भी कीजिए।' सीएम सदन में विकास योजना गिना रहे थे, इस पर राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि मनेर में कटाव लगा हुआ है। इस पर सीएम ने कहा कि आप पहले मेरी बात सुनिए। विधानसभा में करीब 2 घंटे अभिभाषण पर चर्चा हुई, जिसमें सीएम समेत 14 सदस्यों ने अपनी बात रखी। वहीं अभिभाषण पर सरकार की ओर से सम्राट चौधरी ने उत्तर दिया। कार्यवाही शुरू होने पर सबसे पहले उपाध्यक्ष का चुनाव हुआ। इस सत्र में प्रोटेम स्पीकर रहे नरेन्द्र नारायण यादव सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष बने। विधानमंडल की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। सीएम ने अपने भाषण के बाद आरजेडी के विधायक से पूछा- 'आपलोग काहे नहीं कर रहे हैं। आपलोग भी कीजिए। सीएम ने आरजेडी विधायक से कहा, आपको दो बार मौका दिए। आपके साथ भी विकास किए न, गड़बड़ सड़बड़ किए तो छोड़ दिए। अब इनके साथ हैं। आपके साथ कभी नहीं आएंगे।' सदन में तेजस्वी यादव मौजूद नहीं है। सदन में विपक्ष के मुख्य सचेतक और राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने कहा, 'सम्राट चौधरी का नाम उनके माता-पिता ने एक राजा की तरह रखा। अब उनका नाम बुलडोजर बाबा रख दिया गया है। मैंने पत्रकारों से पूछा, बुलडोजर बाबा नाम क्यों रखा। उन्होंने कहा कि गरीबों के घर गिरा रहे हैं, इसलिए बुलडोजर बाबा नाम रखा है। डिप्टी सीएम बने हैं तो गरीबों की झोपड़ी उजाड़कर अपना नामकरण मत कीजिए सम्राट जी।' कुमार सर्वजीत ने कहा, 'मुझे मालूम था कि आपको प्रचंड बहुमत मिला तो गरीब के बेटे को बोलने का मौका नहीं मिलेगा। आपको प्रचंड बहुमत मिली तो सड़कें सूनी हैं। जब सड़क सूनी होती है तो सरकार बेकाबू हो जाती है। जब तक हम विपक्ष में हैं, सड़कें सूनी नहीं होने देंगे। संघर्ष करेंगे। कुमार सर्वजीत के बयान पर बेलागंज की विधायक मनोरमा देवी ने टोका। उन्होंने कहा- ये लड़ाई-झगड़ा कराना चाहते हैं। इस पर सर्वजीत ने कहा- जब हमारी सरकार थी, तो ये अपने इलाके में सायरन लगा कर घूमती थी। सर्वजीत ने गया के मगध मेडिकल अस्पताल के बारे में कहा कि वहां जाने पर लगता है कि दलित के मोहल्ले में आ गए हैं। इस पर बीजेपी विधायकों ने विरोध किया। और शब्द वापस लेने को कहा। अध्यक्ष ने खुद कहा, मैं देख रहा हूं आज वहां पहले से ज्यादा अच्छी स्थिति है। दलित इलाके में विकास के कुमार सर्वजीत के बयान पर जेडीयू नेता रत्नेश सदा ने कहा, कुमार सर्वजीत को कहना चाहता हूं, मैं भी उसी दलित की कोख से पैदा हुआ है। दलितों के लिए जो हरकत इन्होंने की है वो इसे माफ नहीं करेंगे। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने प्रधानमंत्री की मां की गाली देने और चुनाव प्रचार के दौरान छठी मइया के अपमान का मुद्दा उठाया। विजय सिन्हा ने कहा, जिन्होंने छठ मैया को ड्रामा कहा, आज छठ मैया के प्रकोप से वो सदन में एक कोने में सिमट गए हैं। पीएम और उनकी मां का अपमान करने वालों को जनता ने जवाब दिया है। विधानसभा में विजय सिन्हा ने कहा, 'हम ग्राउंड पर काम कर रहे हैं, बालू माफिया, दारू माफिया और और भू-माफिया को चिन्हित कर, उनकी छातों पर बुलडोजर चलाएंगे।' इस पर राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'दवा माफिया आप हैं, दो नंबर की दवा आप बेचते हैं, बालू माफिया से दोस्ती आपकी है, जमीन माफिया से दोस्ती आपकी है।'

सदन में साउंड गड़बड़ी पर सख्त स्पीकर प्रेम कुमार

बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने आज अपने कार्यालय कक्ष में भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान माइक और साउंड सिस्टम में आए व्यवधान पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही विधानसभा भवन के रख-रखाव तथा भवन निर्माण विभाग द्वारा करवाए गए विभिन्न कार्यों की भी समीक्षा की गई। माइक और साउंड में आई तकनीकी गड़बड़ी पर भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों ने अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि जांच में जो भी अधिकारी या कर्मी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए वैकल्पिक तकनीकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विधानसभा के तीनों भवनों और परिसर में भवन निर्माण विभाग द्वारा कराए गए सभी कार्यों का नियमित और गुणवत्ता के साथ रख-रखाव किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी या संरचनात्मक समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, डॉ. ख्याति सिंह, प्रभारी सचिव, बिहार विधानसभा सहित भवन निर्माण विभाग और सभा सचिवालय के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा के गर्भ से निकली जमीन

अब जमाबंदी का इंतजार कर रहे रैयत, सरकार को दी चेतावनी

बिहपुर। प्रखंड के सोनवर्षा गंगा दियारा में किसानों की वो जमीन जो गंगा की धारा बहने के कारण बिहार सरकार की हो गई थी, वह जमीन गंगा की धारा बदलने के कारण अब गंगा के गर्भ से निकल गई है। किसानों व रैयतों द्वारा सरकार व जिला प्रशासन से लगातार मांग की जा रही है कि गंगा की गर्भ से निकली जमीन की उसके पुराने रैयतों व उत्तराधिकारियों के नाम जमाबंदी हो। अगर उक्त जमीन पुराने रैयतों के नाम से जमाबंदी न कर किसी अन्य को दे दी गई तो यह एक बड़े फसाद का कारण बनेगी। बता दें कि गत वर्ष इस मुद्दे को लेकर प्रखंड के बिहपुर दक्षिण/सोनवर्षा पंचायत में बिहार राज्य किसानसभा के बैनर तले इलाके के किसानों व रैयतों का क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ था।मुखिया नीनारानी की अध्यक्षता व प्रणेश समदर्शी के संचालन में हुए इस सम्मेलन में क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों के किसान व रैयत पहुंचे थे। इन बातों को गत वर्ष को सोनवर्षा में ही जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचे तत्कालीन डीएम सुब्रत सेन, एसपी एसके सरोज, डीडीसी कुमार अनुराग व एसडीओ उत्तम कुमार समेत बीडीओ व सीओ के समक्ष भी प्रमुखता से रखा गया था। साथ ही आवेदन भी सौंपा गया था। जिस पर डीएम ने इस दिशा में विधिसम्मत साकारात्मक पहल करने की बात कही थी, लेकिन इस दिशा में सरकारी पहल आजतक नहीं हुआ। किसान अब अपनी इस मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। कॉमरेड प्रणेश समदर्शी ने कहा कि आंदोलन की अगली कड़ी में अंचल कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन होगा। जिसकी तिथि की घोषणा जल्द कर दी जाएगी। वहीं, इस सम्मेलन में कहा गया कि किसानों की ऐसी जमीन जो पानी में है, पानी आ जाने के कारण किसान का जुड़ाव अपनी जमीन से कुछ समय के लिए नहीं रहता है। उसका स्वामित्व रैयतों को सुपुर्द करने व उक्त पानी वाली जमीन पर से मछुआरा संघ के अधिकार से मुक्त कराने व इसको लेकर आगे की रणनीति व आंदोलन की रूपरेखा पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाएगा।

बेगूसराय के बैंक में बेकार पड़े हैं 78 करोड़ रुपए

बेगूसराय। के विभिन्न बैंक के खाते में 78 करोड़ रुपए बेकार पड़े हुए है, जिसका कोई दावा नहीं कर रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक के आदेश पर वह पैसा दावेदारों को लौटाने के लिए कवायद शुरू हो गई है। इस 78 करोड़ रुपए के दावेदारों को खोजा जा रहा है, लेकिन अभी तक लोग सामने नहीं आए हैं।जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले के विभिन्न बैंकों में एक लाख 94 हजार 212 खाते निष्क्रिय पड़े हैं। उन निष्क्रिय बैंक खातों में करीब 78 करोड़ की जमा राशि थी, जो भारतीय रिजर्व बैंक के जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि में अंतरित हो चुकी है। जिसका दावा अभी तक नहीं हुआ है

संक्षिप्त डायरी

वीवीआईपी गाड़ियों का नहीं लगेगा टोल-टैक्स, तत्काल प्रभाव से नियम लागू

पटना। सांसद-विधायकों समेत अन्य वीवीआईपी की सरकारी गाड़ियों को अब टोल प्लाजा पर टोल टैक्स नहीं देना होगा। टोल टैक्स से पूरी तरह छूट दिलाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ी पहल की है। परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने सभी संबंधित वीवीआईपी को पत्र लिखकर अपनी पात्र सरकारी गाड़ियों पर छूट वाला फास्टटैग (एक्जेम्प्टेड फास्टैग) शीघ्र लगवाने को कहा है। इसके लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के एक्जेम्प्शन (छूट) पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन भी करना होगा। परिवहन मंत्री ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि भारत सरकार की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सभी पात्र वाहनों को तीन महीने के अंदर एनएचएआई के एक्जेम्पशन (छूट) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से रजिस्टर कराना होगा। राज्य में वर्तमान में सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री, मुख्य सचिव समेत कई वीवीआईपी की सरकारी गाड़ियां इस पोर्टल पर रजिस्टर हैं, जिसके कारण वह टोल प्लाजा पर बिना रुके निकल जाती हैं। मंत्री ने सभी से अपील की है कि निर्धारित समय के अंदर अपने वाहनों की पूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड कराकर छूट वाला फास्टैग लगवा लें। परिवहन मंत्री ने कहा कि वीवीआईपी की गाड़ियों को टोल प्लाजा पर रोकने से कई बार महत्वपूर्ण बैठक या कार्यक्रम में देरी हो जाती है। उनकी सहूलियत और कीमती समय की बचत के लिए यह व्यवस्था की गई है। विभाग ने सभी संबंधितों को अलग-अलग पत्र भेजकर भी व्यक्तिगत रूप से अनुरोध किया है कि वे शीघ्र इस प्रक्रिया को पूरा कर लें ताकि आगे किसी तरह की असुविधा न हो।

महिला की मौत होने के बाद नर्सिंग होम में हंगामा

पटना। बाढ़ थाना क्षेत्र के भुवनेश्वरी चौक के पास स्थित एक निजी नर्सिंग होम में बुधवार को उपचार के दौरान एक महिला मरीज की मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और मनमाने पैसे वसूलने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। मृतका श्रुति कुमारी थी। परिजनों के मुताबिक, 28 नवंबर को बाइक से गिरने के दौरान श्रुति के सिर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद उसे बेहतर इलाज की उम्मीद में उक्त नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। मृतका के देवर शालू कुमार ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने मरीज को ठीक करने का भरोसा दिया था और इलाज के नाम पर प्रतिदिन 5,000 रुपए लेते रहे।मरीज को लगातार वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ।

पटना में मवेशी बांधने के विवाद में फायरिंग

पटना। के बख्तियारपुर प्रखंड के माधोपुर गांव में मवेशी बांधने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। बुधवार शाम को हुई फायरिंग में दो युवक गोली लगने से घायल हो गए। घायलों की पहचान अनिल यादव के बेटों आकाश और आरवी कुमार के रूप में हुई है।सुबह हुआ था विवाद, शाम को चली गोली सूत्रों के अनुसार, सुबह मवेशी बांधने को लेकर सोनेलाल यादव और उनके तीन पुत्रों तथा अनिल यादव और उनके बेटों के बीच तीखी बहस हुई थी। यह मामूली विवाद शाम तक बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसी दौरान फायरिंग हुई, जिसमें दोनों युवक घायल हो गए। घायलों को बख्तियारपुर पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए PMCH रेफर कर दिया गया है। आरोपी सूरज यादव ने की फायरिंग- SDPO एसडीपीओ-2 आयुष श्रीवास्तव ने बताया, 'फायरिंग करने वाला युवक सोनेलाल यादव का बेटा सूरज है, जिसका आपराधिक इतिहास रहा है। वह करीब 6 महीने पहले ही जेल से रिहा हुआ था। अधिकारियों के अनुसार, सुबह हुए विवाद का समझौता भी हो गया था, लेकिन शाम को फिर तनाव बढ़ा और घटना हो गई। दो दिन में दूसरी घटना गांव में तनाव का माहौल है। सोमवार को भी एक पुराने विवाद को लेकर कई राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ था। लगातार हो रही गोलीबारी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

समस्तीपुर में छात्रा की हत्या करने वाले टीचर का कबूलनामा

गुड़िया मृतका
दीपक, आरोपी टीचर

'समस्तीपुर। मैं अपनी प्रेमिका से शादी करना चाहता था, लेकिन उसके घरवाले खासकर मेरी प्रेमिका की छोटी बहन गुड़िया कुमारी हमारे रिश्ते के खिलाफ थी। गुड़िया को मैं पसंद नहीं था। लेकिन मुझे हर हाल में अपनी प्रेमिका से ही शादी करनी थी। मेरी प्रेमिका की बहन मेरी शादी के बीच रोड़ा बनने लगी तो मैंने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। गुड़िया की हत्या के बाद मैं अपनी प्रेमिका की हत्या करना चाहता था, लेकिन पकड़े जाने के डर से फरार हो गया।'ये बातें नालंदा जिले के रहने वाले 40 साल के कुमुद उर्फ दीपक ने पुलिस की पूछताछ में बताई है। दरअसल, समस्तीपुर के शिवाजीनगर इलाके में 11 अगस्त को 19 साल की गुड़िया कुमारी की कुमुद कुमार ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। करीब 120 दिनों के बाद समस्तीपुर पुलिस ने आरोपी कुमुद को असम के गुवाहाटी से गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए 10 दिनों तक गुवाहाटी में रही। फिर गुवाहाटी के आरपीएफ कॉलोनी रोड के ज्योति नगर पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को अरेस्ट किया। पुलिस बुधवार को आरोपी कुमुद को लेकर समस्तीपुर पहुंची और जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।सबसे पहले जानिए, आरोपी कुमुद के पकड़े जाने की कहानीरोसरा डीएसपी संजय सिन्हा ने बताया कि, वारदात के बाद एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने एक स्पेशल टीम का गठन किया था। वारदात के बाद पुलिस को कुमुद की तलाश थी, लेकिन पता चला कि कुमुद बिहार छोड़कर बाहर भाग गया है। पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। इसी दौरान कुछ दिन पहले पुलिस को इनपुट मिला कि वो गुवाहाटी में रह रहा है। इसके बाद पुलिस की एक टीम गुवाहाटी रवाना हुई और 10 दिन रहकर उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाई और फिर गिरफ्तार किया। संजय सिन्हा ने बताया कि, आरोपी ने अपना हुलिया बदल लिया था, जिसकी वजह से उसकी पहचान में कुछ समय लगा। DSP ने बताया कि आरोपी कुमुद नालंदा जिला के बिहारशरीफ थाना क्षेत्र के नीमगंज गांव के रहने वाले अशोक कुमार चौधरी का बेटा है। कुमुद बहेड़ी में एक प्राइवेट स्कूल में प्रिंसिपल था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद पहले खगड़िया भागा और फिर ट्रेन पकड़कर गुवाहाटी पहुंच गया। पुलिस से बचने के लिए उसने दाढ़ी बाल कटवा लिए थे और झूठी जानकारी देकर ज्योति नगर आरपीएफ कॉलोनी रोड स्थित एक मकान में किराए पर रहने लगा था।पहचान पत्र मांगे जाने पर बार-बार मकान मालिक को गुमराह कर रहा था आरोपी जिस मकान में रह रहा था, उसके मकान मालिक की ओर से बार-बार पहचान पत्र मांगा जा रहा था, लेकिन कुमुद लगातार मकान मालिक को पहचान पत्र देने में टालमटोल कर रहा था, उन्हें गुमराह कर रहा था। इसके बाद मकान मालिक को कुमुद पर शक हुआ और उन्होंने लोकल पुलिस को इसकी जानकारी दी। असम की पुलिस ने जब पड़ताल की, तब सारा सच सामने आया।

शन पर सो रहे माता-पिता के बीच से उठा ले गए बच्चा! 3.50 लाख में किया सौदा

वैशाली। जिले के हाजीपुर जंक्शन से एक बच्चे को चोरों ने चुराकर बेच दिया। बताया गया कि बच्चा अपने मां-बाप के साथ जंक्शन पर सोया हुआ था, तभी इस वारदात को अंजाम दिया गया। बच्चे की पहचान सुमित कुमार के छोटे पुत्र मोहम्मद फहिम उर्फ राजा बाबू के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया और जांच शुरू की गई। 3 दिसंबर को बच्चा अपने माता-पिता के साथ हाजीपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर सोया था। 4 दिसंबर की सुबह करीब 6 बजे जब माता-पिता की नींद खुली तो तीन में से एक बच्चा गायब था। इसके बाद परिजनों ने जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई। जंक्शन पर लगे सीसीटीवी को खंगालने पर एक महिला और पुरुष बच्चे को चुराते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों की पहचान वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रंजीत कुमार के पुत्र अर्जुन कुमार और हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के चौकोर निवासी स्व. रामचंद्र चौधरी की पत्नी किरण देवी के रूप में की। दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो पता चला कि इस घटना में कुल छह लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि चोरी के बाद बच्चा बिदुपुर के सोनू को सौंप दिया गया।पुलिस ने छापेमारी कर सोनू को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सोनू ने खुलासा किया कि बच्चे को 3 लाख 50 हजार रुपये में बेच दिया गया है और यह सौदा एक डॉक्टर ने करवाया था। सोनू ने बताया कि समस्तीपुर के शाहपुर पटोरी के डॉक्टर अविनाश कुमार और उनकी सहयोगी मुन्नी कुमारी के कहने पर यह सौदा हुआ। बच्चा डॉक्टर अविनाश और मुन्नी को सौंप दिया गया, जिसके बदले सोनू को 1,30,000 रुपये मिले। पुलिस ने इस कांड में शामिल छह लोगों अनिल कुमार साह (समस्तीपुर), गुड़िया देवी (समस्तीपुर), मुन्नी कुमारी (समस्तीपुर), अर्जुन कुमार (बिदुपुर), सोनू कुमार (बिदुपुर) और किरण देवी (हाजीपुर) को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि डॉक्टर अविनाश अभी फरार है।

पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा, दिए ये बड़े निर्देश

पटना। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को विभागीय मुख्यालय में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) की चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों में निमार्णाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, बाईपास निर्माण, फ्लाईओवर और अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता, समय सीमा और सामने आ रही बाधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में विभाग के सचिव संदीप आर. पुडकलकट्टी, अपर सचिव शैलजा शर्मा सहित NHAI और MoRTH के अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 4000 करोड़ रुपये की योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही अन्य लंबित योजनाओं की मंजूरी जल्द दिलाने हेतु अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने मंत्री को प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, भूमि अधिग्रहण की प्रगति, उपयोगिता शिफ्टिंग, ठेकेदारों की क्षमता, निर्माण सामग्री की उपलब्धता और भौगोलिक परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान एक्सप्रेसवे, ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, आर्थिक महत्व वाले राष्ट्रीय राजमार्ग खंड और राज्य को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों की प्रगति पर विशेष चर्चा की गई।मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों का व्यवस्थित विकास राज्य के औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक उत्थान के लिए अत्यंत जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं में तय समय सीमा का सख्ती से पालन किया जाए और गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी न आने दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां कहीं प्रशासनिक कारणों से देरी हो रही है, वहां जिला प्रशासन से समन्वय कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। मंत्री ने NHAI और पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों को स्थल निरीक्षण बढ़ाने, समस्याओं की शीघ्र पहचान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और ठेकेदारों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय हुआ कि सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की मासिक प्रगति रिपोर्ट तैयार कर मंत्री को सौंपी जाएगी। साथ ही, आम जनता को होने वाली यातायात असुविधा कम करने के लिए निर्माण स्थलों पर संकेतक बोर्ड, वैकल्पिक मार्ग और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। मंत्री नितिन नवीन ने विश्वास जताया कि निर्धारित योजना के अनुसार सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी, जिससे यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और तेज सड़क सुविधा मिलेगी और राज्य के समग्र विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

सीएम योगी ने पंच प्रण को याद दिलाया

बोलेः विरासत पर गर्व की अनुभूति कीजिए, राम मंदिर पर धर्मध्वजा का आरोहण उसी की एक कड़ी

लखनऊ। 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सबकी अपनी पहचान होती है। ऐसे ही राष्ट्र की भी होती है। जैसे वहां की संस्कृति, परंपराएं, महापुरुष ये सभी एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। अगर राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी पहचान खो देता है। सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण को याद दिलाया। बोले- ये सभी के लिए लागू होते हैं। अपने विरासत पर गर्व कीजिए। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर और धर्मध्वजा का आरोहण उसी की श्रृंखला की एक कड़ी है।' CM योगी गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा- भारतीय संस्कृति में अयोग्य शब्द किसी मनुष्य के लिए नहीं कहा गया है। अगर हम उसे अयोग्य कहते हैं तो उसके मनुष्य होने पर ही प्रश्न चिह्न खड़ा करते हैं। इसका मतलब है कि अगर अयोग्य है तो कोई उसका योजक नहीं है। समारोह का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ले जनरल योगेंद्र डिमरी ने किया। साथ ही उन्होंने शोभायात्रा के शुभारंभ की घोषणा की। इससे पहले एनसीसी स्टूडेंट्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह, परिषद के संस्थापक ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और विस्तारक ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृतियों में आयोजित किया जाता है। गोरक्षपीठाधीश्वर इस शिक्षा परिषद के मुख्य संरक्षक भी हैं। सीएम योगी ने कहा- मिनी स्टेडियम के लिए 5 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। हर स्कूल में खेल का मैदान भी होना चाहिए। हमारा बच्चा जब खेलेगा तभी खिलेगा। स्पोर्ट्स कालेज में आहार की धनराशि को बढ़ाकर 375 रुपए किया है। आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में भी प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। इसके लिए 50 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को डेढ़ लाख रुपये प्रति महीने पर संबद्ध करने की कार्यवाही की है। जब आप मानकर चलते हैं कि मैं विजयी रहूंगा तो आप विजयी होंगे। इसलिए आत्मबल मजबूत रखिए। अपनी प्रतियोगिता सबसे पहले खुद से रखिए। निरंतर अभ्यास, निरंतर सीख, अनुशासन खिलाड़ियों को महान बनाती है। सीएम ने कहा- भारत में खेल व खेल की गतिविधियों का परिणाम है कि हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में ज्यादा संख्या में भाग लेकर मेडल प्राप्त कर रहे हैं। इन खिलाड़ियों के लिए प्रोत्साहन स्वरूप सरकार सहायता प्रदान करती है। इससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसका केंद्र बिन्दु स्कूल कॉलेज हैं। जहां हम खेलकूद की गतिविधियों को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। सीएम ने कहा- मेरे लिए आनंद का क्षण है कि आज मुझे गोरखपुर में स्कूल गेम्स फेडरेशन आफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में भारत की ऊर्जा के प्रतीक इन युवा प्रतिभाओं के खेल और ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले को देखने का अवसर मिला है। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का भाग लेना ही अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंडर-17 व अंडर-19 के खिलाड़ी हैं। पिछले 11 वर्ष में भारत में खेल व खेल की गतिविधियों में एक नई स्फूर्ति देखी गई है। प्रधानमंत्री ने इसके लिए अनेक कार्यक्रम घोषित किए। सीएम ने कहा- ओलिंपिक में, कामनवेल्थ, एशियाड हो, खिलाड़ियों के प्रतिभाग व मेडल पर अलग-अलग धनराशि दी जाती है। आपने क्रिकेट लीग के बारे में सुना होगा। अब तो कबड्डी लीग हो रहा है। अत्यंत लोकप्रिय है। कबड्डी जैसे आप में ऐसा खेल है कि हर खिलाड़ी का प्वाइंट नए भारत की ऊर्जा का प्रतीक होता है। हर खेल हमारे युवाओं को स्फूर्ति, उसके अटेंशन व त्वरित निर्णय लेने की क्षमता व आत्मविश्वास को बढ़ाती है। खेलोगे तो खिलोगे अपने लिए भी और समाज के लिए भी। सीएम ने कहा- 2030 का कॉमनवेल्थ गेम भी भारत में आयोजित होने जा रहा है। पिछले लगातार 7 वर्ष से इस प्रतियोगिता का आयोजन यहां पर होता है। बड़ी संख्या में टीमें यहां भाग ले रही हैं। इस बार 12 टीमों के 168 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। आज फाइनल में उत्तर प्रदेश की टीम विजयी रही। पूर्वोत्तर रेलवे की टीम उपविजेता रही। दोनों टीमों को बधाई देते हैं। कोई खिलाड़ी जब किसी प्रतियोगिता में जाएगा तो उसे छुट्टी पर नहीं माना जाएगा। सरकारी नौकरी में आने के बाद अभ्यास का पूरा अवसर मिलना चाहिए। हम 500 से अधिक खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश में विभिन्न पदों पर समायोजित कर चुके हैं। सीएम ने कहा- आज सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के साथ विधायक खेलकूद प्रतियोगिताएं हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में पहले से तीन स्पोर्ट्स कालेज हैं। हमारी सरकार ने तय किया है कि हर मंडल में एक स्पोर्ट्स कॉलेज व जिला मुख्यालय पर एक स्टेडियम होना चाहिए। ब्लॉक लेवल पर मिनी स्टेडियम का निर्माण होना चाहिए। वृहस्तर पर सरकार इस कार्य में जुटी है। गांव-गांव खेल का मैदान हो या ओपन जिम हो, इसे ग्राम पंचायतों की निधि की प्राथमिकता का हिस्सा है। इसी के चलते प्रदेश में खेलकूद की गतिविधियां बड़ी तेजी से बढ़ रही हैं। प्रदेश स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का कार्यक्रम भी प्रारंभ कर चुका है। मेरठ में हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बना रहे हैं। पहला सत्र शुरू हो चुका है। सीएम योगी ने कहा- खेल व खेल संस्कृति हमें टीम वर्क के रूप में काम करने की प्रेरणा देता है।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान आई 90 शिकायतों में ज्यादातर का किया निस्तारण

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर आमलोगों की शिकायतों को सुनकर उनकि वक्त पर निस्तारण करने के दिये निर्देश। वही जनसुनवाई के दौरान करीब 90 शिकायते आई, जिनमें से ज्यादातर शिकायतों का जिलाधिकारी ने बिना देर किये बेहतर तरीके से मौके पर निस्तारण कर दिया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित जिम्मेदार अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के जरिये से बैठक कर उनके फौरन निस्तारण के लिये निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ और दूसरे जिम्मेदार अधिकारी नियमित तौर से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर लोगों की परेशानियों का जल्द निस्तारण करें। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित दूसरे जरियों से आने वाले शिकायती मामलों को सभी अधिकारी मौके पर जाकर बेहतर तरीके से निस्तारण कर उसकी रिपोर्ट वक्त पर भेजें।

एसडीएम ने की एसआईआर की दृष्टि से कमजोर बूथों पर सर्वदलीय समीक्षा बैठक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उपजिलाधिकारी कसया डॉ संतराज सिंह बघेल ने नगर पालिका कुशीनगर क्षेत्र के अंतर्गत एसआईआर की दृष्टि से कमजोर बूथों पर एक सर्वदलीय समीक्षा बैठक की। जिसमें एसआईआर की गति और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया गया। बैठक मुख्य रूप से नगर के बाल बाड़ी स्कूल स्थित बूथ संख्या 284, 285, 286 व 287 एवं भलुही मदारी पट्टी के बूथ संख्या 291, 292, 293, 294 व सबया के बूथ संख्या 327, 328, 329, 330 पर प्रमुखता से हुआ।बैठक में भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि स्वरूप नगर मंडल महामंत्री रवि शंकर सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक अनिल शुक्ला सभासद टिंकू मिश्रा, शक्ति केंद्र संयोजक विष्णु दुबे सभासद मधुबाला त्रिपाठी सभासद प्रतिनिधि अमेरिकन सिंह व समाजवादी पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी राजेश प्रताप राव बंटी भैया, अरविंद जायसवाल , नगर पालिका कुशीनगर की अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला आदि प्रमुखता से उपस्थित रहे। बैठक में उपजिलाधिकारी सिंह ने सभी बीएलओ व उनके सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि अब एसआईआर का कार्य अपने अंतिम चरण में है और जल्दबाजी में कुछ गलत ना हो इसके लिए सभी कर्मचारी गण, सभी राजनैतिक दलों के साथ सहयोग व सबको विश्वास में लेकर सही व पारदर्शी तरीके से अपना-अपना कार्य पूर्ण करें।

13 दिसम्बर को होने वाली लोक अदालत को कामयाब बनाने के लिये एक जरुरी बैठक हुई सम्पन्न

संवाददाता

हमीरपुर। जिला जज मनोज कुमार राव के निर्देशन में 13 दिसम्बर 2025 को आने वाली लोक अदालत के आयोजन को कामयाब बनाने के मद्देनजर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बैंकर्स और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की, बैठक में अपर जिलाधिकारी विजय शंकर तिवारी, लीड बैंक मैनेजर संगम लाल मिश्रा, परिवहन विभाग की ओर से वरिष्ठ सहायक सत्यम बाजपेई प्रभारी तहसीलदार सदर वीरपाल सिंह, मौदहा से नायब तहसीलदार महेन्द्र गुप्ता, राठ से नायब तहसीलदार सुभाष वर्मा, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत राठ रमेश चन्द, टेलीकॉम मैनेजर अमर महरोत्रा सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जिला मुख्यालय सहित तहसीलों में ऐसी जगह जहां आम लोग ज्यादा से ज्यादा तादाद में मौजूद हो, अदालत, कलेक्ट्रेट, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, बाजार तहसील मुख्यालय सहित बैंकों में लोक अदालत की भारी कामयाबी तय किये जाने के लिये प्रचार-प्रसार की कोशिश करें, साथ ही आम लोगों की हिस्सेदारी तय करे, और अदालत सहित विभागों में पेंडिंग पड़े ज्यादा से ज्यादा मामलों की पहचान कर लोक अदालत में निपटारा कराये जाने की कोशिश करें।

सड़क हादसे में घायलों से मिले कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक, दिए निर्देश

संवाददाता

कुशीनगर। गुरुवार को कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक ने रविन्द्रनगर स्थित जिला अस्पताल पहुंचकर बीते कल पकवाइनार में सड़क हादसे में घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने घायलों से बातचीत की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अस्पताल में डॉक्टरों और अन्य संबंधित से घायलों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और समुचित ईलाज के लिए कड़े निर्देश दिए। बीते बुधवार को कुशीनगर में हुए सड़क हादसे पर विधायक पीएन पाठक ने दुख व्यक्त किया और उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। हादसे में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। विधायक ने जिले के अधिकारियों से वार्ता कर बेहतर उपचार मुहैया कराए जाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य फूलबदन कुशवाहा, राज, मंडल अध्यक्ष आशा पांडेय, बिट्टू चौधरी, राकेश, सूर्यनाथ समेत संबंधित डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

बागी विधायक पूजा पाल ने केशव के पैर छुए

प्रयागराज। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य गुरुवार को प्रयागराज पहुंचे। बिहार चुनाव के बाद केशव का यह पहला दौरा था। केशव से मिलने प्रयागराज के तमाम नेता पहुंचे। इनमें सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल भी थीं। पूजा पाल ने केशव के पैर छुए और आशीर्वाद लिया। मुलाकात के बाद पूजा पाल ने कहा- सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मेरे लिए अभिभावक समान हैं। मुझे दोनों नेताओं से परिवार जैसा स्नेह और सहयोग मिलता रहा है। पूजा पाल ने पति की हत्या का जिक्र करते हुए कहा, मेरे पति, तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के 18 साल बाद योगी सरकार में मुझे न्याय मिला। यही वजह रही कि मैंने राज्यसभा चुनाव में सपा लाइन से हटकर क्रॉस वोटिंग की थी। यह मेरा भाजपा सरकार के प्रति आभार था। पूजा पाल ने स्पष्ट किया कि सपा में रहते हुए भी वह भाजपा नेताओं के संपर्क में थीं और कई कार्यक्रमों में शामिल होती रही थीं। बिहार विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया था। हालांकि उन्होंने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। बीजेपी ज्वाइन करने के सवाल पर पूजा पाल ने कहा- जब होना होगा तब होगा। मैं अभी भाजपा के लिए सेवा कर रही हूं और जो आदेश मिलता है, उसके अनुसार काम करती हूं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग समझते हैं कि वह भाजपा के साथ क्यों खड़ी है, और आने वाला फैसला शीर्ष नेतृत्व ही करेगा।

दिल्ली से आए कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को उन्नतशील बीज बोने के दिए सुझाव

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के कृषि वैज्ञानिक डॉ सुनील कुमार यादव ने जनपद के विभिन्न गांवों में रबी की फसलों को देखा और किसानों को उन्नतशील बीज बोने के सुझाव दिए। कृषि वैज्ञानिक डॉ सुनील, गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक, गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता के साथ ग्राम भैसही, सेमरा, तुर्कवलिया, बकनहा में किसानों से बातचीत की। बकनहा में प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती कमला गुप्ता के आलू की फसल को देखा और बताया कि आजादी के समय देश की आबादी लगभग 35 करोड़ थी फिर भी भरपेट भोजन नहीं मिलता था। विदेशों से मक्का, गेहूं, बाजरा आदि मंगाया जाता था। आज भारत 140 करोड़ का पेट भरने में हम लगभग आत्मनिर्भर हो चुके हैं। कृषि अनुसंधान संस्थानों का अधिक उपज देने वाली प्रजातियों तथा पशुपालन, मछलीपालन, मुर्गीपालन, बागवानी आदि के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान है। अन्नदाता का परिश्रम तथा अनुसंधान की देन है कि करोड़ों को निशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। डॉ यादव ने बताया कि अधिक उपज लेने के लिए उन्नत प्रजातियों की समय से बुवाई करें। खेती के साथ पशुपालन अवश्य करें। गोबर, हरी खाद के प्रयोग से खेत की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी तथा उत्पादन लागत कम होगी। गेहूं की अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां डी. बी. डब्ल्यू .187, 603, पी. बी. डब्ल्यू. 826, एच.डी. 2967, एच.डी. 3047, डी. बी. डब्ल्यू. 303 आदि का चयन क्षेत्रीय अनुकूलता तथा समय विशेष के अनुसार करें। खेत के भ्रमण के समय कृषि वैज्ञानिक डॉ सुनील से प्रगतिशील किसान रामनाथ कुशवाहा, राम प्रवेश गुप्ता, श्रीराम कुशवाहा, प्रदीप, सुनील कुशवाहा ने पूछा कि गेहूं में खरपतवार से छुटकारा कैसे प्राप्त करें? के जवाब में उन्होंने बताया गेहूं की 20 से 25% उपज कम कर देता है। खरपतवार, प्रमुख खरपतवार गेहूंसा, बथुआ, कृष्णनील, हिरनखुरी आदि चौड़ी पत्ती एवं सकरी पत्ती दोनों के नियंत्रण के लिए सल्फोसल्फ्यूरॉन 75% तथा मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल 5% का एक यूनिट बुआई के 20 से 25 दिन पर छिड़काव करें।डॉ यादव ने दलहन, तिलहन, सब्जी की खेती पर चर्चा किया। कमला गुप्ता ने आलू में झुलसा रोग नियंत्रण पर उपाय पूछा तो उन्होंने बताया कि मैंकोजेब का छिड़काव करें। गेहूं की दिसंबर से बुवाई करने पर तीन से चार कुंतल तथा जनवरी में बुवाई करने पर चार से पांच कुंतल प्रति हेक्टेयर प्रति सप्ताह उपज घट जाती है।

संक्षिप्त डायरी

त्रिवेणी चीनी मिल रामकोला ने 18 नवंबर तक गन्ना मूल्य का किया भुगतान

संवाददाता

कुशीनगर। त्रिवेणी चीनी मिल रामकोला, कुशीनगर ने 18 नवंबर तक 8122 किसानों को 13 करोड़ 98 लाख रुपए का गन्ना मूल्य का भुगतान उनके बैंक खातों में भेजा। यह जानकारी चीनी मिल के सहायक महा प्रबंधक गन्ना अनिल सिंह ने बकनहा गन्ना क्रय केंद्र पर कृषकों को दी। उन्होंने बताया कि समय से गन्ना मूल्य भुगतान करना चीनी मिल की पहली प्राथमिकता है। अनुरोध है कि ताजा, साफ सुथरा गन्ना आपूर्ति करें। इस अवसर पर गन्ना संस्थान के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि शरदकालीन गन्ने की बुवाई के लिए अनुकूल तापक्रम है। बुआई में तेजी लाएं। 120 सेमी की दूरी में गन्ना बोए, भूमि उपचार के लिए ट्रिकोडरमा 4 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से गोबर की सड़ीखाद में मिला कर प्रयोग करे। गन्ना जल भराव वाले खेतों में न बोएं। को० लख 14201 प्रजाति गन्ने की अधिक उपज देती है। प्रमुख प्रजातियां को० 0118, को० लख 16202, को पी० 9301 आदि बोएं। किसान घनश्याम कुशवाहा ने अपना गन्ना दिखाया जो सुख गया है। किसान राकेश गुप्ता, राजकुमार, अमन गुप्ता (प्रशांत), आत्मा, उमेश गुप्ता, अमरनाथ यादव , रामऊधर, रामप्रवेश गुप्ता, सुनील कुशवाहा, जंतु कुशवाहा, श्रीराम उपस्थित थे।

ढाढा चीनी मिल ने 6 दिनों का किया गन्ना भुगतान

संवाददाता

कुशीनगर। अवध शुगर मिल ढाढा चीनीइल हाटा ने दिन का गन्ना मूल्य भुगतानकिसानों के बैंक खाते में भेजा है। यह जानकारी चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष श्री आर के गुप्ता ने दी। अधिशासी अध्यक्ष ने बताया कि 19 नवंबर से 24 नवंबर तक का भुगतान किया गया है। आगे के भुगतान के लिए कार्यवाही चल रही है। समय से गन्ना मूल्य भुगतान करना, गेट क्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाना, हमारी पहली प्राथमिकता है 4031 गन्ना कृषकों का 688 लाख रुपए गन्ना मूल्य भुगतान भेज दिया गया है। चीनी मिल गन्ना किसानों के हित के लिए सदैव तत्पर रहते हुए समय से गन्ना मूल्य भुगतान करती रहेगी। अधिक क्षेत्रफल में गन्ना बोने की अपील की। उपाध्यक्ष गन्ना रविंद्र सिंह ने बताया की पर्ची आने पर ही गन्ना की छिलाई करें, साफ सुथरा गन्ना लायें, कम दामों पर करेसरो पर अपना गन्ना न बेचें '। गन्ना विशेषज्ञ डॉ ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया शरद कालीन गन्ना चीनी मिल गेट परिक्षेत्र में शरद कालीन गन्ना बुवाई के लिए अधिशासी अध्यक्षके मार्गदर्शन में विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

ओम प्रकाश जायसवाल हवाई अड्डा सलाहकार समिति के सदस्य नामित

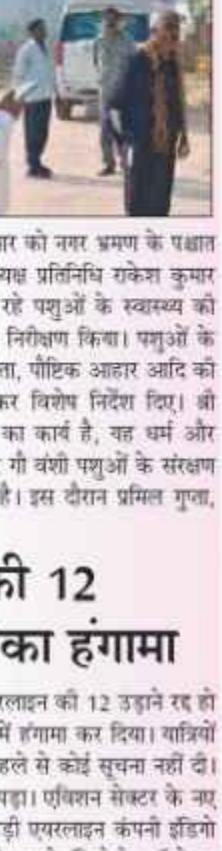

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सांसद कुशीनगर विजय कुमार दूबे के प्रस्ताव पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा भाजपा नेता और समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल को कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा की सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया है। उक्त जानकारी कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के निदेशक प्राणेश रंजन ने श्री जायसवाल को भेजे अपने पत्र में देते हुए बताया है कि भविष्य में हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक की तिथि निर्धारित होते ही आपको सूचित कर आमंत्रित किया जायेगा। श्री जायसवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर्यटन और रोजगार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मिले दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी से की जाएगी। श्री जायसवाल के सदस्य नामित होने पर अनिल पाण्डेय, पूर्व सभासद पवन जायसवाल, प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह, पप्पू राव, डाक्टर श्याम जायसवाल, विजय चौहान, महेंद्र कुशवाहा, संतोष गुप्ता सहित नगर वासियों ने हर्ष व्यक्त किया है ।

नपा कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि ने कान्हा गौशाला का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने नगर स्थित कान्हा गौशाला में औचक निरीक्षण किया और गौ शाला में रह रहे गौ वंश के ठीक से देखभाल के निर्देश कर्मचारियों को दिए। गुरुवार को नगर भ्रमण के पश्चात नगरपालिका परिषद कुशीनगरविधायक अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल कान्हा गौशाला पहुंचे और यहां रहे पशुओं के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा घूमकर पूरे गौ शाला का निरीक्षण किया। पशुओं के लिए उपलब्ध चारे, चोकर, जल की उपलब्धता, पौष्टिक आहार आदि की जानकारी ली तथा साफ - सफाई को लेकर विशेष निर्देश दिए। श्री जायसवाल ने कहा कि गौ सेवा परम पुण्य का कार्य है, यह धर्म और करुणा का प्रतीक है। केंद्र और प्रदेश सरकार गौ वंशी पशुओं के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है। इस दौरान प्रमिल गुप्ता, संजय प्रसाद, संतोष आदि मौजूद रहे।

लखनऊ में इंडिगो की 12 फ्लाइट रद्द, यात्रियों का हंगामा

लखनऊ। एयरपोर्ट पर गुरुवार को इंडिगो एयरलाइन की 12 उड़ाने रद्द हो गईं। इसको लेकर यात्रियों ने एयरपोर्ट लॉबी में हंगामा कर दिया। यात्रियों ने कहा- इंडिगो ने फ्लाइट कैंसिल होने की पहले से कोई सूचना नहीं दी। इसके चलते यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। एविएशन सेक्टर के नए सुरक्षा नियमों की वजह से देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो लगातार तीसरे दिन क्रू की कमी से जूझ रही है। इससे इंडिगो के ऑपरेशन पर बुरा असर पड़ा है। गुरुवार को दिल्ली, मुंबई, लखनऊ सहित 10 से ज्यादा एयरपोर्ट में इंडिगो की 300 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। दरअसल, डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने सभी एयरलाइंस के लिए 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े सुरक्षा नियमों में बदलाव किए हैं। इसका सबसे ज्यादा असर इंडिगो एयरलाइन पर पड़ा है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो की जिन उड़ानों को रद्द किया गया, उनमें देश के बड़े शहरों दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद के साथ-साथ दुबई से आने वाली फ्लाइट भी शामिल हैं। सुबह से ही लोग चेक-इन काउंटरों के बाहर कतार में खड़े थे। फ्लाइट स्टेटस अपडेट पूछते रहे। कई यात्री समय पर जानकारी न मिलने की शिकायत करते दिखे।

इंडिगो की उड़ानों पर संकटः तीन प्रमुख हवाई अड्डों से 180 से अधिक उड़ानें रद्द

- इंडिगो ने अपनी उड़ानों के संचालन के लिए पर्याप्त पायलट और चालक दल की कमी

मुंबई । गुरुग्राम स्थित घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु से कुल 180 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। मुंबई हवाई अड्डे से दिन भर में 86 उड़ानें (41 आगमन, 45 प्रस्थान), बेंगलुरु से 73 उड़ानें (41 आगमन सहित) और दिल्ली से 33 उड़ानें रद्द की गईं। सूत्रों के अनुसार दिन के आगे बढ़ने के साथ रद्द उड़ानों की संख्या और बढ़ सकती है, जिससे यात्रियों को और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इंडिगो अपनी उड़ानों के संचालन के लिए पर्याप्त पायलट और चालक दल जुटाने में जूझ रही है। नए फ्लाइट ड्यूटी और विश्राम नियम (एफडीटीएल) लागू होने के बाद एयरलाइन को पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही है। इसी वजह से ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) गिरकर 6 प्रमुख हवाई अड्डों पर 19.7 प्रतिशत रह गया, जो 2 दिसंबर के 35 प्रतिशत के आंकड़े से काफी कम है। पायलट संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने आरोप लगाया कि इंडिगो ने नई एफडीटीएल नियमों के लागू होने के बावजूद भर्ती पर रोक लगा रखी है। एफआईपी ने डीजीसीए से अनुरोध किया है कि एयरलाइन तब तक मौसमी उड़ान कार्यक्रम की मंजूरी न पाए जब तक पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध न हों। यदि इंडिगो अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं कर पाती, तो अन्य एयरलाइनों को स्लॉट आवंटन पर विचार करने की सिफारिश की गई है। डीजीसीए ने इंडिगो की उड़ानों में हुई रद्द और देरी की जांच शुरू कर दी है। एयरलाइन से कारण और सुधारात्मक योजना की जानकारी मांगी गई है।

आईआईटी प्लेसमेंट में उछाल, हेज फंड और ट्रेडिंग कंपनियों की भागीदारी बढ़ी

- आईआईटी कानपुर को पहले दिन अब तक के सबसे ज्यादा 672 ऑफर

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में 1 दिसंबर से शुरू हुए प्लेसमेंट सीजन में इस बार हेज फंड, प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग और एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग कंपनियों की बड़ी उपस्थिति देखने को मिल रही है। सूत्रों के अनुसार छात्रों को 90 लाख रुपए से लेकर 3 करोड़ रुपये सालाना तक के आकर्षक पैकेज ऑफर किए जा रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नई भूमिकाओं और उभरते क्षेत्रों के कारण कई आईआईटी इस साल नौकरी प्रोफाइल में विविधता लाने पर विशेष जोर दे रहे हैं, ताकि प्लेसमेंट केवल टेक कंपनियों और स्टार्टअप तक सीमित न रहे। आईआईटी रुड़की में पहले स्लॉट के दौरान डीई शॉ, दा विंची डेरिवेटिव्स, एनके सिक्योरिटीज रिसर्च और रूबिक जैसी प्रमुख ट्रेडिंग कंपनियों ने छात्रों को ऑफर दिए। इसके साथ ही अमेजन, अमेरिकन एक्सप्रेस, एनवीडिया, क्वालकॉम, डेटाब्रिक्स, फिलपकार्ट, जोमैटो (इटरनल) और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियां भी भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रही हैं। निवेश क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्कायरपॉइंट कैपिटल से भी ऑफर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी के विभिन्न परिसरों को पहले दो दिनों में कुल 555 ऑफर मिले हैं, जिनमें कम से कम आठ अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं। आईआईटी कानपुर ने इस साल रिकॉर्ड प्रदर्शन किया और पहले ही दिन 672 ऑफर हासिल किए। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इनमें से नौ ऑफर विदेश से प्राप्त हुए हैं। संस्थान ने कहा कि कुछ परिणाम अभी लंबित हैं, इसलिए कुल ऑफरों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। दिल्ली, मुंबई, मद्रास, खड़गपुर और आईआईटी-बीएचयू जैसे पुराने एवं प्रतिष्ठित आईआईटी परिसरों में भी समान रुझान देखने को मिल रहा है। आईआईटी मद्रास में इस बार इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर और स्टार्टअप कंपनियों की भागीदारी बढ़ी है। हालांकि पैकेज की पुष्टि संस्थान ने नहीं की, लेकिन सूत्रों का दावा है कि ऑफर 3 करोड़ रुपये तक पहुंच रहे हैं।

डॉलर बांड की मांग कमजोर! भारतीय कंपनियों का भरोसा अब रुपए पर

- इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियां इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है अमेरिका में लगातार ऊंची चल रही ब्याज दरें और वैश्विक स्तर पर बढ़ता आर्थिक व भू-राजनीतिक तनाव। ऐसे माहौल में कंपनियों को रुपये में कर्ज लेना अपेक्षाकृत सुरक्षित और सस्ता लग रहा है। यही कारण है कि रुपये बॉन्ड ज़ार तेजी से बढ़ रहा है और 2025 में इसके नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वे रिष्ठ अ धिकारी के अनुसार जब तक वैश्विक परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं और विदेशी ब्याज दरें ऊंची बनी रहती हैं, भारतीय कंपनियां रुपये-आधारित कर्ज को ही प्राथमिकता देंगी। बड़ी भारतीय कंपनियों से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियां अब विदेशों की बजाय भारत के घरेलू बाज़ार से पूंजी जुटा रही हैं, क्योंकि यहां कर्ज उपलब्धता अधिक है और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव भी कम देखने को मिलता है। इस वर्ष अब तक 12.6 लाख करोड़ के रुपये बॉन्ड बिक चुके हैं, जबकि डॉलर में जारी बॉन्ड केवल 9 अरब डॉलर के रहे, जो पिछले साल की तुलना में 32 फीसदी कम है। इससे रुपये बॉन्ड मार्केट की मजबूती साफ दिखाई देती है। इसी रुझान को देखते हुए विदेशी बैंक भी भारतीय रुपये बॉन्ड बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में जुट गए हैं। हालांकि विदेशी बैंकों को एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक जैसे घरेलू दिग्गजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इनके पास मजबूत जमा आधार, विस्तृत शाखा नेटवर्क और सरकारी बैंकों को मिलने वाला सरकारी समर्थन उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी बैंक अब समझ चुके हैं कि भारत में रुपये-आधारित कर्ज ही आगे बढ़ने का रास्ता है, लेकिन इसके लिए उन्हें भारतीय बैंकों से सीधी टक्कर लेनी होगी।

फिच ने भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान बढ़ाकर 7.4 फीसदी किया

- जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। साख रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने वृद्धि का मुख्य कारण उपभोक्ता खर्च में तेजी, जीएसटी सुधार और बेहतर उपभोक्ता धारणा बताया। जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, जो अप्रैल-जून तिमाही के 7.8 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष की वृद्धि का सबसे बड़ा योगदान निजी उपभोक्ता खर्च से है। मजबूत वास्तविक आय, सुधारित उपभोक्ता धारणा और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से खर्च बढ़ा है। लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटाई गईं, जिससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं। अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति केवल 0.3 फीसदी दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में मुख्य नीतिगत दर 5.25 फीसदी तक घटाने की संभावना देती है। आरबीआई ने इस साल अब तक रेपो दर में एक फीसदी कटौती की है। फिच का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि 6.4 फीसदी तक धीमी होगी। वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वर्ष की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आने की उम्मीद है। एजेंसी का मानना है कि नीतिगत दर अगले दो साल तक 5.25 फीसदी पर स्थिर रहेगी।

ग्राहकों को मिली 'ज्यादा विकल्प, ज्यादा सुरक्षा और ज्यादा भरोसे' की रफ्तार

जमशेदपुर : आजकल लोग कार खरीदते समय सिर्फ लुक्स या माइलेज नहीं देखते, बल्कि एक ऐसा विकल्प चाहते हैं, जो भरोसेमंद भी हो, लंबे समय तक साथ भी दे और परिवार की सुरक्षा का पूरा ध्यान भी रखे। कुल मिलाकर, भारत का ऑटोमोबाइल बाजार तेजी से बदल रहा है और ग्राहक पहले से ज्यादा विकल्पों और फीचर्स की उम्मीद करते हैं। इसी जरूरत को देखते हुए कंपनियाँ भी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को लगातार बेहतर बना रही हैं और इसी बदलते माहौल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अपने

25वें साल में स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में 5 लाख गाड़ियों की बिक्री हासिल की है। ब्रैंड ने सिर्फ नवंबर 2025 में ही 5,491 यूनिट्स बेचीं, जो पिछले साल के मुकाबले 90% अधिक है। यह कंपनी के लिए लगातार बढ़ती साल-दर-साल प्रगति का एक और उदाहरण है।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, हमारा बढ़ता नेटवर्क, हमारी वैल्यू-ड्रिवन ओनरशिप ऑफरिंग, और बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो मुख्य ड्राइविंग फोर्स रहे हैं, जिन्होंने हमारी 5 लाख लैंडमार्क सेल्स और हर महीने हमारी लगातार साल-दर-साल सेल्स ग्रोथ को बढ़ाया है। हम अपने प्रोडक्ट्स के साथ और अपने कस्टमर्स और अपने फैंस के करीब जाकर इस मोमेंटम को बनाए रखेंगे।

स्कोडा की भारत में मजबूत पहचान उसकी सैडान लेगैसी से बनी। ऑक्टेविया इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जिसके नए मॉडल की सारी यूनिट्स लॉन्च के 20 मिनट में बिक गईं। स्लाविआ के साथ ब्रैंड इस लाइनअप को और आगे बढ़ा रहा है।

एसयूवी सेगमेंट में भी कंपनी के पास 7.5 लाख से 45.9 लाख की रेंज में मजबूत लाइनअप- कोडियाक, कुशाक और काइलैक जैसी गाड़ियाँ, जिनमें ग्लोबल और भारत एनसीएपी में फाइव-स्टार सेफ्टी रेटिंग तक शामिल है। 320+ टचपॉइंट्स और 180 शहरों में मौजूदगी के साथ, स्कोडा ऑटो इंडिया अपने सबसे बड़े साल में भी इसी तेजी से आगे बढ़ने की तैयारी में है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । भारतीय रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 28 पैसे की बढ़त के साथ ही 89.88 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, रिजर्व बैंक के सीमित हस्तक्षेप और आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग रुपये पर लगातार दबाव बना रही है। शुक्रवार को होने वाली मौद्रिक नीति समिति की घोषणा से पहले बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर विनिमय दर पर दिखाई दे रहा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में सुबह कारोबार की शुरुआत रुपये ने 90.36 प्रति डॉलर पर की, लेकिन जल्द ही यह और कमजोर होकर 90.43 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को भी रुपया पहली बार 90 के पार बंद होकर 90.15 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर दर्ज हुआ था।

भारत में हेलीकॉप्टर किराए की मांग बढ़ी

- छोटे हेलीकॉप्टर का प्रति घंटा किराया 94,400 से 1.5 लाख रुपए तक

नई दिल्ली । भारत में हेलीकॉप्टर किराए पर लेना अब केवल फिल्मों या लग्जरी तक सीमित नहीं रहा। बीआईपी यात्रा, शादियां, एडवेंचर टूर और इमरजेंसी मेडिकल जरूरतों के लिए इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। छोटे हेलीकॉप्टर (सिंगल इंजन) में 3-4 लोग बैठ सकते हैं, और प्रति घंटा किराया 94,400 रुपए से 1.5 लाख रुपए तक है। बड़े हेलीकॉप्टर (डबल इंजन) में 6-8 लोग बैठते हैं, और किराया 3 लाख से 4 लाख रुपए तक होता है। डबल इंजन मॉडल लंबी दूरी और सुरक्षा के लिहाज से अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। कंपनियां दूरी के बजाय उड़ान के समय के हिसाब से चार्ज करती हैं। लैंडिंग और पार्किंग फीस, विशेष सर्टिफिकेशन, ईंधन लागत, इवेंट व्यवस्थाएं और पीक सीजन के कारण किराया बढ़ सकता है। छोटे हेलीकॉप्टर सस्ते और छोटी दूरी के लिए उपयुक्त हैं, जबकि बड़े हेलीकॉप्टर लंबी दूरी और अधिक सुरक्षा के लिए।

भारत-कनाडा ने फिर से शुरू की मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता

नई दिल्ली । भारत और कनाडा ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते, कंप्रेहेंसिव इकानॉमी पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर बातचीत फिर से शुरू करने का रास्ता साफ कर लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस समझौते की रूपरेखा, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। सीईपीए के तहत वस्तुओं पर शुल्क में कटौती या समाप्ति, कुशल पेशेवरों की आवाजाही में आसानी और निवेश आकर्षित करना शामिल है। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने समग्र दृष्टिकोण और प्रारंभिक रूपरेखा पर विचार साझा किया। 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए और वार्ता रोक दी गई थी। इससे पहले प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच छह से अधिक दौर की बातचीत हो चुकी थी।

आंध्र प्रदेश सरकार ने अडाणी-गूगल एआई डेटा सेंटर के लिए 480 एकड़ जमीन आवंटित की

- परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार 22,000 करोड़ तक प्रोत्साहन भी देगी

अमरावती . आंध्र प्रदेश सरकार ने गूगल की कंपनी रैडेन इन्फोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में 480 एकड़ भूमि आवंटित की है। भूमि आवंटन अदाणी इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 'प्राथमिक अधिसूचित भागीदार' के रूप में किया गया है। अन्य अधिसूचित भागीदारों में अदाणी कॉनेक्स, अदाणी पावर, भारती एयरटेल और नेक्सट्रा डेटा/विजाग शामिल हैं। यह आवंटन अंतिम सर्वेक्षण के पूरा होने पर लागू होगा। रैडेन एआई डेटा सेंटर का कुल निवेश 15 अरब डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार से 22,000 करोड़ रुपये तक के प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहनों का आश्वासन दिया है। डेटा सेंटर गूगल की सेवाओं जैसे सर्च, यूट्यूब और वर्कस्पेस के संचालन मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा। इसकी क्षमता 1 गीगावाट होगी, जो पूर्ण संचालन पर मुंबई की वार्षिक बिजली खपत का लगभग 50 प्रतिशत उपयोग करेगा। परियोजना आंध्र प्रदेश में डिजिटल और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देगी, नई नौकरियां सृजित करेगी और राज्य की वैश्विक तकनीकी छवि मजबूत करेगी। रैडेन के साथ अधिसूचित भागीदार सभी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकेंगे। सरकारी आदेश 2 दिसंबर 2025 को जारी किया गया और इसमें मंत्रिपरिषद की 28 नवंबर की बैठक में प्रस्ताव की मंजूरी का उल्लेख किया गया है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों ने बाजार को संभाला

- 2025 में अब तक एफपीआई ने कैश सेगमेंट से रिकॉर्ड 17.3 बिलियन डॉलर निकाले

मुंबई ।

दिसंबर के पहले तीन सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार में लगभग 8,369 करोड़ रुपए (933 मिलियन डॉलर) की शुद्ध बिकवाली की। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में अब तक एफपीआई ने कैश सेगमेंट से रिकॉर्ड 17.3 बिलियन डॉलर की निकासी की है। पिछले महीनों में भी बिकवाली का क्रम जारी रहा, नवंबर में 3,765 करोड़, सितंबर में 23,885 करोड़ और अगस्त में 34,990 करोड़ रुपए। विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय बाजार का ऊंचा वैल्यूएशन विदेशी निवेशकों को अपेक्षाकृत सस्ते बाजारों की ओर मोड़ रहा है। एफपीआई की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों की मजबूती ने बाजार को स्थिर रखा। एमफी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 तक म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए 2.75 लाख करोड़ से अधिक का ग्रॉस इनफ्लो आया। इस लगातार निवेश ने सेंसेक्स और निफ्टी को विदेशी बिकवाली के दबाव से बचाया। 27 नवंबर को सेंसेक्स ने 14 महीने बाद 86,159 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर को पार किया। हालांकि, इसके बाद लगातार चार सत्रों में बिकवाली के कारण सूचकांक 1,000 अंक से अधिक फिसलकर 85,107 पर बंद हुआ। अधिकांश सेक्टर्स में गिरावट देखी गई, लेकिन आईटी सेक्टर ने मजबूती बनाए रखी। गौरतलब है कि भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली बढ़ी है, लेकिन घरेलू निवेशकों की सक्रिय भूमिका ने बाजार को संतुलित रखा है। रुपया दबाव में है, लेकिन घरेलू निवेश की निरंतरता ने निवेशकों को भरोसा बनाए रखा है।

सोने के वायदा भाव में नरमी, चांदी में हल्की तेजी

- सोना 188 रुपए गिरकर 1,30,274, चांदी 269 रुपए तेज होकर 1,82,621 पर

नई दिल्ली । सोने-चांदी के वायदा बाजार में गुरुवार को कारोबार की शुरुआत तेज रुख के साथ हुई, हालांकि सत्र के आगे बढ़ने के साथ सोने के भाव पर दबाव देखने को मिला। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की मजबूती के साथ 1,30,799 प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछले सत्र का बंद भाव 1,30,462 रुपए था। इस समय सोना 1,30,274 रुपए पर आ गया, जो शुरुआती स्तर से 188 रुपये की गिरावट दर्शाता है। दिन के दौरान इसने 1,30,799 रुपए का उच्च और 1,30,228 रुपए का निम्न स्तर छुआ। सोने ने इस वर्ष 1,31,699 रुपए का सर्वोच्च स्तर बनाया था। दूसरी ओर, चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 269 रुपये की तेजी के साथ 1,82,621 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,82,352 रुपये था। इस समय यह 2,45 रुपये की तेजी के साथ 1,82,597 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,82,697 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,82,021 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,84,743 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मिले-जुले रुझान दिखाई दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,234.50 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर लगभग 4,223.10 डॉलर पर आ गया, जो लगभग 9.40 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। इस वर्ष सोने का उच्चतम स्तर 4,398 डॉलर रहा है। वहीं चांदी 58.98 डॉलर प्रति औंस पर खुली और हल्की तेजी के साथ 58.81 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। चांदी ने वर्ष का उच्च स्तर 59.61 डॉलर छुआ था।

भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 1.47 अरब डॉलर पहुंचा

- भारत के वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात में भी तेज़ी आई

नई दिल्ली ।

भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अक्टूबर 2025 में तीन गुना से अधिक बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल इसी महीने यह केवल 46 करोड़ डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में अमेरिका को कुल निर्यात 10.78 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 3.60 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर निर्यात में उतार-चढ़ाव देखा गया। अप्रैल में यह 1.65 अरब डॉलर, मई में 2.29 अरब डॉलर था। जून में 1.99 अरब डॉलर, जुलाई में 1.52 अरब डॉलर, अगस्त में 96 करोड़ डॉलर और सितंबर में 88 करोड़ डॉलर तक गिर गया। अक्टूबर में निर्यात फिर बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हुआ। अधिकारियों ने कहा कि शुल्क और नीति संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद निर्यात की गति कायम रही। भारत के वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात में भी तेज़ी आई है।

अप्रैल-अक्टूबर 2025 में यह 15.95 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 10.68 अरब डॉलर था। यह वृद्धि भारतीय स्मार्टफोन उद्योग की निर्यात क्षमता और अंतरराष्ट्रीय मांग को दर्शाती है।

रुपए की कमजोरी से महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका

- महंगाई बढ़ने से आरबीआई ब्याज दर बढ़ा सकता है

नई दिल्ली ।

डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी का असर आम जनता की जेब पर सीधे पड़ रहा है। भारत कच्चे तेल, गैस और कई आवश्यक वस्तुओं का बड़ा आयातक है। डॉलर मजबूत होने से इनकी कीमत बढ़ती है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ती है, जो सब्जी, दूध, अनाज और दैनिक उपयोग की चीज़ों की कीमतों में इजाफा करती है। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले पुर्ज़े विदेश से आते हैं। डॉलर मजबूत होने पर कंपनियों की लागत बढ़ती है और कीमतें बढ़ाना पड़ता है। आईटी और फार्मा कंपनियों को लाभ होता है, जबकि ऑटो, स्टील और इम्पोर्ट पर निर्भर सेक्टर दबाव में आते हैं। बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ता है, निवेशकों की चिंता बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से आरबीआई ब्याज दर बढ़ा सकता है। होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ती है। विदेश में पढ़ाई करने वालों के लिए खर्च महंगा हो जाता है। रुपए की कमजोरी महंगाई, निवेश, बचत और रोजमर्रा की जीवनशैली पर व्यापक प्रभाव डालती है।

चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद, भारत में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होंगे

प्रहलाद सबनानी

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है।

21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

भारत में अभी तक लागू 29 श्रम कानूनों में से कुछ तो देश की आजादी से पूर्व एवं आजादी के तुरंत बाद के खंडकाल (वर्ष 1930 से 1950 के बीच) में बनाए गए थे। विश्व के अन्य देशों में पुराने श्रम कानूनों में पर्याप्त बदलाव कर वैश्विक स्तर पर हुए आर्थिक बदलावों के अनुरूप बनाकर नए श्रम कानूनों को लागू किए हुए एक अरसा हो चुका है परंतु भारत में अभी भी 29 केंद्रीय श्रम कानूनों का अनुपालन किया जा रहा था, जो अपने आप में बिखरे हुए हैं, पेचीदा हैं, एवं अति पुराने नियमों के अंतर्गत चलायमान रहे हैं, इससे अंततः भारत में इतने लम्बे समय तक, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी, श्रमिकों के साथ अन्याय किया जाता रहा है। इससे भारत में औद्योगिक प्रगति भी एक तरह से बाधित ही होती रही है और आर्थिक प्रगति को भी कहीं न कहीं विपरीत रूप से प्रभावित करती रही है। उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद औपनिवेशिक सोच को पीछे छोड़कर नए भारत की नींव रखने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, आधुनिक वैश्विक प्रवाह के साथ तालमेल बिठाने की लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा किया जा रहा है। उक्त चार संहिताएं मिलकर मजदूरों और कंपनियों दोनों को मजबूत बनाएंगी एवं एक ऐसा श्रमबल तैयार करेंगी जो सुरक्षित, उत्पादक और काम की बदलती हुई दुनिया के साथ तालमेल बिठाएंगी, इससे भारत को अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता साफ होगा।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक अनुसंधान प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद बेरोजगारी की दर में कमी होगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे, बड़ी संख्या में अनौपचारिक क्षेत्र में

कार्य कर रहा श्रमबल औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होगा और इससे उनकी मजदूरी की दर में वृद्धि होगी, श्रमिकों की बचत की क्षमता में वृद्धि होगी एवं उनकी खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे कुल मिलाकर देश में विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी। उक्त अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, वर्तमान में, भारत में लगभग 44 करोड़ श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इनमें से 31 करोड़ श्रमिक भारत के ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। उक्त श्रमिकों में से यदि केवल 20 प्रतिशत श्रमिक ही अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित हो जाएं तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक औपचारिक क्षेत्र में बढ़ जाएंगे, जिससे उन्हें बढ़ी हुई दर से मजदूरी एवं सेवा निवृत्ति के समस्त लाभ मिलना प्रारम्भ हो जाएंगे। इससे अंततः भारत में कुल कार्यरत श्रमिकों में से 80-85 प्रतिशत श्रमिक भारत की सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल हो जाएंगे। एक अन्य अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, आज भारत में कुल श्रमिकों का लगभग 60.4 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उक्त वर्णित चार श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद अनौपचारिक क्षेत्र में से लगभग 15.1 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में शामिल हो जाने वाला है। इस प्रकार, औपचारिक क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमबल की संख्या बढ़कर 75.5 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक के उक्त वर्णित अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, भारत में चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद आगे आने वाले समय में बेरोजगारी की दर में भी लगभग 1.3 प्रतिशत तक की कमी दर्ज हो सकती है क्योंकि देश में रोजगार के लगभग 77 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इससे, कार्य कर सकने वाली उम्र के श्रमिकों की संख्या भी 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 70.7 प्रतिशत तक पहुंचने की सम्भावना है। श्रमिकों के अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होने के कारण श्रमिकों की उपभोग क्षमता में भी वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस संदर्भ किए गए अनुसंधान के अनुसार, प्रत्येक श्रमिक की प्रतिदिन लगभग 66 रुपए की अतिरिक्त खर्च करने की क्षमता में वृद्धि दर्ज होगी और इससे कुल मिलाकर पूरे देश में लगभग 75,000 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की अतिरिक्त मांग निर्मित होगी।

भारत में लागू की गई चार श्रम संहिताओं के बाद समस्त कामगारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि श्रमिकों को औपचारिक क्षेत्र में मिलने वाले समस्त लाभ मिल सकें। साथ ही, रोजगार के सम्बंध में लिखित में सबूत उत्पन्न होने से पारदर्शिता तथा श्रमिकों को रोजगार की गारंटी एवं पक्का रोजगार उपलब्ध होगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों सहित समस्त कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ उपलब्ध होंगे। सभी कामगारों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलने प्रारम्भ होंगे। वर्तमान में श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग न्यूनतम मजदूरी की सीमा से बाहर रखा जा रहा था क्योंकि न्यूनतम मजदूरी केवल अधिसूचित उद्योगों/रोजगार पर ही लागू थी। परंतु, अब वेतन संहिता, 2019 के अंतर्गत, समस्त कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भुगतान पाने का कानूनी अधिकार प्रदान कर दिया गया है। न्यूनतम मजदूरी एवं समय पर वेतन के भुगतान से श्रमिकों की वित्तीय सुरक्षा को बेहतर किया जा सकेगा। साथ ही, अब नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक की आयु के समस्त कर्मचारियों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराना आवश्यक कर दिया गया है। समय पर नियोक्ता स्वास्थ्य सेवा संस्कृति को विकसित किया जाना ही चाहिए। महिला कार्यबल को सभी स्थानों पर समस्त प्रकार के काम करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके लिए सबंधित मातृशक्ति की सहमति होना अनिवार्य किया गया है एवं मातृशक्ति के आवश्यक सुरक्षा उपाय भी किए जाना आवश्यक होगा। साथ ही, कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी औपचारिक क्षेत्र में शामिल होने वाले श्रमिकों को प्रदान किए गए हैं।

आज भारतीय अर्थव्यवस्था, पूरे विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच, सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है और भारत आज प्रयासरत है कि देश में बड़े आकार के उद्योगों का जाल फैले ताकि भारत के विकास में उद्योग क्षेत्र का योगदान भी बढ़े। उद्योग क्षेत्र में सामान्यतः श्रमिकों का शोषण किए जाने की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। अतः श्रमिकों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से एवं देश में उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। भारत के श्रमिकों को आज वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में लागू मानदंडो पर अपने आप को खरा उतारना होगा। इसके बाद ही भारत में निर्मित उत्पाद विश्व के अन्य देशों में निर्मित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कुल मिलाकर भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने में श्रमिकों की अहम भूमिका रहने वाली है अतः उनके हितों की देखरेख भी उचित तरीके से किया जाना आवश्यक है। चार श्रम संहिताएं इस दृष्टि से अपनी सार्थक भूमिका निभाएंगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है। विस्तारित सामाजिक सुरक्षा, मजबूत सुरक्षा और अधिकारों की राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी के साथ, संहिता श्रमिकों, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, असंगठित, गिग और प्रवासी श्रमिकों को श्रम शासन के केंद्र में मजबूती से रखती है। अनुपालन के बोझ को कम करके और लचीली, आधुनिक कार्य प्रणाली को सक्षम करके, यह संहिता रोजगार, कौशल और उद्योग विकास को बढ़ावा देती है और एक श्रमिक समर्थक, महिला समर्थक, युवा समर्थक और रोजगार समर्थक श्रम-इकोसिस-?टम की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

संपादकीय

जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी

जी-20 की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लगातार गहरा रहे हैं। इस मंच के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते चले गए हैं। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए ने इस प्रक्रिया को और तेजी दे दी है। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन से संकेत देने की कोशिश हुई कि अमेरिका के बिना भी दुनिया चल सकती है। दक्षिण अफ्रीका में श्वेत समुदाय पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समिट का बहिष्कार किया। उसी क्रम में उसने दो टूक कहा कि इस सम्मेलन में कोई साझा वक्तव्य जारी नहीं होना चाहिए। फिर भी बाकी सदस्य देशों के प्रतिनिधि ना सिर्फ जोहान्सबर्ग गए, बल्कि उन्होंने साझा वक्तव्य भी जारी किया। उधर दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका के जूनियर प्रतिनिधि को अगले वर्ष की मेजबानी सौंपने से इनकार कर दिया। कहा कि वह औपचारिकता कम-से-कम विदेश मंत्री स्तर पर निभाई जाएगी।

बहरहाल, जोहान्सबर्ग में जो हुआ, उसका प्रतीकात्मक महत्त्व ही है। वरना, एक तो जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी है, दूसरे अमेरिकी उपस्थिति के बिना इसका रहा-सहा महत्त्व भी संदिग्ध हो जाता है। शिखर सम्मेलन स्तर पर जी-20 का आयोजन 2008 की महामंदी के बाद शुरू हुआ था। तब मकसद साझा प्रयास से विश्व अर्थव्यवस्था को संभालना था। तब दुनिया एक ध्रुवीय थी, जिसके तहत लागू श्रम विभाजन में अमेरिका स्थित संस्थाओं ने विभिन्न देशों की भूमिका तय कर रखी थी। मगर उस मंदी ने तत्कालीन समीकरणों को स्थायी रूप से बदल दिया। धीरे-धीरे बनती गई बहु-ध्रुवीय दुनिया में जी-20 के मंच पर आम सहमति बनाना कठिन होता गया है। यूक्रेन युद्ध, अमेरिका- चीन के बीच बढ़े टकराव, गजा में मानव-संहार, और विभिन्न क्षेत्रों में उभरे हॉट-स्पॉट्स के सिलसिले में यह मंच कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाया है। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए से ऐसे बहुपक्षीय मंचों की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न और गहरे हो गए हैं। यही कारण है कि जी-20 के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते जा रहे हैं। यह सिलसिला जोहान्सबर्ग में और आगे बढ़ा। अगले वर्ष मयामी में जब अमेरिका इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, तब भी कहानी इससे बहुत अलग नहीं होगी। ट्रंप काल में अमेरिका अपनी विश्व भूमिका को आमूल रूप से बदल रहा है। उसमें जी-20 जैसे मंच उसे सहायक नहीं लगते, तो इस हकीकत को समझा जा सकता है।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। वह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

स्वयंसेवा वह सॉफ्टवेयर जो दुनिया को क्रैश होने से बचाता है

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हर साल 5 दिसंबर को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस स्वयंसेवकों के महत्वपूर्ण, निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करने और उसे बढ़ावा देने का एक वैश्विक अवसर है।

समाज में स्वयंसेवा की आवश्यकता और महत्व से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। जब कोरोना महामारी, विनाशकारी बाढ़, भूकंप जैसी भीषण आपदाएं आती हैं, तब सरकारी तंत्र के साथ-साथ स्वयंसेवक ही तत्काल राहत की बागडोर संभालते हैं। वे अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर समाज की सामूहिक ज़िम्मेदारी का निर्वहन करते हैं, क्योंकि कोई भी सरकार अकेले हर चुनौती का सामना प्रभावी ढंग से नहीं कर सकती। स्वयंसेवा केवल संकटकालीन प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है; यह सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है, हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती है और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नागरिकों में ज़िम्मेदारी की भावना जागृत करती है और मानवीय एकजुटता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल स्वयंसेवा के माध्यम से समग्र मानवता की बेहतरी के लिए बदलाव लाने की सामूहिक क्षमता की एक याद दिलाती है। यह विशेष दिन उन अनगिनत व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो निस्वार्थ सेवा के लिए अपना बहुमूल्य समय समाज एवं मानवता के लिए समर्पित करते हैं। कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, वे अक्सर बिना किसी प्रचार या पहचान के अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रखते हैं। ये सभी स्वयंसेवक समाज के उत्थान के लिए अथक प्रयास करते हैं, और यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश स्वयंसेवक अवैतनिक होते हैं, मतलब उन्हें इसके लिए कोई वेतन नहीं मिलता, बस समाज प्रेम का एक जज्बा होता है'

उनके कार्यों में विविधता शामिल है, जैसे जानवरों को बचाना, बुजुर्गों की सहायता करना, गरीबों की मदद करना और वंचितों को शिक्षित करना। विश्व स्तर पर, एक अरब से भी अधिक लोग अपने समुदायों को बेहतर बनाने के लिए अपना समय, प्रतिभा और ज्ञान का योगदान देते हैं। स्वयंसेवक समाज के हर स्तर और क्षेत्र में मौजूद हैं – वे वंचित बच्चों और वयस्कों को व्यावहारिक देखभाल प्रदान करने से लेकर जटिल तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह देने तक, हर तरह से मदद करते हैं। हर व्यक्ति अपने साथ कुछ अनूठा कौशल और अनुभव लेकर आता है, जिससे सामूहिक प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव ने इस विशेष दिन पर स्वयंसेवकों के अमूल्य योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा कि वे विकास चुनौतियों और आम भलाई के लिए ठोस और व्यावहारिक समाधान लेकर आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा वैश्विक स्तर पर स्वयंसेवकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाली पहली संस्था थी। मानवीय प्रयासों और सतत आर्थिक व सामाजिक विकास में स्वयंसेवा की शक्ति को स्वीकार करते हुए, महासभा ने 17 दिसंबर 1985 को एक ऐतिहासिक प्रस्ताव 40/212 अपनाया। इस प्रस्ताव के परिणामस्वरूप, हर साल 5 दिसंबर को आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में नामित किया गया। यह दिवस स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा के महत्व को बढ़ावा देने, सरकारों को इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के स्वयंसेवकों के समर्पण को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। सरकारों, नागरिक समाज संगठनों और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक कार्यक्रम जैसे संस्थानों ने स्वयंसेवी कार्य के महत्व के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य दुनिया भर के लाखों स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि देना है, जो गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपना बहुमूल्य समय और प्रयास स्वेच्छा से समर्पित करते हैं। नतीजतन, आज दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग सक्रिय रूप से विभिन्न स्तरों (स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) पर स्वेच्छा से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे समुदायों में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

स्वयं सेवा से जुड़े लोगों का उद्देश्य बहुत विशाल है, जो बेहतर दुनिया के लिए संकल्पित है, जैसे गरीबी समाप्त करना, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा स्थापित करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को मतदान का अधिकार प्रदान करना, शिशु मृत्यु दर को कम करना, मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, एचआईवी/एड्स, मलेरिया, डेंगू और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रसार को रोकना, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना। हम सभी को उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उनका काम दूसरों को खुश करता है और हमें सुरक्षित रखता है। हम इस दिन इन सामाजिक चेतना सम्पन्न एवं समाज के लिए संकल्पित लोगों का सम्मान करते हैं।

ओटीटी की अश्लीलता - साहित्य परिषद् व सर्वोच्च न्यायालय गंभीर

डॉ. प्रवीण दाताराम

नवम्बर माह में विमर्श क्षेत्र में दो बड़ी घटनाएँ घटी। दोनों अति महत्वपूर्ण हैं और दोनों ही में गहन अंतरसंबंध है।

घटना एक - नवंबर प्रारंभ मे अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने अपने 17 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रही अश्लील, संस्कृति विरोधी सामग्री के विरुद्ध अपनी चिंता प्रकट की और इसके विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित कर राष्ट्र के शासन, प्रशासन, जनता के समक्ष अपनी चिंता को प्रकट किया है। अभासाप अर्थात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवैचारिक संगठन, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्। यह संगठन भारत में जन्मी सभी भाषा, बोलियों, लिपियों के संरक्षण, संवर्धन, संचरण का कार्य करता है। अपने षष्ठिपूर्ति वर्ष की ओर बढ़ रहे इस संगठन का ताप, व्याप और आलाप समूचे विश्व में देखा-सुना जा सकता है।

घटना दो - नवम्बर के अंत में ही, देश के उच्चतम न्यायालय ने भी भारतीय ओटीटी नियमन, इस पर प्रसारित हो रही अश्लीलता व मूल्यहीनता पर चिंता प्रकट की है।

भारतीय समाज जैसे संज्ञावान, प्रज्ञावान समाज में ऐसी स्थिति बनी ही क्यों? इस प्रश्न का उत्तर स्वयं समाज को खोजना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के संवैचारिक संगठन समाज की किसी भी समस्या के संदर्भ में एक सीमा तक चुप ही रहते हैं किंतु समाज में 'असंगत घटनाओं' के संदर्भ में अदृश्य रूप से विमर्श अवश्य जागृत करते रहते हैं। जब इस विमर्श से भी काम नहीं चलता एवं समाज जागृत नहीं होता है तब ही संघ या संघ के संवैचारिक संगठन सार्वजनिक रूप से किसी कार्य के सूत्रों को अपने हाथों में लेते हैं। ऐसी स्थिति में भी संघ सूत्रधार तो रहता है किंतु उसे नेपथ्य में ही रहना रुचिकर लगता है। इस हेतु से ही साहित्य परिषद् ने ओटीटी की अश्लीलता, गेमिंग एप्स के घातक परिणामों के प्रति समाज जागरण का यह कार्य प्रारंभ किया है।

ये दोनों ही घटनाएँ एक स्वस्थ, संपन्न, व समृद्ध राष्ट्र हेतु एक शुभ लक्षण हैं। यद्यपि इस प्रकार का प्रसारण प्रारंभ ही नहीं होना चाहिए था। अब शीघ्र ही बंद हो ही जाना चाहिए।

साहित्य परिषद् ने समाज में भौतिकता वादी शक्तियों, बाजारवाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की नकारात्मकता, समाज विरोधी स्वरूप, जीवन मूल्य विहीन प्रसारण आदि पर अपनी चिंता, राष्ट्र के समक्ष प्रकट की है।

साहित्य परिषद् ने मनोरंजन के नाम पर प्रसारित इस गंदगी को अत्यंत लज्जास्पद एवं निंदनीय बताया है। परिषद् ने चेताया है कि, ये सामग्री युवावर्ग और बालमन व मस्तिष्क में उग्रता, अश्लीलता, विकृत वीनाचार और नशाखोरी जैसे दुराचारों को महिमा मंडित कर उन्हें अधोपतन की ओर अग्रसित कर रही है। इन माध्यमों में प्रदर्शित अधिकांश दृश्य व सामग्री नकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली होती है। साहित्य परिषद् ने ओटीटी के माध्यम से चल रहे गेमिंग एप्स और उससे बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति को भी राष्ट्र के संज्ञान में लाया है। परिषद् ने अपने पारित प्रस्ताव में ओटीटी पर प्रसारित होने वाली अधिकांश सामग्री को भारतीय जीवन मूल्यों पर आघात करने वाली, राष्ट्र के स्वरूप व छवि को विकृत करके प्रस्तुत करने वाली सामग्री बताते हुए अपनी चिंता प्रकट की है। परिषद् ने कहा है कि ऐसी सामग्री का अनियंत्रित प्रसारण समाज एवं राष्ट्र जीवन के लिए अत्यधिक घातक है।

विगत कुछ वर्षों में भारत राष्ट्र में 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर कुछ भी वितंडा उत्पन्न किए जा रहे हैं। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के पश्चिम कुबोध ने या यूँ कहे कि इसकी 'पश्चिमी प्रेत छाया" ने भारत में अभिव्यक्ति के अर्थों को पुनर्परिभाषित की आवश्यकता इंगित कर दी है। अब समाज इस अभिव्यक्ति को पुनर्परिभाषित करे या यूँ ही ओटीटी पर अश्लीलता व ऑनलाइन गेमिंग से बर्बाद होती अपनी पीढ़ी के प्रति आँखे मूँदे रहे; यही दो मार्ग हैं। एक मार्ग चुनना है, विकास या विनाश; यही युगधर्म है।

इस अनुरूप साहित्य परिषद् ने कहा है - 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गरिमा और नैतिकता को नष्ट करने की छूट दी जाए। स्वतंत्रता और अनुशासन, सृजन और मर्यादा, ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।' साहित्य परिषद् ने अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में आगामी तीन वर्षों हेतु 'आत्मबोध से विश्वबोध' पर चिंतन, मनन, अध्ययन का वैचारिक मार्ग निश्चित किया है। आत्मबोध करते हुए ही यह विकृति ध्यान में आती है। भारत राष्ट्र की, जन-मन की विश्वबोध क्षमता के प्रकटीकरण, विश्वगुरु बनने के मार्ग पर अग्रसर होने के मध्य निश्चित ही यह चिंतनीय प्रस्ताव और यह मांगपत्र स्वयं में एक प्रकाशस्तम्भ की भाँति समाज का मार्ग आलोकित कर रहा है।

साहित्य परिषद् ने भारत सरकार से, राज्य सरकारों से माँग की है कि

1. ओ टी टी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्स पर प्रसारित होने वाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन, और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए।
2. डिजिटल माध्यमों में प्रस्तुत किसी भी दृश्य संवाद या विचार को भारत की संविधानिक गरिमा, धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक मूल्यों या सामाजिक मर्यादा और सनातन परंपरा को आहत करते हों, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए।
3. किशोरों और युवाओं के लिए उपयुक्त सामग्री के आयु आधारित नियंत्रण तंत्र को अनिवार्य बनाया जाए।
4. जो मंच या माध्यम अश्लीलता, हिंसा, नशाखोरी या विकृत जीवन मूल्यों का प्रचार करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।
5. भारतीय भाषाओं और संस्कृति के संवर्द्धन हेतु भारतीय मूल्यों पर आधारित वैकल्पिक मनोरंजन माध्यमों को प्रोत्साहित किया जाए।

इधर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने यह प्रस्ताव पारित किया और उधर संयोगवश देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संदर्भ में अपनी गहन चिंता का सार्वजनिक प्रकटीकरण कर दिया है।

मान. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया और अन्य द्वारा इंडियाज गॉट लेटेंट शो में कथित अश्लील कंटेंट से जुड़ी एफआईआर के संदर्भ में चल रहे केस के संदर्भ में यह बातें कहीं है।

न्यायालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री को लेकर चिंता प्रकट करते हुए सरकार से इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय बनाने या वर्तमान नियमों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और अश्लील सामग्री के लिए हमेशा पहले से चेतावनी दी जानी चाहिए। मान. सर्वोच्च न्यायाधीश ने कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है किंतु यह विकृति का कारण नहीं बन सकती।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

मैं राजनीति के लिए नहीं बनी, बॉलीवुड के पेमेंट गैप पर भी बोलीं

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित क्या राजनीति की दुनिया में एंट्री लेंगी? उन्हें लेकर अक्सर लोग कयास लगाते रहते हैं। हकीकत क्या है? इसे लेकर हाल ही में माधुरी दीक्षित ने खुद स्पष्ट कर दिया है। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में राजनीति में आने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर भी बात की। कहा- पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी माधुरी दीक्षित ने पॉलिटिक्स जॉइन करने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उनका मानना है कि वे पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी हैं। उनके पॉलिटिकल डेब्यू को लेकर अफवाहें पिछले साल तब तेज हुई, जब रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्ट्रेस 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन कई इंटरव्यू और पब्लिक अपीयरेंस में उनके बारे में अटकलें चलती रहीं। हाल ही में बातचीत में माधुरी ने राजनीति में उतरने की बात को नकार दिया। साथ ही यह भी बताया कि वे खुद को पॉलिटिक्स में क्यों नहीं देखतीं?

आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कंफर्टेबल हैं

अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पर्सनैलिटी और ख्वाहिशें चुनावी जिम्मेदारियों के बजाय क्रिएटिव एक्सप्रेशन से ज्यादा जुड़ी हुई हैं। माधुरी दीक्षित ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वे पॉलिटिक्स के लिए सही हैं। उन्होंने बताया कि वे आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करती हैं। इसके जरिए वे ज्यादा प्रेरित कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि मैं पॉलिटिक्स के लिए बनी हूं। मैं एक आर्टिस्ट होने और उस मायने में असर डालने के लिए बनी हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने सच में कभी पॉलिटिक्स में आने का सपना नहीं देखा है या मैं खुद को वहां नहीं देखती।

बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर कहा

इसके अलावा अभिनेत्री ने बॉलीवुड में पे-गैप पर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह चुनौती सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सभी प्रोफेशन में आम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही सैलरी के लिए लड़ाई जारी है और सभी फील्ड में एक जैसी सैलरी के लिए संघर्ष एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, अनिल कपूर और संजय दत्त जैसे बड़े बॉलीवुड स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकीं माधुरी दीक्षित को क्या अपने करियर के शीर्ष पर कभी एक जैसी सैलरी के लिए खुद को मजबूत करने की जरूरत पड़ी थी? इस पर उन्होंने कहा कि यह अंतर महिलाओं के लिए हर जगह रहा है, चाहे वे किसी भी सेक्टर में काम करती हों। वर्क फ्रंट की बात करें तो माधुरी अपने अगले प्रोजेक्ट, थ्रिलर-ड्रामा सीरीज मिसेज देशपांडे को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज का प्रीमियर 19 दिसंबर, 2025 को जियोहॉटस्टार पर होगा।

राशि खन्ना के लिए बेहद खास रहा यह जन्मदिन

अपनी हालिया रिलीज फिल्म 120 बहादुर की सफलता से गदगद अभिनेत्री राशि खन्ना का इस बार जन्मदिन भी बेहद खास रहा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने अपना 35वां जन्मदिन कैसे सेलिब्रेट किया। राशि ने अपना 35वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। इस बार उनका बर्थडे शोर-शराबे से दूर, अपनों के बीच प्यार और शांति से भरा रहा। राशि ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जन्मदिन पर प्यार लुटाने वालों का आभार जताया। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए फैंस के साथ ही शुभचिंतकों का दिल से आभार जताया। राशि खन्ना ने लिखा, कुछ जन्मदिन बहुत शोरगुल वाले होते हैं, यह वाला बहुत गर्मजोशी भरा था, प्यार से भरे फैन मीट से लेकर घर पर अपनों के बीच शांत सत्संग तक, यह जन्मदिन सच में बहुत खास था। राशि खन्ना ने आगे बताया कि उन्हें मिले ढेरों शुभकामनाओं की वजह से वह बेहद खुश है और इसके लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, बहुत आभारी हूं। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझे विश करने के लिए समय निकाला। ढेर सारा प्यार। तस्वीरों में राशि अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ हंसते-मुस्कुराते और जन्मदिन का जश्न मनाती नजर आईं। पोस्ट की गई तस्वीरों में से एक में वह पारंपरिक कुर्ती-पायजामा पहने सत्संग के बीच शांत भाव से बैठी दिखीं, तो दूसरी तस्वीरों में केक काटते और अपनों से गले मिलते हुए बेहद खुश नजर आईं। फैंस के साथ हुई मुलाकात की कुछ झलकियां भी उन्होंने पोस्ट कीं। राशि खन्ना की पोस्ट पर फैंस के साथ ही एक्ट्रेस वाणी कपूर भी कमेंट करती नजर आईं। कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी डालते हुए उन्होंने राशि के प्रति अपने प्यार का इजहार किया।

बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद अशनूर ने खुलकर रखी अपने दिल की बात

रियलिटी शो बिग बॉस 19 से टीवी एक्टर अशनूर कौर को शो से बाहर कर दिया गया। इस एविक्शन ने न सिर्फ फैंस को चौंकाया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी। शो से बाहर आने के बाद अब पहली बार अशनूर ने अपने दिल की बात खुलकर रखी है।

एविक्शन के बाद अशनूर ने अपने फैंस से इंस्टाग्राम लाइव के जरिए बात की। हफ्तों तक घर की दीवारों के भीतर रहने के बाद उनकी आवाज में राहत भी थी और थोड़ा दर्द भी। उन्होंने बताया कि शो से बाहर निकलने का फैसला उनके लिए भी उतना ही अचानक था जितना दर्शकों के लिए। अशनूर ने कहा कि बाहर आते ही उन्हें फैंस का जो प्यार देखने को मिला, उसने उन्हें संभाल लिया। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि फिनाले से एक हफ्ते पहले बाहर होना दुख देता है, लेकिन वह इसे अपनी किस्मत मानकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि घर में रहते हुए वो फैंस को काफी मिस करती थीं, इसलिए सबसे पहले लाइव आकर उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह अब ठीक हैं। बिग बॉस हाउस से उनकी विदाई एक टास्क के दौरान हुई घटना के बाद हुई थी, जहां उन पर तान्या मित्तल को लकड़ी के पट्टे से चोट पहुंचाने का आरोप लगा। शो के होस्ट सलमान खान ने इसे नियमों का उल्लंघन बताया। भले ही अशनूर ने इसे अनजाने में हुई गलती बताया, लेकिन दर्शकों और शो की टीम ने इसे फिजिकल वायलेंस की श्रेणी में रखा। उनके बाहर होते ही सोशल मीडिया पर अनफेयर एविक्शन ट्रेंड करने लगा। कई दर्शकों ने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि शो में इससे पहले भी कई बार शारीरिक टकराव हुए हैं, लेकिन हर बार ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं की गई। अशनूर ने भी इस मुद्दे पर फैंस के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो हो चुका है, उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि फिनाले तक जाने का सपना उनका भी था, लेकिन वह इस फैसले को स्वीकार करती हैं। लाइव चैट में जब एक फैन ने पूछा कि क्या वो बिग बॉस 19 के फिनाले में नजर आएंगी, तो उन्होंने हामी भरते हुए फैंस को खुश कर दिया है। शो का ग्रैंड फिनाले 7 दिसंबर को होना है, जहां वो बतौर पूर्व कंटेस्टेंट शामिल होंगी।

किरदार भी बदल सकता है जिंदगी शेफाली शाह को मिला रिया का सबसे बड़ा अवॉर्ड

अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने करियर में ऐसी कई फिल्मों में काम किया, जो दर्शकों के दिलों में घर कर गई, फिर चाहे उनकी फिल्म जूस, जलसा, या फिर थ्री ऑफ अस हो। इन्हीं में से उनकी फिल्म मॉनसून वेडिंग, जिसमें रिया के किरदार ने तमाम महिलाओं की जिंदगी को बदल दिया था। दरअसल, इस फिल्म में अभिनेत्री शेफाली शाह ने रिया वर्मा का किरदार निभाया था, जो बचपन में यौन शोषण का शिकार हुई थी। फिल्म को याद करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, फिल्म मॉनसून वेडिंग की शूटिंग के समय सारे कलाकार और क्रू एक बड़े परिवार की तरह थे। हम लोग सुबह साथ मेयोगा और नाश्ता करते थे और बाद में नसीरुद्दीन शाह के साथ एक्टिंग वर्कशॉप होती थी। दोपहर में डायरेक्टर मीरा नायर अलग-अलग सीन पर काम करवाती थीं। मीरा नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को इटली के वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मीरा नायर ये सम्मान पाने वाली सत्यजीत रे के बाद दूसरी भारतीय बनी थीं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने लिखा कि जब वे इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें नहीं पता था कि यह फिल्म वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड जीतेगी और उनका किरदार 'रिया' लाखों लोगों की आवाज बनेगी। अभिनेत्री शेफाली ने बताया, रिया एक ऐसी लड़की थी, जिसने अपने साथ हुए गलत के लिए खुद को दोषी नहीं माना, बल्कि, वह शर्म और अपराध को त्यागकर गुनहगार को जवाबदेह ठहराती है। यही बात कई चुप्पी साधे बैठी महिलाओं को हिम्मत दे गई। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे नहीं पता कितनी महिलाओं को रिया से हिम्मत मिली, पर मैं जानती हूं कि यह किरदार उन तमाम महिलाओं की कहानियों को दर्शाता है जिन्हें मैं जानती थी या नहीं। शेफाली ने दिल्ली का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात एक बुजुर्ग दंपती से हुई थी। वहां पर पति ने मेरी तारीफ की और पत्नी चुपचाप उनका हाथ पकड़े खड़ी थी। जाने से पहले पति ने मुझसे कहा, इन्होंने भी वही दर्द झेला है जो रिया ने झेला था। आपकी वजह से इन्हें सालों बाद अपनी बात कहने की हिम्मत मिली। शेफाली लिखती हैं, मैं अक्सर सोचा करती थी कि मैं न तो डॉक्टर, वकील और न ही वैज्ञानिक हूं। मैं ऐसा क्या कर रही हूं जो समाज में नया बदलाव लेकर आए, लेकिन उस दिन मुझे पता चला कि एक किरदार भी आम इंसान की जिंदगी बदल सकता है।

परिवार को समय देने के सवाल पर बोले मनोज बाजपेयी

द फैमिली मैन के तीसरे पार्ट में इन दिनों नजर आ रहे अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में कई पहलुओं पर बात की है। खास बातचीत में मनोज ने किरदार, ओटीटी के दौर, परिवार और इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की।

इतने साल बाद जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव बताएं

उसके साथ मैंने पहली बार जिस फिल्म में काम किया था, वो थी चिट्टागोंग। उस फिल्म में सिर्फ वही नहीं बल्कि कई और लोग भी थे जो मेरे एफटीआईआई के बैचमेट थे - राजकुमार राव, विजय वर्माज्ये सब। वहीं से मैंने जयदीप को जाना। दरअसल, उस समय जब अनुराग से मेरी बात होती थी, तो उसकी एक आदत मैंने नोटिस की थी। जब भी हम बात करते और अगर वो कोई नई फिल्म बना रहा होता, तो मुझसे हमेशा एक रेकमेंडेशन मांगता था। अगर उसे किसी तरह का एक्टर चाहिए होता है, तो पूछ लेता है कि कौन इस रोल के लिए ठीक रहेगा। तो उस दिन भी बात हो रही थी और मैंने जयदीप का नाम सुझाया था। राजकुमार और विजय के बारे में उसे पहले से पता था। उस समय से मैं इन लोगों को जानता हूं। इनके शुरुआती दौर से जानता हूं। इसलिए एक जान-पहचान भी है और ये लोग मुझे इज्जत भी बहुत देते हैं। एक अच्छा संबंध है- एक्टर वाला संबंध। सीनियर और जूनियर दोनों तरह का रिश्ता है।

जब सेट पर आप और जयदीप साथ होते थे, तो माहौल कैसा रहता था?

सेट पर माहौल काफी अच्छा रहता था। ऑफ कैमरा भी हल्की-फुल्की बातें होती थीं। सच कहूं तो मैं ज्यादातर जब बात करता हूं, तो खाने की ही बात करता हूं नहीं तो मैं अपने काम में डूबा रहता हूं। जब अगला शॉट होना होता, तो मेरा फोकस पूरी तरह उसी पर होता था और बीच-बीच में थोड़ी हंसी-मजाक भी हो जाती थी। मैं खुद मटन बनाता हूं, तो सेट पर भी कभी-कभी मटन बना लेता था। लेकिन जयदीप को मटन से ज्यादा चिकन पसंद है। तो हम दोनों के बीच ऐसी ही बातचीत होती थी जैसी साथी कलाकारों के बीच सामान्य रूप से होती है।

कभी काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं। सच यह है कि वर्क और फैमिली का बैलेंस हर आदमी के लिए एक चुनौती है। सबसे आसान स्थिति उन लोगों की होती है जो सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं। वो काम भी कर लेते हैं और परिवार के साथ समय भी बिता पाते हैं। लेकिन फ्रीलांस जॉब में यह बहुत मुश्किल हो जाता है। यह उसी तरह का काम होता है जैसे इंटेलिजेंस के लोग करते हैं - जिनकी जरूरत हमेशा रहती है और जिनका काम 24 घंटे का होता है। यही वजह है कि श्रीकांत (किरदार का नाम) के लिए चीजें कठिन होती हैं और एक्टर्स के लिए भी। जब काम होता है तो अचानक बहुत काम होता है और जब छुट्टी होती है तो पूरी छुट्टी होती है। जो लोग ऑफिस में काम करते हैं, उनके लिए यह शायद थोड़ा आसान होता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि शाम को घर लौटना है। वहीं, हम कई-कई दिनों तक घर नहीं जा पाते और बाहर रहते हैं। ऐसे में अगर फैमिली समझदार और अंडरस्टैंडिंग न हो, तो घर संभालना मुश्किल हो जाता है। इसलिए मैं सारा श्रेय अपनी पत्नी को देता हूं।

क्या कभी ऐसा हुआ कि आपकी पत्नी ने आपके काम को लेकर कहा हो कि समय नहीं मिल रहा?

बैलेंस की बात करें तो शुरुआती दिनों में सचमुच मुश्किल थी। लेकिन क्योंकि निशा खुद भी एक्ट्रेस है, इसलिए वो इस प्रोफेशन की चुनौतियों को समझती हैं। उनकी समझ की वजह से बहुत सी बातें आसानी से संभल जाती हैं। मैं जब उनके साथ होता हूं, तो पूरी तरह उनके साथ रहता हूं। अभी दिसंबर में हम एक लंबी छुट्टी पर जाने वाले हैं। परिवार में बीच-बीच में हल्की तकरार तो होती ही है, और यह बिल्कुल नैचुरल है। अगर कभी कोई खटपट न हो, तो रिश्ते उबाऊ भी लग सकते हैं। जो लोग सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं, उनके घरों में भी ऐसा होता है। यह हर परिवार का हिस्सा है और इसी से रिश्ते जीवंत बने रहते हैं।

ब्रिस्बेन टेस्ट : स्टार्क ने झटके 6 विकेट, जो रूट ने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर ठोका अपना पहला शतक

ब्रिसबेन (एजेंसी)। जो रूट (नाबाद 135) शतकीय और जैक क्रॉली (76) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने एशेज के दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 325 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रूट ने ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर अपना शतक सूखा समाप्त करते हुए 202 गेंदों पर नाबाद 135 रन में 15 चौके और एक छक्का लगाया। रूट का ओवरआल यह 40वां शतक है।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त स्पेल किया, जबकि जो रूट ने शानदार शतक लगाया। ब्रिस्बेन की लाइट्स में आज के जमाने के दो महान खिलाड़ियों ने सबका ध्यान खींचा। स्टार्क पहली ही गेंद से लय में थे, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को दो शुरुआती ब्रेकथ्रू देकर एकदम सही शुरुआत दी और जब भी इंग्लैंड संभलता हुआ लगा, उन्होंने फिर से स्ट्राइक किया। जब भी किसी पार्टनरशिप में मजबूती का इशारा मिला, उन्होंने उसे तोड़ने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लिया। हालांकि, रूट तूफान में शांति की तरह थे। जैसे-जैसे उनके आस-पास विकेट गिर रहे थे, उन्होंने एक शांत और जबरदस्त पारी खेलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला, और आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया; यह उस मौके के लिए एकदम सही था। क्रॉली के भरोसेमंद योगदान ने भी अपनी भूमिका निभाई, जैसा कि रूट और आर्चर की आखिरी विकेट की जोशीली साझेदारी ने किया, जिनकी तेज 61 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड को पहले दिन 320 रन के पार पहुंचा दिया। पिंक-बॉल टेस्ट में इतने बड़े स्कोर के साथ, इंग्लैंड अगले फेज में असली मजबूत स्थिति में है। आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 5 रन के स्कोर पर अपने 2 विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट और ऑली पोप को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जैक क्रॉली के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 117 रनों की साझेदारी हुई। 28वें ओवर में माइकल नीसर ने जैक क्रॉली को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। जैक क्रॉली ने 93 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाये। हैरी ब्रूक (31), कप्तान बेन स्टोक्स और विल जैक्स 19-19 बनाकर आउट हुए।

इसी दौरान 66वें ओवर में बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। जो रूट का यह 40वां टेस्ट शतक है। इसी के साथ रूट, लेलैंड के बाद गाबा टेस्ट के पहले दिन शतक बनाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनके लंबे समय से चला आ रहा शतक सूखा भी समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलिया में, उन्होंने नौ अर्धशतक लगाए थे, लेकिन शतक तक पहुंचने में असफल रहे थे। गस ऐटकिंसन (चार) और ब्राइडन कार्स (शून्य) को मिचेल स्टार्क ने 67वें ओवर में आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 325 रन बना लिए थे और (जो रूट नाबाद 135) और जोफ्रा आर्चर (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट लिए। माइकल नीसर और स्कॉट बोलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीसीसीसीआई की नाराजगी को देखते हुए विजय हजार ट्रॉफी में खेलने को तैयार हुए विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह दिल्ली की ओर से आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने को तैयार है। माना जा रहा है कि विराट ने ये फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में लिया है। इसका कारण है कि बोर्ड पहले एकदिवसीय के बाद उनके दिये बयान से नाराज था जिसको देखते हुए विराट को 15 साल के बाद इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है।वहीं पहले वह इसमें खेलने को तैयार नहीं थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विराट के सार्वजनिक रूप से दिखे उस बयान से नाराज थी। उसके बाद ही उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया।विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेलेगी।

कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कहा था कि मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में भरोसा नहीं करता। मेरा पूरा क्रिकेट मानसिक है। जब तक मैं मानसिक रूप से मजबूत महसूस करता हूं तो मैं खेल सकता हूं। उन्होंने कहा, 'मैंने 300 एकदिवसीय मैच खेल खेले हैं और 15-16 साल में काफी अधिक क्रिकेट खेला है। इसको देखते हुए मेरा मानना है कि अगर आप नेट में बिना कोई ब्रेक लिए डेढ़, दो घंटे खेल सकते हैं तब आप हर जरूरत को पूरी कर रहे हैं।'कोहली के इसी बयान से बीसीसीआई भड़की हुई थी। उसने इससे पहले इन दोनो को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी ताकि ये दोनो भारत की ओर से एकदिवसीय प्रारुप खेलने के लिए तैयार रहें। वहीं रोहित ने पहले ही कहा दिया था कि वह मुंबई की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए लिए तैयार है।

जडेजा की धीमी बल्लेबाजी से हारे : इरफान पठान

रायपुर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की हार का कारण अनुभवी बल्लेबाज रविन्द्र जडेजा की धीमी बल्लेबाजी रही है। भारतीय टीम ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 359 रनों का लक्ष्य दिया था पर इसके बाद भी वह इसे बचा नहीं पायी। पठान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका ने 39 से 49 ओवरों के बीच कसी हुई गेंदबाजी की, जिससे भारतीय टीम 370 तक नहीं पहुंच पायी। इरफान के अनुसार 15 से 20 रन और बनते तो शायद परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि जडेजा ने धीमी बल्लेबाजी की है। जडेजा ने सातवें नंबर पर आने के बाद 27 गेंदों में केवल 24 रन बनाए। उन्होंने कप्तान केएल राहुल के साथ छठे विकेट के लिए 54 गेंदों में 69 रन बनाये थे।

इरफान ने कहा, राहुल ने अच्छा फिनिश किया। उन्होंने एक और कसानी पारी खेली। उनका अच्छा फिनिश करना जरूरी थी, अगर वो नहीं होता तो इतने रन भी भारत के नहीं बनते। मेरे हिसाब से जो जडेजा की पारी ठीक नहीं थी। उन्होंने 27 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। भारतीय टीम के अधिकतर बल्लेबाजों ने 100 के स्ट्राइक रेट से ज्यादा बनाये पर जडेजा ने 88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। जिस प्रकार के वह बल्लेबाज है उसमें ये आंकड़ा सही नहीं है। जडेजा का रवैया आक्रामक नहीं रहा। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने शुरु में संभलकर खेलने के बाद आक्रामक रुख दिखाया। दक्षिण अफ्रीका ने 49.2 ओवर में ही 359 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने 110 जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके ने 68 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन बनाये।

हार्दिक पांड्या का भारी क्रेज, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच का वेन्यू बदला गया

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच फैंस की भारी भीड़ और सुरक्षा कारणों से हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में शिफ्ट

हैदराबाद (एजेंसी)। मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान एक अभूतपूर्व फैसले में बड़ौदा बनाम गुजरात का मुकाबला भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था की बढ़ती जरूरत के चलते राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। यह फैसला हार्दिक पांड्या के प्रति उमड़ रही असाधारण फैन-फॉलोइंग के चलते लिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर असामान्य रूप से बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ देखी गई जो सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कई गुना अधिक थी। आयोजकों का मानना है कि यह भीड़ पूरी तरह हार्दिक पांड्या को देखने की दीवानगी के कारण उमड़ी। एक वरिष्ठ आयोजक ने बताया, 'हार्दिक पांड्या के प्रति उत्साह अविश्वसनीय है। फैन टर्नआउट, पूछताछ और भीड़ का दबाव हमारी अपेक्षाओं से कहीं ज्यादा था। सुरक्षित और सुचारू आयोजन सुनिश्चित करने के लिए मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित करना आवश्यक हो गया।' राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों और IPL मुकाबलों की मेजबानी के लिए जाना जाता है, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और उच्च क्षमता के कारण इस अप्रत्याशित भीड़ को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया।हैदराबाद में पिछले दो दिनों में IPL जैसी हलचल देखी गई प्रशंसक अभ्यास सत्रों के बाहर इकट्ठा हो रहे हैं, पोस्टर-बैनर लेकर घूम रहे हैं, टिकट के लिए लाइनें लगा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह जता रहे हैं यह सब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हार्दिक पांड्या की मौजूदगी को लेकर है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के बारे में

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच भारत की प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का हिस्सा है और वेन्यू बदलने के बाद अब इसके रिकॉर्ड भीड़ जुटाने की उम्मीद है।

अश्विन बोले, इस बार ग्रीन पर आईपीएल नीलामी में लग सकती है सबसे बड़ी बोली

मुम्बई । स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि 16 दिसंबर को आबूधाबी में 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए होने वाली नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर सबसे अधिक बोली लग सकती है।ग्रीन फिट नहीं होने के कारण पिछले साल आईपीएल से बाहर थे। अश्विन के अनुसार आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल के सन्यास के कारण ग्रीन ही अब सबसे बेहतर विदेशी ऑलराउंडर के तौर पर उलब्ध है, ऐसे में उनकी मांग बढ़ना तय है। अश्विन के अनुसार सभी फ्रेंचाइजियां ऐसे खिलाड़ी को लेना चाहेंगी जो तेज गेंदबाजी के साथ ही मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और ये सभी खूबियां ग्रीन में हैं। अश्विन ने कहा, ग्रीन के अलावा इस बार उनके साथी खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन के पास भी मोटी रकम हासिल करने का अवसर है। ग्रीन इस समय विश्व के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में शामि है।एक अच्छे आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही वह 140 से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता बनी रहती है।ग्रीन ने 40 से अधिक के औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।इस ऑलराउंडर ने अब तक दो सही सत्र खेले हैं और 29 मैचों में 707 रन बनाये हैं इसके अलावा 16 विकेट लेकर दिखाया है कि वह एक मैच विजेता है।ग्रीन ने दबाव के बीच ही मैच विजेता पारियां खेली हैं।

अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने मोर्कल और अर्शदीप से सलाह ले रहे हर्षित राणा

मुम्बई ।युवा तेज तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में आने के बाद से ही टीम में अपनी जगह पक्की करने का प्रयास कर रहे हैं। हर्षित का सकारात्मक पक्ष ये है कि वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं हालांकि वह इस बार के लिए निशाने पर रहते हैं कि मुख्य कोच गंभीर का करीबी होने से उन्हे खेलने के अवसर मिल रहे हैं।वहीं इन आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देते हुए हर्षित नई गेंद से अपने कौशल को सुधारने के लिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ काम कर रहे हैं। हर्षित ने कहा, ''नई गेंद से मैं मोर्ने (मोर्कल) के साथ बहुत अभ्यास कर रहा हूं और मैं अर्शदीप से बहुत बात करता रहता हूं। मुझे लगता है कि अर्शदीप के पास बहुत अनुभव है और वह अभ्यास के दौरान मेरी मदद और मार्गदर्शन करते रहते हैं।' पारी के 34वें ओवर के बाद एक गेंद के नियम को लेकर हर्षित ने कहा कि भारतीय टीम इस बात पर नजर रखती है कि दोनों गेंदों में से कौन सी गेंद अधिक पुरानी हो रही है जिससे कि उसे चुना जा सके।उन्होंने कहा, ''आजकल के क्रिकेट में गेंदबाज को इतनी मदद नहीं मिलती इसलिए यह नियम हमारे लिए बहुत सहायक है और यह हमेशा दिमाग में रहता है कि कौन सी गेंद पुरानी हो रही है।और हर कोई उस गेंद को चुनने में शामिल होता है।'' हर्षित ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के टीम में रहने से भी उनको काफी कुछ सीखने को मिला है।उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए और जाहिर है कि पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि अगर ऐसे अनुभवी खिलाड़ी मैदान और ड्रेसिंग रूम में आपके साथ रहते हैं तो टीम का माहौल बहुत अच्छा होता है। यहां तक कि अगर आप ड्रेसिंग रूम में हैं तो वह पूरी टीम के लिए एक खुशी का माहौल है।''

2026 फीफा विश्वकप के सफल आयोजन के लिए प्रयास कर रहे : गिउलिआनी

वाशिंगटन (एजेंसी)। 2026 फीफा वर्ल्ड कप को लेकर अमेरिका में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। विश्व कप के लिए बनाये गये व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गिउलिआनी ने कहा है कि ये विश्वकप सबसे सुरक्षित और यादगार रहेगा। गिउलिआनी के अनुसार इसके लिए सभी प्रकार के इंतजाम किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका फुटबॉल के इस सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें आने वाले लाखों प्रशंसकों को एक सुरक्षित और आरामदेह माहौल उपलब्ध कराया जाएगा। गिउलिआनी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए निर्देश दिये हैं जिन्हें पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाये कि देश में एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार विश्व कप का आयोजन हो। 2026 के टूर्नामेंट को लेकर गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के साथ ही होगा, जिसमें 4 जुलाई, 2026 को फिलाडेल्फिया में एक मैच होना है। उन्होंने कहा, यह हमें अमेरिका का सबसे अच्छा रूप दिखाने का अवसर देता है, जिसमें हमारी मेहमाननवाजी और हमारा इनोवेशन तो है ही, साथ ही ये उस अमेरिकी भावना को भी दिखाता है जिस पर हमें बहुत गर्व है।

गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप में 48 देश, 104 मैच 49 टीम बेस कैंप और लाखों अंतरराष्ट्रीय मेहमान शामिल होंगे। इससे पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय व्यवसायों और 11 अमेरिकी मेजबान शहरों को फायदा होगा। यह एकता का एक वैश्विक क्षण रहेगा। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता से कहीं ज्यादा है।

राहुल ने टॉस को बताया हार के लिए जिम्मेदार, ओस के कारण गेंदबाजी थी मुश्किल

रायपुर ।भारतीय क्रिकेट टीम की मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के दूसरे एकदिवसीय में 358 रन बनाने के बाद हुई हार के लिए कप्तान के एल राहुल ने टॉस हारने को कारण बताया है।राहुल ने कहा , इस परिणाम को पचाना ज्यादा कठिन नहीं है क्योंकि रात के समय काफी ओस रहती है जिससे गेंदबाजी में काफी परेशानी आती है।अंपायरों ने कई बार गेंद बदली जिसके बाद भी गेंदबाजी आसान नहीं थी।मैं लगातार दो टॉस हारने पर निराश हूं हालांक कुछ चीजें होती हैं जिन्हें हम बेहतर कर सकते थे पर कर नहीं पाये।मुझे पता है कि 350 अच्छा स्कोर लगता है हालांकि पिछले मैच के बाद भी ड्रेसिंग रूम में यही हो रही थी कि किस प्रकार हम 20 से 25 रन कैसे और बना सकते थे जिससे गेंदबाजों को गीली गेंद से गेंदबाजी करते समय स्कोर का बचाव करने में आसानी हो। गेंदबाजों ने पूरा प्रयास किया लेकिन इसके बाद भी सुधार की जरुरत है।हमने मैदान में कुछ आसान रन भी दिए जो भारी पड़ गये।अगर हम गेम के तीनों पहलुओं को देखें तो थोड़े और बेहतर हो सकते थे।शायद उन 20-25 रनों से हमें लाभ होता।राहुल ने ऋतुराज गायकवाड़ और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा, ऋतुराज को बल्लेबाजी करते हुए देखना काफी अच्छा अनुभव था।विराट को हमने 53 बार ऐसा करते देखा है।वह अपना काम करते रहते हैं, हमें यह देखने की आदत है।वहीं ऋतुराज जिस तरह से बल्लेबाजी की।उसकी जितनी तारीफ करें कम है।उसने स्पिनरों का बेहतर तरीके से सामना किया और फील्डरों के बीच में से गेंद निकाली।उसने अर्धशतक बनाने के बाद जबरदस्त तेजी दिखायी और उसी से हमें 20 रन ज्यादा मिले। अगर निचला क्रम और रन बनाता तो हम और बेहतर हालत में होते। राहुल ने अपने बल्लेबाजी क्रम पर कहा, आज पहली बार मुझे छह नंबर पर रखा गया हालांकि मैं नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने आया।

जीत के बाद बोले बावुमा, भारतीय टीम के खिलाफ खेलना बेहद कठिन

रायपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान तेंबु बावुमा ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में मिली रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है।

बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के कठिन लक्ष्य को भी हासिल कर लिया। यह एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए विदेशी धरती पर किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है।

बावुमा ने दूसरा एकदिवसीय चार विकेट से जीतने के बाद कहा, मुझे खुशी है कि हमने जीत की दहलीज पार कर ली। इस मैच में आते हुए हमारा ध्यान था कि गेंदबाजी कैसे बेहतर की जा सके। वहीं बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया। एडेन मार्करम और मैथ्यू ब्रीट्जके के अलावा कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा खेल दिखाया है। फिनिशिंग भी अच्छी रही। यह प्रकार से ये कठिन लक्ष्य हासिल किया गया। उससे साफ है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना कितना मुश्किल है। हमें आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की जरूरत होगी। जब मैं क्रीज पर आया तो एडेन गेंद को खेल रहा था। मैं उसके साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहा था। कप्तान ने साथ ही कहा, इस मैच से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है। एक अच्छी सीरीज तैयार हुई है। मुझे लगता है कि जो लोग यहां हैं, वे हमारे अच्छे खिलाड़ी हैं। हर स्थान के लिए कड़ी टक्कर थी। इसलिए मुझे लगता है कि बल्लेबाज जानते हैं कि उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यह स्थिति गेंदबाजों के साथ भी है। इस तरह के प्रदर्शन से मनोबल बढ़ता है।

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन खड्ढ पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

यहां से कोई भी चूक भारत के 9 साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है।

चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है।% बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

श्रीजेश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।% क्वार्टर फाइनल के अन्य मैचों में स्पेन का सामना न्यूजीलैंड से, फ्रांस का सामना जर्मनी से और नीदरलैंड का सामना अर्जेंटीना से होगा।

रोहित, विराट पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये : एमएस के प्रसाद

मुम्बई ।चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएस के प्रसाद ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये ।प्रसाद ने ये बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उस निर्देश को लेकर कही है जिसमें बोर्ड ने केन्द्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का अनिवार्य बनाया है।केवल फिट नहीं होने पर ही खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट से बाहर रहने की अनुमति दी गयी है। ऐसे में माना जा रहा है कि विराट और रोहित आने वाले समय में विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हुए दिख सकते हैं।वहीं प्रसाद का मानना है कि बोर्ड को इन सीनियर खिलाड़ियों पर घरेलू मैच खेलने का दबाव नहीं डालना चाहिए।उन्होंने कहा कि रोहित और कोहली न सिर्फ टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं बल्कि युवा खिलाड़ियों से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बोर्ड का मानना है सभी अनुबंधित खिलाड़ी अवसर मिलने पर घरेलू क्रिकेट खेलें, जिससे उनकी फिटनेस के साथ ही लय भी बनी रहेगी।इसी के बाद दिल्ली जिला क्रिकेट संघ ने कहा था कि विराट आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे।इसके अलावा उसने रोहित के भी मुम्बई की ओर से मैदान पर उतरने की उम्मीद जतायी।इस नियम का उद्देश्य घरेलू स्तर पर स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी बढ़ाना है, जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा और अनुभव मिल सके वहीं प्रसाद ने वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को आगाह किया है कि कोहली और रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव न बनाया जाए।साथ ही कहा कि इससे उनपर मानसिक दबाव पड़ेगा।रेलू क्रिकेट खेलना अच्छा है, लेकिन इसे जबरदस्ती की तरह पेश नहीं करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

खालिदा को देखने ब्रिटेन की टीम बांग्लादेश रवाना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम वेंटिलेटर पर रखी गई पूर्व पीएम खालिदा जिया के इलाज का आकलन करने बांग्लादेश का दौरा करेगी। खालिदा जिया की हालत यहां एक निजी अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। एवरकेयर अस्पताल के जाहिद हुसैन ने कहा, ब्रिटेन के विशेषज्ञ जांच के लिए निकल चुके हैं।

तुर्किये तट के पास रूसी तेल टैंकर पर हमला, चालक दल सुरक्षित

मास्को, एजेंसी। रूस से जॉर्जिया जा रहे रूसी तेल टैंकर एमआईडीवीओएलजीए-2 ने तुर्किये तट से 80 मील दूर 13 सदस्यीय दल पर हमला किया गया। हालांकि हमले में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तुर्किये की समुद्री प्राधिकरण बताया कि जहाज ने सहायता नहीं मांगी और सिनोप बंदरगाह की ओर बढ़ता रहा। यह घटना ऐसे समय आई है जब पिछले सप्ताह यूक्रेनी नौसैनिक ड्रोन ने काला सागर में दो रूसी-झंडी टैंकरों को निशाना बनाया था।

स्टारबक्स ने हड़ताली कर्मियों को दिए 31.33 करोड़ रुपये

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्टारबक्स न्यूयॉर्क में हड़ताल के बीच अपने 15,000 से अधिक कर्मचारियों को लगभग 31.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने उन्हें स्थिर शेड्यूल नहीं दिए और मनमाने ढंग से काम के घंटे घटाए। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ब्रायन निकोल निकोल ने इससे पहले कहा था कि कंपनी की संरचना को सुधारने का उद्देश्य निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना है और उन सिलोस को खत्म करना है जो संचार को धीमा करते हैं।

अमेरिका में जिम्नास्टिक कोच पर यौन शोषण के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा में एक जिम्नास्ट कोच पर यौन शोषण को लेकर कार्रवाई न करने पर यूएसए जिम्नास्टिक और यूएस सेंटर फॉर सेफपोर्ट नामक संस्था के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार 2017 में उन्होंने कोच के उन्हें अनुचित तरीके से छूने की जानकारी संस्थाओं को दी गई थी। लेकिन उन्होंने न तो मामले में पड़ताल करना जरूरी समझा और न ही कोई कार्रवाई। इसके चलते कोच को 2018 में आयोवा के एक अन्य जिम में नौकरी मिली। वहां भी वह बेखौफ होकर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करता रहा।

नेपाल : मधेश प्रदेश सभा की बैठक तत्काल बुलाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। मधेश राज्य सरकार में विपक्षी दलों के गठबंधन ने प्रदेश सभा की बैठक तुरंत बुलाने की मांग की है। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री सरोजकुमार यादव को 24 घंटे में विश्वास का मत हासिल करने का आदेश दिया है। इसी के चलते गठबंधन में शामिल दलों ने प्रदेश सभा की बैठक का आग्रह किया। सीएम विश्वास मत नहीं लेते हैं या बहुमत जुटाने में नाकाम रहते हैं तो संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। अदालती आदेश जारी होने के अगले ही दिन नेपाली कांग्रेस, माओवादी केंद्र, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेपाल सहित विपक्षी दलों ने उप सभामुख बबीता राउत से प्रदेश सभा की बैठक शाम 4 बजे बुलाने का अनुरोध किया। उच्च सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों ने अपने सांसदों को जिले से बाहर न जाने का निर्देश भी दिया है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के 7 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में सात टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, दोनों ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले में किए गए। सुरक्षा बलों द्वारा मीर अली तहसील में एक खुफिया-आधारित अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसके दौरान छह आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि जिले के स्पिनवाम क्षेत्र में आईबीओ में एक अन्य आतंकवादी मारा गया। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है, जो सुरक्षा बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों और निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक

रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नहीं

मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

पुतिन-ट्रम्प की बैठक तय नहीं : उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा। वे कुछ बातों पर कुछ बातों पर सहमति और कुछ पर सख्त आपत्ति जताएंगे। अब असली सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कैसे रिस्पांस करता है।

पुतिन ने कहा था- हम युद्ध नहीं चाहते : इस बैठक से ठीक पहले पुतिन ने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की शांति योजना में ऐसे बदलाव कर रहा है जिससे बातचीत आगे न बढ़ सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप लड़ाई शुरू करना चाहता है, तो रूस तैयार है। उधर, व्हाइट हाउस ने बैठक से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बातचीत से कुछ डेवलपमेंट हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल ही में यूक्रेनी प्रतिनिधियों से फ्लोरिडा में मुलाकात की थी, जहां शांति योजना में कई बदलावों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मौजूदा शांति योजना पहले की 28 बिंदुओं वाली योजना में सुधार करके बनाई गई है, क्योंकि पुरानी योजना को यूक्रेन और यूरोपीय देशों ने रूस के पक्ष में बताया था।

जेलेंस्की बोले- हर तरह की डिप्लोमेटिक कोशिशें करेंगे : जेलेंस्की इस समय यूरोपीय देशों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आयरलैंड पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं। उनका कहना है कि यूक्रेन किसी भी कूटनीतिक प्रयास को बेहद गंभीरता से ले रहा है और उसकी पूरी कोशिश है कि एक मजबूत शांति और सुरक्षा गारंटी मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस शांति से पहले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है ताकि दूसरे देशों को प्रभावित किया जा सके। विटकॉफ और पुतिन के बीच यह इस साल की छठी बैठक थी। इतनी कोशिशों के बावजूद अब तक कोई ठोस समझौता नहीं बन सका है। अमेरिका और यूक्रेन को उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, जबकि पुतिन लगातार इस बात पर अड़े हैं कि यूक्रेन को उन इलाकों से पीछे हटना होगा जिन्हें रूस अपना हिस्सा मानता है।

अमेरिका में दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ट्रक से टक्कर के बाद कार में सवार दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या के आरोप लगाए गए हैं। राजिंदर कुमार (32) पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही के कारण किसी की जान को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है।

हादसे में कार में सवार विलियम मिका कार्टर (25) और जेनिफर लिन लोवर (24) की मौत हो गई थी। जिस ट्रक से उनकी टक्कर हुई थी, उसे कुमार ही चला रहा था। अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचसी) ने कहा कि आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने कुमार की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया है।

ओरेगन राज्य की पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारियों को 24 नवंबर की रात डेशूट्स काउंटी में दो वाहनों की टक्कर की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुमार का ट्रक सड़क के बीचोंबीच खड़ा था, जिसकी वजह से दोनों ओर से आवाजाही बंद हो गई थी। उसी दौरान राजमार्ग पर तेज रफ्तार में आ रही कार्टर की कार ट्रक से टकरा गई थी।

कार्टर और लोवर को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था जबकि कुमार को कोई चोट नहीं लगी थी। इसके बाद कुमार को गिरफ्तार करके डेशूट्स काउंटी जेल भेज दिया गया था। डीएचएस के अनुसार कुमार भारत से आया अवैध प्रवासी है और वह 28 नवंबर 2022 को अरिजोन के ल्यूकविल के पास गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था।

लंदन में 'मेगा' दूतावास बनाने की चीन की योजना में और देरी

लंदन, एजेंसी। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है। अधिकारियों ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह जानकारी दी है। लंदन के वित्तीय जिले और संवेदनशील डेटा केबलों के करीब एक बहुत बड़ी साइट पर बनने वाले इस 'मेगा दूतावास' की योजना क्यों से रुकी हुई है। आलोचकों ने चिंता जताई है कि इस इमारत का इस्तेमाल जासूसी के अड्डे के रूप में किया जाएगा, और राजनीतिक गलियारों के सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों को 10 दिसंबर तक दूतावास पर निर्णय लेना था, लेकिन प्लानिंग इंस्पेक्टरेट ने कहा कि इस पर पूरी तरह से विचार करने के लिए अधिक समय देने हेतु समय सीमा को बढ़ाकर 20 जनवरी कर दिया गया है। प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर के प्रवक्ता टॉम वेल्स ने पत्रकारों से कहा, 'गृह कार्यालय और विदेश कार्यालय ने विशेष सुरक्षा निहितार्थों पर विचार दिए हैं, और शुरू से ही यह स्पष्ट किया है कि जब तक हम यह पुष्टि नहीं कर देते कि उन विचारों को पूरा या सुलझा लिया गया है, तब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए।' यह देरी हाल के हफ्तों में चीनी जासूसी के कई आरोपों से निपटने को लेकर ब्रिटिश सरकार पर बढ़ते दबाव के बीच हुई है।

कैलिफोर्निया में 2006 के बाद 2025 में कम हुए नरसंहार : कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में साल 2006 के बाद नरसंहार के मामले 2025 में सबसे कम रहे। कैलिफोर्निया में बच्चों की जन्मदिन पार्टी में हुई हालिया गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई थी। ये इस साल की 17वां नरसंहार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कमी स्थायी सुरक्षा का संकेत नहीं, बल्कि औसत स्तर पर लौटने जैसा है। क्रिमिनोलॉजिस्ट जेम्स ऐलन फॉक्स के अनुसार, 2025 में सामूहिक हत्याएं 2024 की तुलना में 24 फीसदी कम रहीं।

पश्तून सांसद की खरी-खरी, कहा- एक गांव भी बिना सिस्टम के नहीं चलता, यहां पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चल रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के मुद्दों को पाकिस्तानी संसद में बेबाकी से उठाने वाले सांसद महमूद खान अचाकजई ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना एवं सरकार की ओर से अत्याचारों का विरोध किया है और कहा कि यहां तो पूरा देश ही मनमर्जी से चल रहा है। अचाकजई ने कहा कि पाकिस्तान में संविधान और व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र है। उन्होंने मंगलवार को पश्तून नायक खान अब्दुल समद खान की 52वीं बरसी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरकार पर खैबर पख्तूनख्वा की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के चेयरमैन महमूद खान ने कहा कि इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र रह गया है। आखिर कोई देश कैसे बिना किसी नियम और कानून के चल सकता है। एक गांव भी इस तरह नहीं चल सकता, लेकिन यहां तो पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चलाया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने शाहबाज शरीफ सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चुराए हुए जनादेश से बहुमत तैयार कर लिया गया। संसद बन गई। पैसे और प्रभाव से संविधान को खत्म करने और व्यवस्था को कमजोर करने को अनुमति नहीं दी जा सकती। यही नहीं उन्होंने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का भी पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि संसद में बहुमत हासिल करने के लिए पीटीआई के लोगों पर अत्याचार किए गए। उन्होंने कहा कि हजारों घरों में रेड मारी गई। पुलिस थानों में कार्यकर्ताओं को टॉर्चर किया गया। वहां डिटेंशन सेंटर बना दिए गए। यहां तक कि उनकी गरिमा का भी उल्लंघन हुआ। इसके बाद भी पब्लिक ने पीटीआई को ही जनादेश दिया, लेकिन जब वोटों की गिनती हो रही थी तो दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहे लोगों को विजेता घोषित कर दिया गया।

कुछ लोगों को लाखों रुपये लेकर विजेता बना दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी जब बहुमत मिलता नहीं दिखा तो अदालतों से फैसले दिलाकर कई लोगों को अयोग्य ही घोषित करा दिया गया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान में अदालतें कोई सही फैसला नहीं दे सकतीं। वे बिना दबाव के निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर पा रही हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिका सख्त: ट्रंप ने चेताया- अब जमीन पर भी होंगे हमले, कैरिबियन सागर में हमलों के बाद बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरिबियन सागर में कथित वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद अब तनाव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कारण है कि कैबिनेट बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक चेतावनी दी है कि सागर में हमले के बाद अब अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला के अंदर भी जमीनी हमले शुरू कर सकता है। ट्रंप की ये चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन कैरिबियन सागर में किए गए हमले को लेकर जांच के घेरे में है। बता दें कि इन हमलों में हुए 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, ऐसे में इस हमले को लेकर उठ रहे सवाल के बीच ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव किया। साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही जमीन पर भी हमले शुरू करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी हमले आसान है, क्योंकि हमें पता है कि ड्रग तस्कर कहां रहते हैं। हम बहुत जल्द हमला शुरू करने वाले हैं।

80 से ज्यादा लोगों की मौत, ट्रंप प्रशासन पर सवाल : हाल में अमेरिका की ट्रंप प्रशासन को उन नौकाओं पर किए गए हमलों को लेकर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है जिन पर नशा-तस्करी का आरोप था। इन हमलों में अब तक 80 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने रक्षा मंत्री हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा कि न तो उन्हें और न ही हेगसेथ को दूसरे हमले की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि मुझे दूसरे हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे बस इतना पता था कि एक नाव को निशाना बनाया गया था।

पहले हमला लाइव देखा- हेगसेथ : दूसरी ओर रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने पहला हमला लाइव देखा, लेकिन उसके बाद अपनी अगली मीटिंग में चले गए। उन्होंने कहा कि कुछ घंटे बाद मुझे दूसरे हमले के बारे में पता चला। मैंने कोई जीवित व्यक्ति नहीं देखा, क्योंकि वह नाव पूरी तरह आग में घिरी हुई थी। हालांकि दूसरे हमले को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रमुख एडमिरल फ्रैंक मिच ब्रैडली ने दूसरे हमले का आदेश दिया था।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई, रैली-जुलूस निकालने पर रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है। आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है। दावा-संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं। पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं। सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था।

असीम मुनीर के इशारे पर जेल में किया जा रहा टॉर्चर, बहनों से मुलाकात पर इमरान ने क्या बताया

करांची, एजेंसी। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। इमरान खान का कहना है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के निर्देश पर उन्हें अदियाला जेल में प्रताड़ित किया जा रहा है। इमरान खान को पाकिस्तानी जेल में एकांत कारावास में रखा गया है और बाहरी दुनिया से उनकी कोई पहुंच नहीं है। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व के साथ-साथ उस अलोकतांत्रिक शासन के लिए भी संदेश दिया, जिसे उन्होंने अलोकतांत्रिक शासन कहा था। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि इमरान खान ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर उस मानसिक यातना के लिए जिम्मेदार हैं, जिसका दावा वे जेल में कर रहे हैं। मुलाकात के बाद बोलते हुए उज़मा खान ने कहा कि इमरान जेल प्रशासन से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर नाराज थे, हालांकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि उनका 'मनोबल अभी भी ऊँचा है। उज़मा की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब पीटीआई ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय और अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन किया था और इमरान खान के मुलाकात के अधिकार पर लगाए गए गैरकानूनी प्रतिबंधों की निंदा की थी। पार्टी और परिवार ने बार-बार शिकायत की थी कि सप्ताह में दो बार मुलाकात की अनुमति देने वाले अदालती आदेश के बावजूद, कई हफ़्तों से मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई थी।

तेज रफ्तार कार हाईवे पर ट्रक में घुसी, चार डॉक्टरों की हुई दर्दनाक मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा जिले के रजबपुर क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार खड़े हुए ट्रक से टकराने के कारण चार चिकित्सकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बीती देर रात करीब साढ़े 10 बजे अतरासी इलाके के पास यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक के नीचे फंसकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कटर से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के निवासी आयुष शर्मा, श्रेष्ठ पंवेलो, कोलकाता के निवासी अर्नब चक्रवर्ती और त्रिपुरा के रहने वाले सारस्वती के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए है।

एसिड अटैक मामले में 16 साल बाद भी ट्रायल... अत्याधिक देरी पर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2009 के एसिड अटैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल में अत्यधिक देरी पर चिंता व्यक्त कर कड़ा रुख अपनाया है। साल 2009 में एक महिला पर हुए एसिड अटैक का मामला, जिसका ट्रायल 16 साल बाद भी (खबर के अनुसार) चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रीय राजधानी (दिल्ली) इसतरह के मामलों को हैंडल नहीं कर सकती है, तब कौन करेगा। उन्होंने शर्म की बात और सिस्टम का मजाक बताया। बेंच (सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची) ने सभी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से एसिड अटैक केस में लंबित ट्रायल का डेटा चार हफ्तों के अंदर जमा करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता ने बताया कि ट्रायल अब दिल्ली के रोहिणी में अंतिम सुनवाई के चरण में है। वह अपने केस के साथ-साथ अन्य एसिड अटैक सर्वाइवर्स की मदद भी कर रही है। सीजेआई ने याचिकाकर्ता को ट्रायल में तेजी लाने के लिए आवेदन दायर करने और मामले की सुनवाई रोज़ाना करने को कहा। याचिकाकर्ता ने एसिड अटैक सर्वाइवर्स की बुरी हालत (जैसे एसिड पीने को मजबूर होना, आर्टिफिशियल फीडिंग ट्यूब पर निर्भरता) का जिक्र किया और उन्हें दिव्यांगों की कैटेगरी में रखने की मांग की, ताकि उन्हें वेलफेयर स्कीम्स का लाभ मिल सके। बेंच ने केंद्र से इस अर्जी पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल से चल रहे एसिड अटैक ट्रायल की धीमी गति पर न्यायिक व्यवस्था की कड़ी आलोचना की है और देश भर के हाई कोर्ट से लंबित मामलों का डेटा मांगा है, साथ ही पीड़ितों को दिव्यांग कैटेगरी में शामिल करने की मांग पर केंद्र से जवाब मांगा है।

धर्मेंद्र की संपत्ति को लेकर चर्चा, सनी ने कहा... सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिका

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर 2025 को उनके मुंबई स्थित घर पर निधन हो गया था। उनकी अनुमानित संपत्ति जो कि करीब 450 करोड़ रुपये है, जिसमें फार्महाउस, बंगला, स्टूडियो, प्रोडक्शन हाउस, रेस्टोरेंट और अन्य निवेश शामिल है। इसके बंटवारे को लेकर चर्चा जोरों पर है। बालीवुड के हीमैन धर्मेंद्र ने दो शादियां की थी इसके बाद उनके दो परिवार है। पहली पत्नी प्रकाश कौर से अभिनेता सनी देओल, बॉबी देओल, बहन अजीता और विजेता। जबकि दूसरी पत्नी हेमा मालिनी से ईशा और अहाना देओल शामिल है। इसके अलावा उनके 13 नाती-पोते भी है। बात दें कि हेमा और उनकी बेटियों का धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में शामिल न होना, परिवार के भीतर संभावित मतभेदों की खबरों को हवा देता है। साथ ही, हेमा मालिनी के 45 साल की शादी में पहली पत्नी वाले घर कभी न जाने का जिक्र है, जिसके कारण अंतिम समय में वे धर्मेंद्र से नहीं मिल पाई। लेकिन परिवार के एक करीबी सूत्र के अनुसार, सनी देओल ने स्पष्ट किया है कि धर्मेंद्र के सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त होगा। सनी का कहना है कि वे किसी भी हालत में ईशा और अहाना के हिस्से को नुकसान नहीं पहुंचने देने वाले है। उन्होंने कहा कि यह धर्मेंद्र की भी आखिरी इच्छा थी। संपत्ति के बंटवारे को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। अब यह देखना होगा कि उनकी इच्छा और सनी देओल के आश्वासन के अनुरूप विरासत को न्यायपूर्ण तरीके से कैसे विभाजित किया जाता है।

800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। सूरत पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने 800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपियों को मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जतिन ठक्कर उर्फ जॉन रेयर (27) और दीपकुमार ठक्कर (24) को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने इसके पहले सूरत के कतारगाम इलाके में छापेमारी कर मीत शाह, यश शिंदे, ऋषिकेश नवकाल, नीलेश सोलंकी और परेशकुमार मोदी को ऑनलाइन सट्टेबाजी पोर्टल या मंच के जरिए लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर 149 बैंक खातों का उपयोग कर रहे थे और इन खातों के संबंध में पूरे भारत में 417 शिकायतें दर्ज कराई गई है। जतिन और दीपकुमार के फरार होने पर सूरत पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था।

भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और हथियार खरीदने के आरोप में 5 को आजीवन कारावास

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता की एक कोर्ट ने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के पांच सदस्यों को जिनमें से दो बांग्लादेशी नागरिक है, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और इस उद्देश्य के लिए हथियार खरीदने का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी समूह जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के कार्यकर्ता भारत के कई राज्यों में बम विस्फोट जैसी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने सितंबर 2016 में पश्चिम बंगाल और असम से छह आरोपियों को विस्फोटक, आईईडी, भारत में विस्फोट करने की उनकी योजना के दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया था। सिटी सत्र अदालत के विशेष न्यायाधीश रोहन सिन्हा ने छह आरोपियों में से पांच को दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने बांग्लादेशी नागरिकों अनवर हुसैन फारुक और मोहम्मद रुबेल, पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी मौलाना यूसुफ एस के और असम निवासियों मोहम्मद साहिदुल इस्लाम और जहीरुल इस्लाम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। छठे आरोपी बर्धमान निवासी अब्दुल कलाम को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

वायु प्रदूषण पर बोलीं सोनिया गांधी- मुझ जैसे बुजुर्गों को हो रही परेशानी, कुछ करना सरकार की जिम्मेदारी

-संसद परिसर में विपक्ष ने किया जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में लगातार वायु गुणवत्ता बिगड़ी हुई और इसे लेकर आज यहां संसद परिसर में विपक्ष ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार के सामने मास्क, पोस्टर और स्लोगन के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार से त्वरित और ठोस कदम उठाने की मांग की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी भी शरीक हुईं और वायु प्रदूषण के लिए सरकार को घेरा।

यहां सोनिया गांधी ने कहा, कि वायु प्रदूषण के कारण छोटे बच्चे परेशान हैं, मुझ जैसे बुजुर्गों को परेशानी हो रही। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदर्शन में शामिल होते हुए कहा, कुछ करना सरकार की जिम्मेदारी है। छोटे बच्चे परेशान हैं, और मेरे जैसे बुजुर्ग लोगों के लिए भी यह मुश्किल है। सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। संसद परिसर में विपक्ष के सांसदों ने मास्क और स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सोनिया गांधी के बयान को विपक्ष की उस बढ़ती नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है, जो दिल्ली की विषाक्त हवा और केंद्रीय व राज्य सरकारों की निष्क्रियता पर केंद्रित है।

इसी बीच वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, कि आखिर किस मौसम का मजा लें? खासतौर पर तब जबकि लोग सांस तक ठीक से नहीं ले पा रहे हों। उन्होंने कहा, बाहर देखिए क्या स्थिति बनी हुई है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे हैं। हर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है, हर साल सिर्फ बयानबाजी होती है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। हमने सरकार से कहा है कि कार्रवाई करे, हम उसके साथ खड़े हैं। यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। उन्होंने वायु गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट बताया और इसे संसद में शीर्ष प्राथमिकता से उठाने की आवश्यकता दोहराई।

स्थगन प्रस्ताव दिया

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बताया, कि उन्होंने सदन में काम रोको प्रस्ताव दिया है। उनके अनुसार, दिल्ली में एक्यूआई 400 है, लोग बुरी स्थिति में हैं। बच्चों को सांस लेने में मुश्किल हो रही है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बड़ी आपदा है। इस पर सदन में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

दोनों सरकारें फेल : अजय माकन

कांग्रेस नेता अजय माकन ने दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, दिल्ली में, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों जिम्मेदार हैं। कोई भी अब ब्लेम गेम नहीं खेल सकता। जब तक दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार नहीं होगा, प्रदूषण का मुद्दा हल नहीं होगा। कांग्रेस के 15 साल में हालात नियंत्रण में थे, लेकिन बीजेपी और आप दोनों दिल्ली में प्रदूषण रोकने में फेल हो गए हैं।

प्रदूषण पर कड़ा राजनीतिक दबाव

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई लगातार 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि स्थितियां बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगियों के लिए बेहद खतरनाक हैं।

यूपी में कांग्रेस का समाजवादी पार्टी से टूटा नाता ! कांग्रेस ने पंचायत चुनाव अकेले लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के एक फैसले से सूबे की राजनीति गरमा गयी है। दरअसल, पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से किनारा कर लिया है। इसके पीछे वजह यह है कि कांग्रेस पार्टी ने अकेले पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बताया जाता है कि यूपी कांग्रेस सांसदों की राहुल गांधी के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। कहा जा रहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अलग से पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया। हालांकि कांग्रेस पार्टी के इस फैसले से अब इंडिया अलायंस के भविष्य पर सवाल उठने लगे है। वहीं राजनीतिक जानकार कांग्रेस के इस फैसले को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक नए प्रयोग के रूप में देख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, बीते दिनों उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी 2027 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी। हमारा गठबंधन जारी रहेगा। मगर, कांग्रेस पार्टी के इस फैसले ने सभी को चौंका दिया है। हालांकि, कांग्रेस के इस निर्णय पर समाजवादी पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 में सपा-कांग्रेस के गठबंधन प्रदेश की 80 सीटों से 43 सीटें अपने खाते में की थी।

झांसी की एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन का नाम, मचा हड़कंप

- मकान नंबर 54 में दर्ज है नाम लेकिन वहां मंदिर मिला

झांसी (एजेंसी)। यूपी इन दिनों एसआईआर प्रक्रिया चर्चाओं में है। आए दिन इसको लेकर कुछ न कुछ चौंकाने वाले मामले सामने आ रहे हैं। अब एक और अजब-गजब मामला सामने आया है। जहां एसआईआर सूची में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके पिता हरिवंश राय बच्चन का नाम दर्ज मिला है, जिसको लेकर अब हड़कंप मचा गया है। सवाल उठरहे है कि आखिर ऐसे नाम सूची में कैसे पहुंचे?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ओरछा गेट बाहर के खुशीपुरा इलाके की वोटर लिस्ट में उनका नाम और मकान नंबर 54 दर्ज है। साफतौर से ये भी बताया गया है कि अमिताभ बच्चन ने साल 2003 में वोट भी डाला था, साथ ही लिस्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन की उम्र 76 साल की है। इसको लेकर जब पड़ोसियों ने बताया तो हर कोई हैरान रह गया। पड़ोसियों ने कहा कि हमने अमिताभ बच्चन को सिर्फ फिल्मों में देखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन के नाम के साथ जो मकान नंबर-54 दर्ज है वह मकान नंबर सुरेंद्र कुमार (76) पुत्र राजेश कुमार के नाम दर्ज पाया गया है। दोनों मतदाताओं का नाम लिस्ट में 543 और 544वें नंबर पर देखा गया है। वहीं पूरा मामले में ट्विस्ट तब आया जब मकान नंबर 54 की जगह वहां मंदिर मिला। नाम सामने आते ही प्रशासन में खलबली मच गई। विभाग में घमासान और जांच की मांग तेज हो गई है। फिलहाल विभाग में जवाबदेही को लेकर चर्चाएं तीखी हो गई है और मामला गर्माता जा रहा है।

सीएम रेंवत के बयान पर बीजेपी का आरोप, हिंदू-विरोधी राजनीति कर रहे है और मुस्लिम लीग जैसी सोच

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए गए बयान से विवाद पैदा हो गया है। सीएम रेड्डी ने कांग्रेस की अंदरूनी बैठक में पार्टी के भीतर विभिन्न विचारधाराओं और समूहों को समायोजित करने की प्रक्रिया को समझाने के लिए हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की विविधता का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के तीन करोड़ देवी-देवता है, और हर परिस्थिति के लिए अलग देवता माने जाते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने विभिन्न देवताओं के उदाहरण दिए, जैसे अविवाहितों के लिए हनुमान, दो बार शादी करने वालों के लिए अलग देवता, शराब पीने वालों के लिए अलग देवता, आदि। सीएम रेंवत के बयान पर भाजपा और बीआरएस (बीआरएस) दोनों ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त देकर मुख्यमंत्री से माफी की मांग की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस हिंदू-विरोधी राजनीति कर रही है और मुस्लिम लीग जैसी सोच के साथ काम कर रही है। भाजपा के

राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और अर्बन नक्सली मानसिकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू आस्थाओं पर बार-बार हमला करने का आरोप लगाया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के राधे-राधे अभिवादन पर आपत्ति जताने की घटना का भी उल्लेख किया। भाजपा ने कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के जिहाद संबंधी टिप्पणी के समर्थन और कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की भौं-भौं वाली प्रतिक्रिया पर भी निशाना साधा, इसे कांग्रेस के मुस्लिम लीग एजेंडा का हिस्सा बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस बयान को आपत्तिजनक और घृणित बताते हुए कांग्रेस के भीतर हिंदू-विरोधी भावनाओं का जहर उजागर होने की बात कही।

इसके बाद में मुख्यमंत्री रेड्डी ने दावा किया कि भाजपा उनके बयान को तोड़-मरोड़ रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बात कांग्रेस के भीतर की आंतरिक विविधता को समझाने के लिए कही थी ताकि नए डीसीसी अध्यक्ष सभी को साथ लेकर चल सकें। यह विवाद तब सामने आया है जब तेलंगाना की नई कांग्रेस सरकार संगठन को मजबूत करने और व्यापक समूहों तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने की कोशिश कर रही है। यह घटना तेलंगाना की राजनीति में एक तीखी बहस का विषय बन गई है, जिसमें विपक्षी दल कांग्रेस पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुँचाने और मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं।

राहुल गांधी की नागरिकता को दाखिल परिवाद पर सुनवाई आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। रायबरेली (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर रायबरेली की एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल परिवाद पर कल कोर्ट सुनवाई करेगा। बेंगलुरु के रहने वाले भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता विदेश्वरी पांडेय के माध्यम से बुधवार को प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर कोर्ट ने शहर कोतवाली पुलिस से प्रकरण की रिपोर्ट तलब की है।

एस. विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318, 335, 340, 236, 237, 61, 148,147, 152, 238, 336, 351, 354,359, 241 सहित पासपोर्ट अधिनियम व विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने का प्रार्थना पत्र विशेष न्यायाधीश डा. विवेक कुमार के समक्ष दाखिल किया है। कोर्ट ने न्यायालय ने प्रार्थनापत्र पर कोई आदेश करने के पूर्व कोतवाली से रिपोर्ट मंगाई है। शिकायतकर्ता ने राहुल पर गंभीर आरोप लगाए है। कुछ धाराओं में आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक के प्रावधान है। दोहरी नागरिकता, फर्जी पासपोर्ट, गोपनीय सूचना दुश्मनों को पहुंचाना, बेनामी संस्था बनाने जैसे गंभीर आरोप है। कोर्ट ने प्रकीर्ण वाद में दर्ज कर सुनवाई के लिए कल पांच दिसम्बर की तिथि नियत की है।

भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट में सांसद राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता को लेकर एप्लीकेशन दी गयी है। कोर्ट से इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इस मामले में न्यायालय ने कोतवाली पुलिस रायबरेली से रिपोर्ट मांगी है। जांच की रिपोर्ट भी जल्दी मिल जाएगी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई पहले से जांच कर रही है। शिशिर ने कहा कि भारत की राजनीति में पहली बार ऐसा हुआ कि कोई विदेशी नागरिक हमारे संसद में 20 साल से बैठे है। इस मामले में जल्द ही सुनवाई होगी और फैसला भी सुनाया जाएगा। ब्रिटिश सरकार से भी पासपोर्ट आ गया है। भारतीय सरकार से भी हमें जानकारी मिली है। जो भी डॉक्यूमेंट न्यायालय मांगेगा या पुलिस मांगेगी, उसमें पूरी सहायता करने के लिए हम पूर्ण रूप से तैयार है।

बिहार चुनाव की नाराजगी के बाद झारखंड में उबाल: हेमंत सोरेन भाजपा के साथ जा सकते हैं?

रांची (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद झारखंड की सियासत में भूचाल आ गया है। वजह है झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की नाराजगी। बिहार चुनाव में जेएमएम को एक भी सीट नहीं दी गई थी, जिससे पार्टी बेहद खफा है। अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली में डेरा डाले हुए है। राजनीतिक गलियारों में तेज चर्चा है कि जेएमएम एनडीए के साथ जा सकती है और झारखंड में नई सरकार बन सकती है।

2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया था। 81 में से 56 सीटें जीती थीं - जेएमएम 34, कांग्रेस 16, राजद 4 और वाम दल 2। बीजेपी को सिर्फ 20 सीटें मिली थीं। अगर जेएमएम महागठबंधन छोड़कर बीजेपी के साथ आती है तो सिर्फ दो दलों की सीटें (34 + 20 = 54) ही बहुमत के जादुई आंकड़े 42 से कहीं ऊपर पहुँच जाएंगी। अगर पूरा एनडीए जेएमएम के साथ आता है तो तस्वीर और मजबूत होगी। बीजेपी (20) + जेएमएम (34) + आजसू (1) + एलजेपी (1) + जेडीयू (1) = कुल 57 सीटें। यानी भारी बहुमत। इससे मौजूदा महागठबंधन सरकार अपने आप गिर जाएगी और हेमंत सोरेन एक बार फिर मुख्यमंत्री बन सकते है, इस बार बीजेपी के समर्थन से। सियासी जानकार मानते है कि बिहार में नीतीश कुमार की जीत और राजद की हार के बाद जेएमएम को लगा कि कांग्रेस-राजद के साथ रहने से उसका भविष्य सुरक्षित नहीं है। बिहार में सीट न मिलना आखिरी झटका साबित हुआ। यही वजह है कि हेमंत सोरेन दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लगातार संपर्क में बताए जा रहे हैं। हालांकि जेएमएम के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ अफवाह है। हम महागठबंधन के साथ है और रहेंगे। मगर दिल्ली में सोरेन दंपती की मौजूदगी और बंद कमरों में चल रही बैठकों ने सारी अटकलों को हवा दे दी है। अगर यह उलटफेर हुआ तो झारखंड की राजनीति में पिछले दस साल का सबसे बड़ा सियासी धमाका होगा। देखना यह है कि हेमंत सोरेन पुरानी दोस्ती निभाते है या नया गठबंधन चुनते है।

जीव दया और कबूतर बचाव अभियान के तहत जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में मार्च निकालेगा

मुंबई (एजेंसी)। जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में एक बड़ा मार्च निकालेगा। जीव दया और कबूतर बचाव अभियान की शुरुआत जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय महाराज के नेतृत्व में शुरू किया जाएगा। यह मार्च कोलाबा जैन मंदिर से शुरू होगा और लालबाग, भायखला, डोंगरी, लोअर परेल होते हुए दादर कबूतरखाना जैन मंदिर और दूसरे बड़े जैन मंदिरों तक जाएगा। मार्च के दौरान जैन समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रवचन और कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान को बड़े पैमाने पर समर्थन देने की अपील भी की जाएगी। खबर है कि नीलेशचंद्रजी महाराज जीव दया और कबूतर बचाव आंदोलन को और मजबूत करने के लिए दादर में फिर से अनशन करने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार का ध्यान खींचने के लिए जैन समुदाय के आक्रामक रुख अपनाने की संभावना है। नीलेशचंद्र महाराज कहते हैं कि जैन समाज ने किसी के मंदिर या घर तोड़कर जैनालय नहीं बनाया। यह जैन समाज शांतिप्रिय समाज है। लेकिन हमारे विले पार्ले का मंदिर बुलडोज़र से गिरा दिया गया, तो उन्होंने गैर-कानूनी मस्जिदें क्यों नहीं गिराई? दो नेता मुझसे मिले हैं, उन्होंने कहा कि हम 15 दिन बाद कोई हल निकालेंगे, लेकिन बात नहीं बनी। देवेंद्र फडणवीस के साथ जो गद्दार नेता समाज को तोड़ रहे हैं, उनकी खैर नहीं है। मेरी जान भी चली जाए, तो भी मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। मुझे जो मैसेज देना था, वह मैंने देवेंद्र फडणवीस को दे दिया है। जो भी हिंदी के हित में कुछ करेगा, हम उसका साथ देंगे। क्या जैन समाज आने वाले चुनाव लड़ेगा? इसपर जैन मुनि नीलेशचंद्र जी ने कहा, हां, मैं पूरे भारत में अभियान शुरू करूंगा, हर समाज की एक पार्टी होती है। तो जैन समुदाय के लिए कोई पार्टी क्यों नहीं है, हमें कुछ चीजों के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है। हमें सड़कों पर उतरना पड़ता है। हम एक शांतिप्रिय और प्यार करने वाला समुदाय हैं। हम किसी के झगड़ों में नहीं पड़ते। हम लड़ाई-झगड़ों में नहीं पड़ते। जब विदर्भ में बाढ़ आई थी, तो मैंने वहां दो करोड़ रुपये भेजे, हमने देवेंद्र फडणवीस को चेक दिया, हमने महाराष्ट्र के लोगों के लिए दिया, ऐसे कई उदाहरण हैं।

बाबरी से मिलती-जुलती मस्जिद बनाने का दावा करने वाले कबीर टीएमसी से निलंबित

कोलकाता (एजेंसी)। बाबरी से मिलती जुलती मस्जिद बनाने का दावा कर रहे विधायक हुमायूं कबीर को टीएमसी ने निलंबित कर दिया है। कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखने की बात कही थी। इसके बाद से ही प्रशासन अलर्ट था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी विधायक कबीर के इस फैसले से सीएम ममता बनर्जी नाराज थीं। हालांकि इस पर अधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

पुतिन का दौरा अहम, तकनीक-ऊर्जा सहयोग और यूक्रेन युद्ध पर हो सकती है चर्चा

-पूर्व राजनयिक त्रिगुणायत ने कहा- कंपनियों को सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। पुतिन की यात्रा को लेकर पूर्व भारतीय राजनयिकों का मानना है कि परमाणु प्लांट से जुड़े विषय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक के अलावा पुतिन और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता में यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हो सकती है। पूर्व राजनयिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि रूस हर मुश्किल वक्त में भारत के साथ खड़ा रहा है। इस कड़ी में 25 साल पहले यह तय हुआ कि समय-समय पर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी। उसी आधार पर पुतिन भारत आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि पिछले 25 सालों में भारत-रूस संबंध बहुत मजबूत हुए हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच आपसी समझ भी काफी अच्छी है। रूस-यूक्रेन युद्ध पर त्रिगुणायत ने कहा कि संभावना है कि पुतिन बातचीत में पीएम मोदी से यूक्रेन के विषय पर बात कर सकते हैं। पीएम मोदी ने हमेशा युद्धविराम की बात की है। रूस-यूक्रेन की लड़ाई इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

त्रिगुणायत ने कहा कि एनर्जी सिक्योरिटी में रूस की बहुत बड़ी भूमिका है। उसके चलते भारत के ऊपर कुछ अतिरिक्त शुल्क भी लगा है। हालांकि, भारत ने इतना ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि द्विपक्षीय वार्ता में इस पर भी चर्चा हो सकती है। अगर रूस अपने सरप्लस को रणनीतिक तरीके से भारत में निवेश करना चाहे तो वह उसके लिए बहुत बड़ा अवसर है। इसी तरह भारतीय कंपनियों के लिए भी यह बड़ा मौका है। कंपनियों को भी सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

वहीं, पूर्व राजनयिक वीना सिकरी ने कहा कि ऐसा लगता है कि पुतिन का यह एक बहुत ही अहम दौरा है। इसके पीछे कई कारण हैं। दुनिया भर में जियोपॉलिटिकल हालात बहुत नाजुक हैं। दो युद्ध चल रहे हैं, जो अभी खत्म नहीं हैं, बल्कि तनाव बना हुआ है। इसके अलावा भारत पर अमेरिका की तरफ से ज्यादा टैरिफ को लेकर काफी दबाव है, जिसका ज्यादातर हिस्सा उस एनर्जी से जुड़ा है जो भारत रूस से खरीद रहा है। सिकरी ने कहा कि रूस की ओर से विकसित सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट बहुत अहम है और भारत सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है।